मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.9	27.0
जमशेदपुर	32.4	25.8
डालटनगंज	32.6	26.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 22 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 104 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

ॐ नमः शिवाय

राजकीय श्रावणी मेला

के शुभ अवसर पर महादेव की भूमि
देवघर में सभी श्रद्धालुओं का
हार्दिक स्वागत एवं जोहार

भगवान शंकर सभी भक्तों की मनोकामना पूर्ण करें

हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

ब्रीफ खबरें

आरपीएफ जवान ने बचाई युवक की जान

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान की सतर्कता से एक युवक की जान बच गई है. युवक चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश कर रहा था. इसी क्रम में वह गेट पर फंस गिर गया. उसका शरीर का हिस्सा प्लेटफॉर्म पर था. युवक को देखते ही रांची रेलवे स्टेशन पर तैनात आरपीएफ जवान ने उसकी तरफ दौड़ लगाई और काफी हिम्मत के साथ उसकी जान बचाई. पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. यह घटना शनिवार की रात हुई है.जब संख्या 18602 हटिया टाटानगर पैसेंजर के रांची स्टेशन से खुलते ही एक युवक ट्रेन से उतरने की कोशिश में प्लेटफॉर्म पर गिर पड़ा, उसी वक्त ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ के जवान शशि कुमार ने ऑपरेशन जीवन रक्षा के अनुसार उस युवक को अपनी ओर खींचकर उसकी जान बचाई.

सेना भर्ती निदेशक एएसपी से मिले

रांची। झारखंड में वर्ष 2024-25 के लिए सेना भर्ती रैली का आयोजन 27 जुलाई से 10 अगस्त तक राजधानी रांची के खेलगांव में होना है. इसकी तैयारी जोर-शोर से शुरू हो गई है. सेना भारती कार्यालय रांची, जिला प्रशासन के साथ मिलकर ग्राउंड और रेस्ट एरिया, मार्शलिंग, रन ट्रैक, डॉक्यूमेंटेशन, मेडिकल टेस्ट स्थल का पूर्व में ही कर चयन कर लिया गया है. इसी क्रम में रविवार को निदेशक सेना भर्ती कर्नल विकास भोला ने एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात कर खेलगांव स्पोर्टस काम्प्लेक्स में होने वाली रैली के दौरान सुरक्षा, भर्ती के दौरान दलालों की पहचान कर उनपर कानूनी कार्रवाई करने, रैली में शामिल अभ्यर्थी का पुलिस वेरिफिकेशन रैली स्थल पर करने का आग्रह किया. एसएसपी ने कहा कि जो भी मदद की आवश्यकता होगी, उसे पूरा करने की पूरी कोशिश करेंगे. कर्नल विकास भोला ने अभ्यर्थियों के साथ ही साथ उनके अभिभावकों से दलालों से सावधान रहने की अपील की है,.

महिला एवं किशोरी कल्याण योजना के तहत झारखंड की महिलाओं को राज्य सरकार उपलब्ध कराएगी पैड

राज्य की 40 लाख महिलाओं को उपलब्ध कराया जाएगा सैनिटरी पैड

रवि भारती।रांची

राज्य की 40 लाख महिलाओं को सैनिटरी पैड उपलब्ध कराया जाएगा. सैनिटरी पैड राज्य सरकार द्वारा महिला एवं किशोरी कल्याण योजना के तहत उपलब्ध कराए जाएंगे. इसके पीछे महिला बाल विभाग का तर्क है कि महिलाओं के स्वच्छता एवं स्वास्थ्य को देखते हुए जागरूक बनाया जा सकेगा. सैनिटरी पैड के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सकेगा. महिलाओं को विभिन्न रोगों से बचाया जा सकेगा. साथ ही किशोरियों एवं महिलाओं के

आत्मबल में वृद्धि से उन्हें प्रगति की राह में अग्रसर बनाया जा सकेगा.

आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध होगा सैनिटरी पैड : इस योजना के तहत राज्य की 20-40 वर्ष की महिलाओं को प्रत्येक तीन माह पर छह सैनिटरी पैड के तीन-तीन पैकेट आंगनबाडी केन्द्रों के माध्यम से उपलब्ध कराया जायेगा. साथ ही लाभार्थियों को सैनिटरी पैड पैकेट विलेज हेल्थ, सेनिटेशन व न्यूट्रिशन दिवस पर आंगनबाडी केंद्रों में दिया जाएगा. प्रत्येक लाभुक को सैनिटरी पैड उलब्ध कराने में प्रति तिमाही प्रति लाभुक 54 रुपये का खर्च आएगा. इस योजना के क्रियान्वयन पर प्रति वर्ष 86.40 करोड़ रुपये का खर्च आएगा.

खास बातें

- 20 से 40 साल की महिलाओं को उपलब्ध होगी सुविधा
- प्रतिवर्ष 86.40 करोड़ खर्च करेगी इस कार्य में सरकार
- प्रति लाभुक को लाभ के लिए खर्च होंगे 54 रुपये

योजना का क्या है उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य है कि किशोरियों एवं महिलाओं को सुदृढ़ पोषण, स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराना है. अच्छी आदतें प्रबुद्ध करने सहित महिलाओं से संबंधित उत्कृष्ट सामाजिक रिवाज प्रवृत्त करना है, जिससे किशोरियों एवं महिलाओं के लिए एक सशक्त एवं प्रगतिशील समाज का निर्माण कर उनका कल्याण एवं सशक्तीकरण सुनिश्चित किया जा सके. किशोरियों एवं महिलाओं के आत्मबल में वृद्धि से उन्हें प्रगति की राह में अग्रसर बनाया जा सकेगा.

ऐसे मिलेगा योजना का लाभ

इस योजना के लाभ के लिए महिलाओं का पंजीकरण वैध अभिलेखों के आधार पर आंगनबाड़ी कर्मियों द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा। महिलाओं का आधार कार्ड नहीं रहने के कारण उन्हें इस सेवा प्राप्ति से वंचित नहीं किया जायेगा. अन्य पहचान पत्रों जैसे पैन कार्ड, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र या राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत पहचान पत्रों के आधार पर लाभान्वित किया जायेगा. आंगनबाड़ी सेविका द्वारा ऐसी महिलाओं का आधार पंजीकरण जल्द कराया जायेगा.

हमेशा मिली-जुली या जोड़-तोड़ कर ही राज्य में बनती रही है सरकार

चार विधानसभा चुनावों में बहुमत से दूर रही हैं पार्टियां

प्रवीण कुमार।रांची

झारखंड गठन के बाद से ही राज्य में मिली-जुली या तोड़-तोड़ वाली सरकार बनाने की कवायद रही है. 2000 में बिहार से अलग होकर बने झारखंड में पहली बार 2005 में विधानसभा चुनाव कराया गया. राज्य बनने के बाद 2005, 2009, 2014 के विधानसभा चुनाव में झामुमो-कांग्रेस-आरजेडी गठबंधन या भाजपा गठबंधन ने भले ही बहुमत हासिल कर लिया हो, लेकिन हर बार कोई पार्टी अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर पायी. अब 2024 के विधानसभा चुनाव में यह देखना रोचक होगा कि कोई राजनीतिक दल अकेले बहुमत का जादुई आंकड़ा 41 तक पहुंच पाता है या नहीं.

2014 में रघुवर दास ने पूरा किया था अपना कार्यकाल : हालांकि 2014 में भी भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आयी. लेकिन इस चुनाव में भाजपा को 35 सीटों से ही संतोष करना पड़ा. जबकि एनडीए की घटक दल आजसू पार्टी को 5 सीटें मिलीं और फिर से राज्य में मिली-जुली सरकार बनी. 2014 के विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक सीटें लाकर भाजपा सत्ता में आयी और रघुवर दास ने 28 दिसंबर, 2014 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी. बाद में हुए उपचुनाव में भी पार्टियों के विधायकों की संख्या में बदलाव होता रहा. सरकार बनने के बाद 11 फरवरी, 2015 को झारखंड

2005 से 2019 तक किस चुनाव में दलगत स्थिति

पार्टी	2005	2009	2014	2019
भाजपा	30	18	35	25
आजसू पार्टी	02	05	05	02
जेडीयू	06	02	-	-
झामुमो	17	18	17	30
कांग्रेस	09	14	06	16
एनसीपी	01	-	-	01
आरजेडी	07	05	-	01
यूजीडीपी	02	-	-	-
एआईएफ	02	-	-	-
माले	01	01	01	-
झारखंड पार्टी	01	01	01	-
जेबीएसपी	-	01	01	-
जेजेएम	-	01	-	-
झाविमो	-	11	08	03
मासस	-	01	01	-
आरकेपी	-	01	-	01
बीएसपी	-	-	01	-
निर्दलीय	03	02	01	02

विकास मोर्चा-प्रजातांत्रिक के 6 विधायक ने भाजपा ज्वाइन कर ली थी. इनमें अधिकांश को बोर्ड-निगम में पद व मंत्री पद मिला. 2014 में भाजपा के नेतृत्व में बनी सरकार ने अपना पूरा कार्यकाल पूरा कर रही है. वहीं 2019 के चुनाव में भाजपा ने 65 पार का लक्ष्य रखा. जबकि एनडीए के घटक दल आजसू, भाजपा दोनों अलग-अलग चुनाव लड़ा था.

2009 में भाजपा-झामुमो को मिली थी 18-18 सीटें

2009 में भी झारखंड में मिली-जुली सरकार बनी. 2009 के चुनाव भाजपा 18 सीट पर जीती. वहीं झामुमो को भी 18 सीट मिली. तीसरे बड़े दल के रूप में कांग्रेस पार्टी उभरी, जिसने 14 सीटों पर चुनाव जीता. 11 सीटों के साथ झाविमो चौथे स्थान पर रहा. आजसू व राजद को पांच-पांच सीट मिली. जदयू को दो, माले, झापा, मासस, जय भारत समता पार्टी, झारखंड जन अधिकार मंच को एक-एक व 3 सीट निर्दलीयों ने चुनाव जीता था.

2005 के चुनाव में भाजपा ने जीती थी 30 सीटें

2005 में हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 30 सीट पर जीत हासिल की थी. जबकि दूसरे स्थान पर झारखंड मुक्ति मोर्चा रहा. जेएमएम को 17 सीट मिली थी. नौ सीटों के साथ कांग्रेस तीसरे स्थान पर रही थी जबकि 7 सीटों के साथ राष्ट्रीय जनता दल चौथे स्थान पर. 2005 के चुनाव में ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक व आजसू को 2-2 सीट मिली. जबकि माकपा माले, राष्ट्रवादी कांग्रेस, झारखंड पार्टी 1-1 सीट पर चुनाव जीती थी. जनता दल यूनाइटेड को छह सीट व पांच निर्दलीय को जीत मिली थी.

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से 10 बंदी रिहा किए गए

संवाददाता।रांची

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा से रविवार को 10 बंदी रिहा हुए. झालसा के निर्देश पर बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार में जेल अदालत का आयोजन किया गया. इस दौरान विभिन्न माननीय न्यायालयों में लंबित वाद निष्पादन के लिए 10 बंदियों का आवेदन जेल अदालत के लिए समर्पित किया गया था. आठ वादों का निष्पादन करते हुए 10 बंदियों को दोष स्वीकार के उपरांत जेल अदालत का लाभ देते हुए कारा से मुक्त किया गया. इस अवसर पर कमलेश बेहरा, डालसा सचिव, मनोज कुमार इंदरवार, न्यायिक दंडाधिकारी, प्रथम श्रेणी, विजय कुमार यादव, रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी, कविता खती और स्वीकृति विनया एलएडीसी अधिवक्ता-सह-जेल भिजिटर अधिवक्ता, कारापाल, सहायक कारापाल और काराकर्मी उपस्थित थे.

जेल अदालत में शामिल पदाधिकारी व दंडाधिकारी.

भू-माफिया के खिलाफ जारी रहेगा संघर्ष : बाबूलाल मरांडी

प्रमुख संवाददाता।रांची

प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि भू-माफिया के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा. बाबूलाल ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि रांची के मोरहाबादी मैदान में आदिवासी संगठनों ने भू-माफिया द्वारा आदिवासियों की रैयती जमीनों की लूट के खिलाफ धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया था. उन्होंने बताया कि इस धरना प्रदर्शन में वो भी शामिल हुए. बाबूलाल ने लिखा कि विगत 5 वर्षों के दौरान जेएमएम-कांग्रेस सरकार के संरक्षण में भू-माफिया और अधिकारियों की मिलीभगत से सीएनटी-एसपीटी एक्ट का उल्लंघन कर सैकड़ों एकड़ आदिवासी जमीन पर कब्जा किया गया है. गरीब आदिवासियों की जमीनों को भू-माफिया के चंगुल से मुक्त कराने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा. हेमंत सोरेन परिवार ने हाईकोर्ट में 108 जमीन की डीड जमा की है. ये सरकार सिर्फ अपने परिवार का विकास करने में व्यस्त है. जनता खुद को ठगा सा महसूस कर रही है.

भाकपा माओवादी ने 25 जुलाई को झारखंड-बिहार बंद बुलाया

संवाददाता।रांची

भाकपा माओवादी नक्सलियों ने 25 जुलाई को झारखंड-बिहार बंद बुलाया है. एक करोड़ के इनामी नक्सली नेता विवेक की पत्नी जया की गिरफ्तारी के विरोध में नक्लसियों ने बंद का ऐलान किया है. भाकपा माओवादियों के बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के प्रवक्ता आजाद ने बंद की घोषणा की है. गौरतलब है कि बीते दिनों में गिरिडीह पुलिस ने धनबाद में कैंसर का इलाज करवा रही महिला नक्सली जया समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया था.

मानसिक व शारीरिक यातना देने की कही गयी बात : प्रवक्ता आजाद ने कहा है कि गिरफ्तारी के बाद जया दीदी को पुलिस अपने हिरासत में रखकर मानसिक और शारीरिक यातनाएं दे रही है. जया दीदी के साथ गिरफ्तार शांति कुमारी और डॉक्टर पांडे को पुलिस ने हत्या की नियत से गायब कर दिया है. क्रांतिकारी महिला आंदोलन की नेत्री जया दीदी पिछले कई दिनों से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रसित है. इसकी वजह से वह धनबाद में अपना इलाज करवा रही थी. लेकिन कुछ गद्दारों की वजह से पुलिस को उनके बारे में सूचना मिल गयी. इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. प्रेस विज्ञप्ति में यह भी लिखा गया है कि भारत की कम्युनिस्ट पार्टी की बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के क्रांतिकारी महिला आंदोलन की नेत्री जया दीदी और उनके साथ पकड़े गये तीन लोगों को गायब कर दिया गया है. उन्हें लगातार मानसिक और शारीरिक यातनाएं दी जा रही है. इसका पार्टी कड़ी भर्त्सना करती है. उनकी गिरफ्तारी के विरोध में 25 जुलाई को एक दिवसीय बिहार-झारखंड बंद का ऐलान किया जाता है. नक्सलियों ने अपने साथियों से अपील की है कि वह जया हेंब्रम की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए बंद को सफल बनायें.

झारखंड में भी केआईएसएस की शाखा खोली जाए : हेमंत सोरेन

विशेष संवाददाता।रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से देश के प्रसिद्ध शिक्षाविद व केआईआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने मुलाकात की. मुख्यमंत्री एवं डॉ सामंत के बीच राज्य में शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार, वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम और अन्य विकास के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई. हेमंत सोरेन ने राज्य में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस की शाखा खोलने को लेकर डॉ. अच्युत सामंत से विचार-विमर्श किया. मुख्यमंत्री ने डॉ. सामंत से कहा कि विगत दिनों उनके ओडिशा दौरे के क्रम में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस द्वारा आयोजित समारोह में शामिल होने का अवसर मिला था. मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि वर्ष 2025 में कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस की शाखा झारखंड में भी खोली जाए, ताकि यहां के लोगों का लाभ मिले.

पांच दिनों तक तापमान में बदलाव के आसार नहीं

झारखंड में मॉनसून ने रफ्तार पकड़ी, कल से झमाझम बारिश

प्रमुख संवाददाता।रांची

झारखंड में मॉनसून से रफ्तार पकड़ ली गई. रविवार को रांची सहित कई जिलों में बारिश हुई. मौसम केंद्र के अनुसार 23 जुलाई से राज्य में भारी बारिश की संभावना जताई गई है. वहीं अगले पांच दिनों में तापमान में कोई बड़े बदलाव के आसार नहीं हैं. 23 जुलाई को राज्य के दक्षिण और निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है. इसका असर खूंटी, गुमला, पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, सिमडेगा जिले में देखने को मिलेगा.

24 जुलाई को रांची सहित कई जिलों में होगी भारी बारिश : मौसम केंद्र के अनुसार 24 जुलाई राज्य के मध्यर और निकटवर्ती उत्तरी भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है. इसका असर रांची, रामगढ़, बोकारो, हजारीबाग, धनबाद, गिरिडीह, कोडरमा जिले में देखने को मिलेगा. वहीं राज्य के उत्तर-पूर्वी और निकटवर्ती दक्षिण-पूर्वी भागों में 25 जुलाई को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है. इसका असर पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, जामताड़ा, देवघर, दुमका, पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज जिले में देखने को मिलेगा.

हाल-ए-झारखंड सीएम हेमंत सोरेन के आदेश का भी पालन नहीं किया गया

542 में सिर्फ 83 थानों में है फर्स्ट एड किट

सौरभ सिंह।रांची

झारखंड के 542 में से सिर्फ 83 थानों में ही फर्स्ट एड किट की सुविधा है. जबकि सीएम हेमंत सोरेन ने 18 फरवरी 2021 को ही रोड सेफ्टी की बैठक में अधिकारियों को इसको लेकर आदेश दिया था.

सीएम ने कहा था कि सड़क हादसे में होने वाली अधिकांश मौतों का मुख्य कारण अत्यधिक खून बहना होता है. इसे रोकने के लिए जरूरी है कि थानों में पर्याप्त व्यवस्था हो.

सीएम ने अधिकारियों को आदेश दिया था कि राज्य के सभी थानों में ऑक्सीजन सिलेंडर, दो स्ट्रेचर और फर्स्ट एड किट की व्यवस्था करें. हेमंत सोरेन के आदेश के साढ़े तीन साल बाद भी सभी थानों में फर्स्ट एड किट की व्यवस्था नहीं हो पायी. जमशेदपुर और साहेबगंज जिले के सभी थानों में फर्स्ट एड किट की सुविधा उपलब्ध है.

खास बातें

- वर्ष 2021 में ही सीएम ने आदेश जारी किया था
- सीएम ने रोड सेफ्टी की बैठक में आदेश दिया था

कितने थानों में फर्स्ट एड किट की सुविधा है उपलब्ध

जिला	थाना	फर्स्ट एड किट	जिला	थाना	फर्स्ट एड किट
रांची	45	00	कोडरमा	12	00
गुमला	18	00	चतरा	14	00
लोहरदगा	13	00	गिरिडीह	32	00
सिमडेगा	18	00	धनबाद	61	00
खूंटी	10	00	बोकारो	41	00
जमशेदपुर	40	50	दुमका	16	00
चाईबासा	29	02	देवघर	22	00
सरायकेला	18	02	जामताड़ा	09	00
पलामू	28	00	गोड्डा	16	00
गढ़वा	22	00	पाकुड	10	00
लातेहार	12	00	साहिबगंज	17	24
हजारीबाग	27	05	कुल	542	83
रामगढ़	13	00	----------		

क्लासिफाइड

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, सोमवार 22 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 104

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पवित्र श्रावण मास आज से, बन रहा अद्भुत संयोग

सोमवार से सावन का पवित्र महीना शुरू हो गया है. भगवान शिव के समक्ष लाखों शिवभक्त इस महीने अपने आराध्य की पूजा-अर्चना में लीन रहेंगे. भोले बाबा से सब सुख समृद्धि और खुशहाली का आर्शीवाद मांगेंगे. इस साल का सावन कई मायनों में बेहद खास है. खास इसलिए है कि 29 दिन के सावन में पांच सोमवार पड़ेंगे. इन 29 दिनों में सर्वार्थ सिद्धि योग, शिव वास, अमृत सिद्धि योग, प्रीति योग सहित कई शुभ योग का निर्माण भी होने जा रहा है.

सोमवारी कब-कब

- 22 जुलाई- पहला सोमवार
- 29 जुलाई- दूसरा सोमवार
- 05 अगस्त- तीसरा सोमवार
- 12 अगस्त- चौथा सोमवार
- 19 अगस्त- पांचवां सोमवार

सर्राफा

सोना (बिक्री)	69,200
चांदी (किलो)	95,000

ब्रीफ खबरें

नीट-यूजी पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को विवादों से घिरी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई करेगा. एनटीए ने शनिवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा के शहर और केंद्रवार परिणाम जारी किए थे. इसमें पेपर लीक और असामान्य अंक मिलने के आरोप हैं. शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड की गई वाद सूची के अनुसार चीफ जस्टिम डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ 40 से अधिक याचिकाओं पर सुनवाई करेगी.

चुनावी बॉण्ड की जांच पर भी आज सुनवाई

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट चुनावी बॉण्ड योजना की कोर्ट की निगरानी में जांच का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा. प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ दो गैर सरकारी संगठनों - कॉमन कॉज और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन की जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई कर सकती है. चुनावी बॉण्ड को घोटाला करार देते हुए याचिका में मुखौटा कंपनियों और घाटे में चल रही उन कंपनियों के वित्तपोषण के स्रोत की जांच का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है.

शरद पवार भ्रष्टाचार के सरगना हैं: शाह

पुणे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी नेता और एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार पर तीखा हमला किया और उन्हें देश में भ्रष्टाचार का सरगना करार दिया है. शाह ने पवार और उद्धव ठाकरे पर जम कर निशाना साधा. -देखें पेज 12

बुजुर्गों की आबादी हो जाएगी दोगुनी

नयी दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की भारत इकाई यूएनएफपीए- इंडिया की प्रमुख एंड्रिया वोजनार ने कहा है कि भारत की बुजुर्ग आबादी 2050 तक दोगुनी हो जाने की संभावना है और देश में खासकर उन बुजुर्ग महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवा, आवास और पेंशन में अधिक निवेश किए जाने की जरूरत है, जिनके अकेले रह जाने और गरीबी का सामना करने की अधिक आशंका है.

विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड में बढ़ी राजनीतिक सरगर्मी

डेढ़ लाख कर्मी आंदोलित

विरोधी दल बना रहे मुद्दा, चूक नहीं रहे मौका, कर रहे वार पर वार

रवि भारती। रांची

विधानसभा चुनाव से पहले झारखंड के डेढ़ लाख सरकारी और अनुबंधकर्मियों के आंदोलन ने राज्य में राजनीतिक तपिश बढ़ा दी है. विभिन्न संघों के बैनर तले कर्मचारियों का विरोध-प्रदर्शन भी जारी है. चुनावी माहौल की नब्ज को टटोलते हुए कर्मचारी संघ आंदोलन में कूद पड़े हैं. सत्ता पक्ष -विपक्ष की ओर से दिलासा-भरोसा और आश्वासन का भी दौर चल रहा है, पर कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं. विरोधी दलों को इन आंदोलनों से बड़ा मुद्दा हाथ लग गया है. वहीं सत्ता पक्ष नरमी के साथ इन आंदोलनों को शांत कराने में जुटा है. इधर, विपक्ष के नेता कर्मचारियों के मुद्दे को गरमाने में जुट गए हैं.

बता दें कि सहायक पुलिसकर्मियों पर बीते दिनों लाठियां चटकाई गईं. इस घटना के बाद भाजपा मुखर हो गई और सरकार को आड़े हाथों लिया. असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा घायलों से मिलने रिम्स अस्पताल भी पहुंच गए. वहीं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने ट्वीट कर कहा कि भाजपा की सरकार बनी, तो पहली कैबिनेट में ही पुलिसकर्मियों के आगे लगने वाला सहायक शब्द हटा दिया जाएगा. बहरहाल कर्मचारियों के आंदोलन ने प्रदेश के राजनीति तापमान को बढ़ा दिया है.

राज्य के सरकारी से लेकर अनुबंधकर्मी भी हैं आर-पार के मूड में

राज्यकर्मी का दर्जा मांग रहे पारा शिक्षक

राज्य के पारा शिक्षक भी आंदोलनरत हैं. 25 जुलाई को उनकी मांगों पर फिर से चर्चा होनी है. पारा शिक्षक राज्य कर्मी का दर्जा देने व वेतनमान देने की मांग कर रहे हैं. साथ ही पारा शिक्षक कल्याण कोष के माध्यम से जीवन व स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने, अनुकंपा पर आश्रितों को नौकरी देने, पिछली सरकार में पारा शिक्षक नेताओं के विरुद्ध दर्ज प्राथमिकी को वापस लेने की मांग पर अड़े हैं.

सहायक पुलिसकर्मी डटे हैं मैदान में, क्या हैं मांगे

राज्य के सहायक पुलिसकर्मी आंदोलनरत हैं. इनकी बहाली 2017 में हुई थी. इनकी बहाली का उद्देश्य था कि 12 नक्सल प्रभावित जिलों में विधि व्यवस्था दुरुस्त करने में पुलिसकर्मियों की मदद करना. इनकी मांग है कि वेतन बढ़ाया जाए और सेवा स्थाई की जाए. सरकार के तमाम आश्वासन के बावजूद सहायक पुलिसकर्मी आंदोलित हैं और स्थाई समाधान चाहते हैं.

अपनी मांग को लेकर हेल्थवर्कर भी आंदोलित

स्थाईकरण की मांग को लेकर राज्य के हेल्थ वर्कर भी आंदोलनरत हैं. स्वास्थ्य विभाग के तहत काम करने वाले मल्टी पर्पज हेल्थ वर्कर (एमपीडब्ल्यू) ने सेवा स्थाईकरण की मांग कर रहे हैं. बताते चलें कि 1573 स्वास्थ्य कर्मी अपने स्थायी समायोजन की मांग को लेकर पिछले कई वर्षों से आंदोलनरत हैं.

समाहरणालय कर्मियों ने भी की बेमियादी हड़ताल की घोषणा

झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ ने भी 9 सूत्री मांगों को लेकर सोमवार से बेमियादी हड़ताल की घोषणा की है. इन मांगों में ग्रेड पे को बढ़ाना, पद सृजन, प्रोन्नति,पदक्रम के अनुसार वेतनमान का लाभ, पद सोपान के अनुरूप एमएसीपी की संख्या व वेतनमान अनुमान्य करना, उपसमाहर्ता सीमित परीक्षा में संवर्ग के लिपिकों के लिए 50% सीट सुरक्षित करने के अलावा अन्य मांगें भी शामिल हैं.

स्थाईकरण की मांग कर रहे मनरेगाकर्मी

स्थाईकरण की मांग को लेकर मनरेगाकर्मी भी आंदोलनरत है. झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के बैनर तले ये आंदोलित हैं. इनकी मांग है कि नियुक्ति नियमावली में संशोधन कर सेवा स्थाई कर ग्रेड पे दिया जाए.

सचिवालय सेवा संघ भी आंदोलनरत

सरकारी कर्मचारी भी आंदोलित हैं. इनकी मांग है कि अनुबंध-आउटसोर्स बंद किया जाए. संयुक्त व उपसचिव के अतिरिक्त प्रस्तावित पदों का सृजन किया जाए. कार्मिक विभाग के संकल्प संख्या 3286 को लागू किया जाए. समय पर प्रोन्नति प्रदान किया जाए और सभी रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति की जाए की मांगें शामिल हैं.

कोलकाता की रैली में ममता की हुंकार

बांग्लादेशी मांगेंगे तो हम देंगे शरण

कोलकाता में शहीद दिवस रैली में ममता बनर्जी और अखिलेश यादव.

एजेंसियां। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को शहीद दिवस रैली के अपने संबोधन में बांग्लादेश में जारी हिंसा का जिक्र किया. कहा, बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति से हमें भड़कना नहीं है. मैं आश्वासन देती हूं कि बांग्लादेश में फंसे बंगाल के लोगों को सुरक्षित लाने के लिए राज्य सरकार आश्वस्त है. उन सभी लोगों को सहयोग मिलेगा, जो बांग्लादेश में फंसे हुए हैं. बंगाल ही भारत के अस्तित्व की रक्षा कर सकता है, बंगाल के बिना कोई भारत नहीं है.

सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर भी जमकर निशाना साधा. कहा, भाजपा ने लोगों को डरा कर व एजेंसियों का दुरूपयोग करके केंद्र में सरकार बनाई है. उन्होंने शरणार्थियों पर संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का भी जिक्र किया और कहा, अगर बांग्लादेशी दस्तक देंगे, तो हम उन्हें आश्रय देंगे. कई लड़ाई लड़ी हैं और आगे लड़नी हैं. जब तक जिंदा हूं, तब तक लड़ूंगी, जिन सीटों पर हम जीते हैं वहां जाकर लोगों का धन्यवाद करें और जहां भी हम नहीं जीते, वहां जाकर लोगों से माफी मांगे और हमसे क्या गलती हुई, यह पूछें और उस गलती को सुधारें. रैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी शामिल हुए.

केंद्र में एनडीए सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी: अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र में एनडीए सरकार लंबे समय तक नहीं टिकेगी क्योंकि सांप्रदायिक ताकतों को भले ही कुछ समय के लिए सफलता मिल जाए, लेकिन अंततः उनकी हार होगी. यादव ने शहीद दिवस महारैली में कहा, जो लोग सत्ता में आए हैं, वे बस कुछ दिनों के मेहमान हैं. सांप्रदायिक ताकतें साजिशें रच रही हैं और देश को अस्थिर करने की कोशिश में हैं. जो ताकतें देश को बांटना चाहती हैं, उन्हें कभी सफलता नहीं मिलेगी.

गूंजा बोल बम का नारा

हर-हर महादेव: रांची के पहाड़ी मंदिर में एक भक्त भोलेनाथ का रूप धरे हुए. पूरे सावन ऐसे श्रद्धालु खूब दिखेंगे. -विशेष आयोजन पेज 9 पर

संसद का मॉनसून सत्र आज से, हंगामे के आसार

सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस ने विपक्ष के लिए डिप्टी स्पीकर पद मांगा, विशेष दर्जे की भी मांग उठी

एजेंसी। नयी दिल्ली

संसद का मॉनसून सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले हुई सर्वदलीय बैठक में रविवार को कांग्रेस ने विपक्ष के लिए लोकसभा उपाध्यक्ष का पद मांगा और नीट सहित पेपर लीक से जुड़े अन्य मुद्दों को उठा कर स्पष्ट संकेत दिया कि वह इस सत्र को हंगामेदार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ने वाली है. इतना ही नहीं, सरकार के सहयोगी दलों ने भी विशेष दर्जे का मुद्दा उठाते हुए केंद्र को अपनी प्राथमिकताओं का स्पष्ट संकेत दिया.

संसद का यह सत्र कैसा होगा, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने दोनों सदनों को सुचारू रूप से चलाने के लिए हर पार्टी से सहयोग मांगा, तो कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने बैठक में कहा कि विपक्ष को संसद में मुद्दे उठाने की अनुमति दी जानी चाहिए. सूत्रों ने बताया कि सपा के सांसद रामगोपाल यादव ने यूपी सरकार की ओर से भोजनालयों को कांवड़ मार्ग के मालिकों के नाम दिखाने के विवादास्पद निर्देश का मुद्दा उठाया. वाईएसआर कांग्रेस ने आंध्र में तेदेपा सरकार द्वारा उसके नेताओं को कथित तौर पर निशाना बनाए जाने के बारे में बात की और केंद्र से हस्तक्षेप की मांग की.

आर्थिक सर्वेक्षण आज, बजट कल

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सोमवार से शुरू हो रहे सत्र के दौरान मंगलवार को केंद्रीय बजट पेश करेंगी. सत्र 12 अगस्त तक प्रस्तावित है. इस दौरान 19 बैठकें होनी है. सत्र के दौरान सरकार की ओर से छह विधेयक पेश किए जाने की उम्मीद है, जिसमें एक 90 साल पुराने विमान अधिनियम को बदलने के लिए है. इस दौरान जम्मू एवं कश्मीर के बजट को भी संसद की ओर से मंजूरी दी जानी है.

बीजद ने उठाया रघुवर दास के बेटे का मुद्दा

बीजद ने ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास के बेटे द्वारा एक अधिकारी पर कथित हमले का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि वह कानून से ऊपर हैं. बीजद सांसद सस्मित पात्रा ने बैठक के बाद कहा कि उनकी पार्टी सदन के पटल पर मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाएगी.

बैठक में शामिल हुए दोनों पक्षों के नेता : बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की और संसदीय कार्य मंत्री रीजीजू ने इसका संचालन किया. इस बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, कांग्रेस नेता गौरव गोगोई समेत विभिन्न दलों के 55 नेताओं ने हिस्सा लिया. सत्ता पक्ष ने विपक्ष से सहयोग की अपेक्षा की.

बढ़ेंगे काम के घंटे — देश की आईटी कंपनियों ने सरकार से की कानून में संशोधन की मांग

12 घंटे की ड्यूटी कीजिए, 2 घंटे का ओवरटाइम

एजेंसियां। बेंगलुरु

आईटी कंपनियों ने कर्मियों के काम के घंटे बढ़ा कर 14 करने की मांग करते हुए कर्नाटक सरकार को एक प्रस्ताव सौंपा है. हालांकि इसका विरोध शुरू हो गया है. कर्मियों ने स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और छंटनी की चिंताओं का हवाला देते हुए इसे अमानवीय बताया है.

इंडिया टुडे ने एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा, राज्य सरकार कर्नाटक दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान एक्ट, 1961 में संशोधन करने पर विचार कर रही है. आईटी कंपनियां चाहती हैं कि उनके प्रस्ताव को संशोधन में शामिल किया जाए. अगर कंपनियों की बात सरकार मान लेती है, तो कानूनी तौर पर काम के घंटे 14 घंटे (12 घंटे+2 घंटे ओवरटाइम) हो जाएंगे. अभी श्रम कानून 12 घंटे (10 + 2 ओवरटाइम) तक काम करने की अनुमति देते हैं. 12 घंटे के कार्य दिवस के लिए कर्नाटक दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव हितधारकों के साथ श्रम विभाग द्वारा बुलाई गई बैठक में पेश किया गया.

कर्नाटक राज्य आइटी/आइटीइएस कर्मचारी संघ (केआइटीयू) के लोग पहले ही श्रम मंत्री संतोष लाड से मिल चुके हैं और इस पर चिंताएं व्यक्त कर चुके हैं. कर्मचारी नेताओं का कहना है कि इस प्रस्ताव को मान लेने से बेरोजगारी और बढ़ेगी. क्योंकि हर रोज तीन शिफ्ट में होनेवाला काम दो शिफ्ट वाला हो जाएगा, जिससे पूरी एक शिफ्ट काम से खाली हो जाएगी.

क्या है नया प्रस्ताव

आईटी क्षेत्र के नए प्रस्ताव में कहा गया है, आईटी/आईटीईएस/बीपीओ क्षेत्र के कर्मचारियों को हर दिन 12 घंटे से अधिक और लगातार तीन महीनों में 125 घंटे से अधिक काम करने की आवश्यकता हो सकती है या अनुमति दी जा सकती है. सूत्रों ने बताया कि सरकार ने इस मामले पर एक प्रारंभिक बैठक की है और जल्द ही आगे के निर्णय लिए जाएंगे. प्रस्ताव पर राज्य मंत्रिमंडल द्वारा चर्चा किए जाने की संभावना है.

कर्मचारियों ने किया कड़ा विरोध : काम करने का समय बढ़ाने के कदम का केआईटीयू की ओर से कड़ा विरोध किया गया है. संघ ने बयान जारी कर चेतावनी दी कि काम की शिफ्टें कम होने से एक तिहाई कर्मचारी बेरोजगार हो जाएंगे. इस संशोधन से कंपनियों को मौजूदा तीन शिफ्ट प्रणाली के बजाय दो शिफ्ट प्रणाली अपनाने की अनुमति मिलेगी. कर्मचारी संघ ने कहा, आईटी क्षेत्र में 45% कर्मी अवसाद जैसे स्वास्थ्य मुद्दों का सामना कर रहे हैं. 55% शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावों का सामना कर रहे हैं. काम के घंटे बढ़ाने से स्थिति और भी गंभीर हो जाएगी. विरोध देखते हुए श्रम मंत्री अंतिम फैसला करने से पहले चर्चा करने के लिए सहमत हो गए हैं. सरकार के फैसले का राज्य के आईटी उद्योग और उसके कर्मचारियों की भलाई के लिए दूरगामी प्रभाव पड़ने की संभावना है.

हेमंत की दरियादिली, हिमंता की सराहना

प्रमुख संवाददाता। रांची

राजनीति में दोस्त दुश्मन हो जाते हैं, और दुश्मन भी दोस्त बन जाते हैं. लेकिन मानवता के नाम पर हर किसी का दिल पसीज ही जाता है. जब से असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा को झारखंड के विधानसभा चुनाव का भाजपा ने सह प्रभारी बनाया है, तब से उनका लगातार झारखंड आना-जाना लगा हुआ है.

हिमंता लगातार सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाए हुए हैं. लगातार झामुमो और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की आलोचना करने से चूक नहीं रहे. लेकिन सीएम हेमंत सोरेन ने इन राजनीतिक बयानबाजियों को दरकिनार कर दरियादिली दिखाई है. उन्होंने असम के बाद पीड़ितों के लिए दो करोड़ रुपए असम सरकार के मुख्यमंत्री हिमंता विस्व सरमा के कोष में जमा किए हैं.

सीएम ने असम के बाद पीड़ितों के लिए दिए दो करोड़

हिमंता ने तहे दिल से हेमंत का जताया आभार

असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने इस नेक काम के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तहे दिल से सराहना की है. सरमा ने अपने एक्स पर हेमंत को धन्यवाद दिया है. उन्होंने लिखा कि वह असम के लोगों की ओर से झारखंड की जनता और सीएम हेमंत सोरेन का तहे दिल से सराहना करते हैं. इधर, हेमंत सोरेन ने ट्वीट कर काह कि आपदा की घड़ी में झारखंड देश के राज्यों के साथ हमेश संवेदनशीलता के साथ खड़ा है. मां कामख्या से मैं विनती करता हूं कि असमवासी बाढ़ की इस विभीषिका से उबर कर जल्द सामान्य जीवन यापन शुरू करेंगे.

ब्रीफ खबरें

चंचला देवी ने किया नौडीहा बाजार का दौरा

मेदिनीनगर। पाटन छतरपुर विस क्षेत्र से प्रत्याशी चंचला देवी ने रविवार को नौडीहा बाजार प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा किया. इस दौरान वह लोगों की समस्याओं से रूबरू हुई. क्षेत्र भ्रमण के दौरान वह लक्ष्मीपुर, मायापुर, जमालपुर, कठौतिया सहित कई गांवों में गईं. लोगों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनने के बाद उन्होंने इसके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया. चंचला देवी ने कहा कि मैं क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी समस्याओं के निदान को लेकर हमेशा प्रयासरत हुं. क्षेत्र की हर समस्याओं को विधानसभा के पटल पर मजबूती के साथ रखने का प्रयास करूंगी.

मारवाड़ी युवा मंच का स्वास्थ्य जागृति शिविर

मेदिनीनगर। मारवाड़ी युवा मंच की स्थानीय शाखा ने बेलवाटीका चौक स्थित गांधी उद्यान पार्क में स्वास्थ्य जागृति शिविर लगाया. शिविर में मंच के स्वास्थ्य जागरूकता क्लब द्वारा बीपी, शुगर, डायबिटीज की जांच की गई। मंच के वरिष्ठ सदस्य मनोज भिवानिया ने बताया कि हमारा संस्थान प्रत्येक माह के प्रथम व तृतीय रविवार को सिविल आयोजित करता है. इसे कोरोना काल के दौरान बंद कर दिया गया था लेकिन एक बार पुनः मंच के सभी सदस्यों के प्रयास से शुरू किया गया है और पिछले तीन महीने से सफलतापूर्वक चल रहा है.

पुलिस कर्मियों पर लाठीचार्ज दुर्भाग्यपूर्ण

मेदिनीनगर। आजसू पार्टी के नीलांबर पीतांबर विवि प्रभारी हिमांशु रंजन ने पारा शिक्षकों व सहायक पुलिसकर्मियों पर लाठीचार्ज के घटना की निंदा की है. हेमंत सरकार कुछ ज्यादा ही बेलगाम हो गई है और वह लाठी के बल पर शासन चलाना चाहती है. हेमंत सरकार के शासनकाल में केवल संविधान की हत्या की जा रही है. उन्हें हर एक लाठी की हाय लगेगी.उन्होंने कहा कि वक्त की मार बहुत ज्यादा खतरनाक होती है. आगामी विस चुनाव में इनको इस बात का जवाब मिल जाएगा कि लाठी की सरकार व संविधान की हत्या करने वाली सरकार नहीं चलेगी.

सरैया में समाजसेवी का निधन, शोक की लहर

हरिहरगंज/पलामू। पिपरा प्रखंड अंतर्गत सरैया पंचायत के सरैया गांव निवासी मोहम्मद निसार अंसारी के 84 वर्षीय पिता शोबेराती अंसारी के निधन पर ग्रामीणों ने गहरी संवेदना जताई है. शनिवार की सुबह शोबेराती अंसारी के निधन की खबर मिलते ही ग्रामीणों ने उनके पैतृक आवास सरैया पहुंच कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. जब की सरैया पंचायत की मुखिया प्रियंका तिवारी के पति सामाजिक कार्यकर्ता विकास तिवारी सहित कई हिंदू समाज के लोगों ने जनाजे को कंधा देकर कौमी एकता का मिसाल पेश किया.

माल्यार्पण के साथ कारगिल विजय दिवस की होगी शुरुआत

मेदिनीनगर। कारगिल विजय दिवस समारोह को लेकर अब तक की गई तैयारी पर चर्चा के लिए रविवार को विश्व हिंदू परिषद के जिला कार्यालय में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा के कोर कमेटी सदस्यों की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दामोदर मिश्र व संचालन महासचिव दिनेश गुप्ता ने किया. सर्व सम्मति से 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस की शुरुआत सुबह नौ बजे शहीद चौक (पूर्व कचहरी चौक) पर संगठन के द्वारा रिथ लेइंग और माल्यार्पण के द्वारा कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि के साथ किए जाने का निर्णय लिया गया.

मनरेगा की योजनाओं में योजना स्थल पर योजना का बोर्ड या सूचनापट्ट लगाना अनिवार्य

कहीं योजना का बोर्ड नहीं, वेंडर के खाते में भुगतान

उमेश यादव। गारू(लातेहार)

मनरेगा की योजनाओं में योजना स्थल पर योजना का बोर्ड या सूचनापट्ट लगाना आवश्यक है. इसके लिए अलग से राशि आवंटित की जाती है. लेकिन गारू प्रखंड में किसी भी कूप निर्माण योजना में बगैर कोई सूचनापट्ट या बोर्ड लगाये ही बीपीओ के द्वारा तीन लाख बाइस हजार पांच सौ रुपये वेंडर अरविन्द कुमार गुप्ता के खाते में भुगतान कर देने का एक मामला प्रकाश में आया है. बता दें कि गारू प्रखंड के रुद पंचायत में बिरसा संवर्धन योजना के तहत 36 कूप तथा कोटाम पंचायत में 29 कूप में किसी प्रकार का कोई सूचना पट्ट या बोर्ड नहीं लगाया गया है. बावजूद इसके प्रति कूप 25 सौ

रुपये की दर से कुल मिलाकर 3,22, 500 रुपये बोर्ड मद में वेंडर अरविंद कुमार गुप्ता को भुगतान कर दिया गया है. दीगर बात तो यह है कि इसमें लाभुकों से किसी प्रकार की कोई सहमति नहीं ली गयी. मामला शुभम संदेश के संज्ञान में संवाददाता ने पड़ताल शुरू की और हकीकत सामने आयी. पड़ताल में लाभुकों नें बताया योजना स्थल में बोर्ड लगाये बिना ही बोर्ड मद में भुगतान कर देने गलत है.

भुगतान की जानकारी नही. पंचायत सचिव : कोटाम तथा रुद पंचायत के पंचायत सचिव बिनोद उरांव नें कहा कि एक भी कूप में योजना का बोर्ड नहीं लगाया गया है. बावजूद इसके भुगतान किया गया है यह उनकी जानकारी में नहीं है. रोजगार सेवक सुरेश उरांव ने कहा कि दबाव में भुगतान करा लिया गया है शीघ्र ही बोर्ड लगा दिया जायेगा. लिया है. कोटाम में कुछ बोर्ड पहुंचाया है लेकिन रुद में एक भी बोर्ड नहीं दिया गया है. कनीय अभियंता भरत पाल टोप्पो से अस संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने फोन पर कुछ भी बताने से साफ इनकार कर दिया.

खास बातें

- रुद और कोटाम पंचायत में नहीं लगाया है एक भी बोर्ड
- गारू के बीपीओ सुखदेव साहू ने फोन ही नहीं उठाया

क्या कहते हैं मुखिया

रुद पंचायत के मुखिया अजय टोप्पो से संपर्क करने पर उन्होंने बताया की उनके द्वारा किसी वाउचर में हस्ताक्षर नहीं किया गया. उन्होंने यह भी बताया की उन्हें यह जानकारी मिली थी की वेंडर अरविन्द कुमार गुप्ता को योजना स्थल में बोर्ड लगाना है. जबकि योजना बोर्ड नहीं लगाया गया है. हाल में ही संपन्न हुए सोशल ऑडिट में योजना बोर्ड नहीं लगाने पर टीम द्वारा आर्थिक दंड भी लगाया गया है. इस संबंध में बीपीओ सुखदेव साहू से संपर्क करने का प्रयास किया गया परन्तु उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया.

गुरु पूर्णिमा पर संगीत विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन

केक काटा और अपने-अपने शिक्षकों को उपहार भेंट किया

संवाददाता । लातेहार

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शहर के धर्मपुर में मिश्रा संगीत विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र व छात्राओं ने अपने संगीत गुरु स्वाति मिश्रा व जयप्रकाश पांडेय के पैर पखारे और माल्यापर्ण कर उनसे आर्शिवाद लिया. सबों ने मिल कर केक काटा और अपने-अपने शिक्षकों को उपहार भी भेंट किया. मौके पर श्रीमती मिश्रा ने छात्रों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि भारतीय संगीत बहुत ही प्राचीन है. वेदों में इसका वर्णन है. चारों वेदों में से सामवेद को भारतीय संगीत का मूल माना जाता है. उस काल में संगीत धार्मिक प्रयोजनों में उपासना एवं लौकिक समारोहों में मनोरंजन दोनों का ही माध्यम था. स्वरों का विकास वैदिक युग में ही आरंभ हो चुका था. माता सरस्वती को संगीत की देवी कहा जाता है.

उन्होने कहा कि बिना गुरु के ज्ञान प्राप्त नहीं हो सकता है. गुरु हमारे पथ प्रदर्शक होते हैं. हमें सदैव गुरु को सम्मान देना चाहिए. कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों ने संगीत की प्रस्तुति दे कर गुरु का गुणगाण किया. मौके पर ओम प्रकाश लाल, रेणुबाला, विश्वजीत, सुशील, ब्रजेश मिश्रा, अनिशा, अर्पित, निशि रानी, तियासा टैगोर, आदित्य टैगोर, आकांक्षा, शिवम, मयंक, आदित्य, अक्षत, निशा, अंशु, अनवी, अवनी, शानवी, अक्षत, आस्था, आयुष, दुर्गा, शुभी आद्विक व अन्नया आदि मौजूद थे.

कार्यक्रम में शामिल स्कूली बच्चे.

पुष्पा देवी ने केंद्रीय मंत्री के साथ की पूजा अर्चना

दर्शन पूजन के उपरांत विधायक व केंद्रीय मंत्री.

मेदिनीनगर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर छतरपुर विधायक पुष्पा देवी ने केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के साथ रांची के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की. इस दौरान जमुआ विधायक केदार हाजरा भी साथ थे. पूजा के तीनों लोगों ने भगवान जगन्नाथ मंदिर के मुख्य पुजारी से आशीर्वाद लिया साथ ही उन्हें सम्मानित किया. मौके पर विधायक पुष्पा देवी ने कहा कि एक सामान्य व्यक्ति को बौद्धिक और आध्यात्मिक गुणों से पूर्ण कर श्रेष्ठ मानव बनाने की क्षमता एक गुरु में ही होती है. ऐसे गुरु के विषय में जितने भी शब्द कहे या लिखे जाए कम ही है. उन्होंने कहा कि गुरु के बताए जाने के कारण ही हमें सांसारिक समेत अन्य बातों की जानकारी मिलती है. गुरु से आगे कोई नहीं है और हम सभी को उनका सम्मान करना चाहिए.

पूर्णिमा पर श्रद्धा के साथ गुरु को किया नमन : मेदिनीनगर।गुरु पूर्णिमा के अवसर पर मेदिनीनगर शहर समेत पलामू जिले में कई जगह कार्यक्रम आयोजित किया गया. वहीं लोगों ने अपने आराध्य गुरु की पूजा अर्चना के बाद प्रसाद का भी वितरण किया. इस अवसर पर पतंजलि परिवार द्वारा गुरु दक्षिणा कार्यक्रम सहित रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. प्रातः काल की दैनिक योग कक्षा आर्य समाज मंदिर व महिला पतंजलि योग समिति द्वारा गुरु तेग बहादुर मेमोरियल में योग कक्षा का आयोजन किया गया. मौके पर हवन के बाद गुरुदक्षिणा कार्यक्रम किया गया.

स्थानीय आर्य समाज मंदिर में प्रातः गुरू पूर्णिमा पर विशेष यज्ञ हवन आयोजित किया गया.पतंजलि परिवार की ओर से कार्यक्रम में राज्य प्रभारी राम जीवन पांडे मौजूद थे. उन्होंने गुरु पूर्णिमा के महत्व साथ ही योग के माध्यम से समाज की सेवा करने हेतु लोगों प्रेरित किया. रक्तदान शिविर में कुल 12 यूनिट रक्तदान किए गए. रक्तदान करनेवालों में आजीवन सदस्य अमर कुमार गुप्ता, राजीव शरण, ममता सिन्हा, पतंजलि प्रभारी धीरज कुमार गुप्ता, शंकर कुमार, संतोष कुमार गुप्ता, अनुप्रिया पांडे, योग शिक्षिका डाली, शालिनी, रविशंकर प्रसाद, प्रमोद कुमार, कृषि वैज्ञानिक प्रमोद कुमार शामिल है. गुरु पूर्णिमा का अवसर पर सद्गुरु सदाफल विहंगम योग संस्थान के तत्वाधान में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया.

सावन आज से शुरू पूजा-अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह

मेदिनीनगर। प्रसिद्ध सावन माह की शुरूआत 22 जुलाई से शुरू हो रही है. घर परिवार में सुख समृद्धि व ऐश्वर्य प्राप्ति के लिए भगवान शिव की पूजा को लेकर भक्तों में खासा उत्साह देखा जा रहा है. श्रद्धालु भगवान शिव की कृपा प्राप्ति के लिए कई अनुष्ठान की भी तैयारी में लगे हुए हैं. पहले दिन ही सोमवारी होने के कारण कई महत्वपूर्ण शिवालयों को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है. प्रसिद्ध श्रावण मास की समाप्ति 19 अगस्त को सर्वार्थ सिद्धि योग पर पूर्णिमा के दिन होगी. इस वर्ष सावन माह में पांच सोमवारी होंगे तथा 10 विशेष शुभ मुहूर्त वाले दिन बन रहे हैं. पुलिस लाइन रोड स्थित शिव मंदिर के पुजारी रामा पंडित ने बताया कि इस बार श्रावण मास में पांच सोमवार के अलावा 1 और 17 को प्रदोष व्रत और 4 अगस्त को सर्वार्थ सिद्धि योग व रवि पुष्य योग के साथ अमावस्या है.

लोक कलाकारों ने बकाया राशि भुगतान की मांग की

लातेहार। स्थानीय लोक कलाकारों की एक बैठक शहर के श्री वैष्णव दुर्गा मंदिर, लातेहार परिसर में नागेश्वर यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गयी. बैठक में पिछली सरकार के कार्यकाल में आयोजित सुबह सबेरे और शनि परब कार्यक्रम के लंबित भुगतान की मांग की गयी. कहा गया कि वर्ष 2017 से 2019 तक के कार्यक्रमों में कई कलाकारों का भुगतान नहीं हो पाया है. जबकि बकाया राशि की भुगतान के लिए तत्कालीन उपायुक्त अबु इमरान, भोर सिंह यादव व हिमांशु मोहन को ज्ञापन दिया जा चुका है, बावजूद इसके राशि का भुगतान नहीं हुआ.

हेमंत सरकार में लोगों को मिल रहा है योजनाओं का लाभ : अजीत

बैठक में शामिल डालटनगंज विस क्षेत्र के युवा कांग्रेस.

संवाददाता । मेदिनीनगर

डाल्टनगंज विस क्षेत्र के युवा कांग्रेस अध्यक्ष सूर्यांश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में स्थानीय परिसदन में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक हुई. बैठक में भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय समन्वयक अजीत कुमार तिवारी ने कार्यकर्ताओं को चुनाव की ज़िम्मेदारी देते हुए पार्टी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने व राज्य सरकार की योजनाओं को घर घर पहुंचाने का आह्वान किया. झारखंड युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव अभिषेक तिवारी ने प्रखण्डस्तरीय कमेटी को सत्यापित कर कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कमर कस लिया है और आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत होगी. युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव विजय बहादुर ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव युवा कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता महागठबंधन सरकार द्वारा किए गए विकास कार्य को जन जन तक पहुचाने का कार्य करे. साथ ही जो योजना सरकार चलाई जा रही है उसका लाभ लाभुकों को दिलाएं. 200 यूनिट मुफ्त बिजली, अबुआ आवास, सर्वजन पेंशन, महिलाओं को पेंशन, कृषि ऋण माफी आदि झारखंड में महागठबंधन सरकार ने की है.

हम विस में लोगों की आवाज बनेंगे: मुमताज

संवाददाता । पलामू

भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी के सदस्यता अभियान में शामिल लोग.

तरहसी में भीम आर्मी प्रखंड कार्यालय में रविवार को भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी का सदस्यता अभियान कार्यक्रम हुआ. इसमें प्रखंड कमेटी का गठन किया गया. इसकी अध्यक्षता भीम आर्मी जिला उपाध्यक्ष आबुदारदा खान ने की. इसमें मुख्य अथिति के रूप में आजाद समाज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और पांकी 75 के पूर्व विधायक प्रत्यासी मुमताज खान तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में आजाद समाज पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता रामकुमार रवि मौजूद थे. बताया गया कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की प्रखंड स्तरीय कमेटी का गठन किया गया. जिसमें भीम आर्मी के प्रखंड अध्यक्ष रामस्वरूप सहित 16 सदस्यीय कमेटी बनाई गई. इनकी राजनीतिक पार्टी आजाद समाज पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष बागेंद्र भुइयां सहित 19 सदस्यीय कमेटी बनाकर भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी के सैकड़ों लोगों को सदस्यता ग्रहण कराया गया.

प्रदेश उपाध्यक्ष मुमताज अहमद खान ने कहा कि हम गरीब, दलित, उपेक्षित, शोषित, आदिवासी, पिछड़ी और मुस्लिम समाज को राजनीति में स्थापित करने के लिए कदम आगे बढ़ा रहे हैं. अब एक आवाज विधानसभा में पांकी की जनता के लिए संघर्ष करते हुए सुनाई देगी, क्योंकि हम औरों की तरह गूंगा विधायक साबित नहीं होंगे.

हम आज भी समाज के लिए लड़ रहे हैं और विधायक बनकर भी विधानसभा में लड़ेंगे. आज पांकी में सबसे बड़ा मुद्दा शिक्षा, बेरोजगार और स्वास्थ्य है. कहीं स्कूल है तो स्कूल के शिक्षक नहीं. कहीं अस्पताल है तो अस्पताल में डॉक्टर नहीं. किसानों की फसल पानी नहीं होने के कारण बर्बाद होती है. हम विधानसभा में लोगों की समस्या उठाकर हर छोटी सी छोटी समस्या का समाधान करेंगे. राम कुमार ने कहा की अगर पांकी की जनता का प्यार मिला तो पांकी में किसी भी दलित/आदिवासी/ मुसलमानों पिछड़ों का शोषण नहीं होने देंगे. आज थाना में हमारे लोगों की प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की जाती है.

चिंता

अब तक धनरोपनी शुरू नहीं, तीसरे बरस टूट रही है किसानों की उम्मीद

पलामू जिला फिर से सुखाड़ के मुहाने पर खड़ा, किसान चिंतित

खास बातें

- 51 हजार हेक्टेयर में धनरोपनी का लक्ष्य था
- अब तक हुए वर्षापात का आंकड़ा सामान्य से 76 % कम है

अरूण कुमार सिंह । मेदिनीनगर

सूखे खेत में उड़ रहे धूल.

- पिछले वर्ष भी (2023 में) पलामू में पांच प्रतिशत से भी कम धनरोपनी हुई थी.
- पलामू में कुल खेती की लक्ष्य का 10 प्रतिशत खेती भी अब तक नहीं हो पायी है.
- पलामू में अन्य फसलों के आच्छादन का भी बुरा हाल है

सरकारी बीज बना परसादी, सरकारी मदद नहीं मिली

सरकार की ओर से हर प्रखंड क्षेत्र के करीब एक सौ किसानों के लिए सरकार की ओर से आबंटित मक्का, अरहर और बादाम के बीज परसादी की तरह चुनिंदा लोगों को बांटे जा रहे हैं और असली किसान इस लाभ से वंचित हो रहा है. किसान बीडीओ से लेकर संबद्ध अधिकारियों तक से शिकायत कर करके हार चुके हैं. बादाम के बीज एक बीडीओ द्वारा अपनी गाड़ी में रखवाने और किसानों के हंगामे के बाद वापस गोदाम में रखने का एक वीडियो खूब वायरल है

लगातार तीसरे बरस पलामू फिर से सुखाड़ के मुहाने पर खड़ा है. जुलाई माह बीतने को है और अभी तक धनरोपनी शुरू भी नहीं हुई है. जबकि 51 हजार हेक्टेयर में धनरोपनी का लक्ष्य था. जून में यहां 45 मिलीमीटर और जुलाई में अब तक 55 मिलीमीटर बारिश भी नहीं हुई है. अब तक हुए वर्षापात का यह आंकड़ा सामान्य वर्षापात से 76% कम है. मक्का 27520 की जगह मात्र 5989 हेक्टेयर भूमि में लगाई गई है, अरहर 34000 की जगह 606 हेक्टेयर भूमि पर, कुल दलहन 51800 की जगह 6458 हेक्टेयर, तिलहन 2387 हेक्टेयर की जगह मात्र 247 हेक्टेयर, मोटा अनाज 3210 हेक्टेयर की जगह 126 हेक्टेयर में लगाया गया है.

रोज स्कूल नहीं भेजने वाले माता-पिता हैं बच्चों के दुश्मनः परशुराम

मेदिनीनगर। रविवारीय अवकाश के दिन भी सदर प्रखंड अंतर्गत रजवाडीह मवि के प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी ने केवालटोला रजवाडीह में स्कूल रूआर-2024 के तहत अनियमित उपस्थिति वाले बच्चों को नियमित स्कूल आने के प्रति जागरूक करने के लिए जन सम्पर्क अभियान चलाया. प्रधानाध्यापक श्री तिवारी ने बच्चों व अभिभावकों को साथ लाकर स्कूल नहीं जाने का कारण जानना चाहा. अभिभावकगण कोई ठोस कारण न बताकर इधर-उधर की बातें करने लगे. याद रखिए जो माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ने के लिए रोज विद्यालय नहीं भेजते वे अपने ही बच्चों के दुश्मन हैं.उन्होंने वहां खड़े दूसरे ग्रामीणों को भी इसमें सहयोग करने का अनुरोध किया.

हरिहरगंज में नहीं बनीं वर्षों से खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटें

संवाददाता । हरिहरगंज /पलामू

हरिहरगंज नवगठित नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत वर्षों से सैकड़ों स्ट्रीट लाइटें खराब है. बाबजूद इसके आज तक न तो नगर प्रशासन और न ही कोई जनप्रतिनिधियों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया. कई लोगों ने बताया कि बरसात के इस मौसम में खासकर रात्रि में लोगों को एक साथ कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. हालांकि इसे लेकर कई गणमान्य व्यक्तियों द्वारा स्ट्रीट लाईटों को अविलंब ठीक कराने को लेकर हरिहरगंज नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा गया फिर भी सभी स्ट्रीट लाइटें खराब पड़े हैं. इस ओर अभी कोई सार्थक पहल नहीं देखी जा रही है. बता दें कि नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत एनएच 98 किनारे एवं विभिन्न गली मोहल्लों में पहले से लगे सारे स्ट्रीट लाइटें एक एक करके खराब हो गए हैं. जिसकी जानकारी नगर पंचायत कार्यालय और जनप्रतिनिधियों को भी है. परंतु इस संबंध में अभी तक संबन्धित अधिकारियों या नगर कार्यालय द्वारा किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई है. जिस कारण नगर वासियों की परेशानियां कम होने के बजाय और बढ़ गई हैं. इस सम्बन्ध में पूर्व बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के प्रखंड अध्यक्ष दिनेश प्रसाद गुप्ता ने कहा कि सम्बन्धित अधिकारीयों को चाहिए कि इस समस्या का यथाशीघ्र निदान की जाए.

न्यूज अपडेट

अनुसचिवीय कर्मियों ने निकाला मशाल जुलूस

मशाल जुलूस में शामिल संघ के सदस्य.

मेदिनीनगर। पलामू जिला अनुसचीवीय अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के स्थानीय पलामू जिला इकाई सदस्यों ने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत शनिवार की शाम मशाल जुलूस निकाला. संघ के आंदोलनरत सदस्य कल शाम सात बजे कचहरी परिसर से एक कतार में कैंडल मार्च में शामिल हुए. कैंडल मार्च शामिल सदस्यों ने सम्मान पर पहुंचकर मार्च का समापन किया. यहां पर लोगों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए. संघ के जिलाध्यक्ष रंजन सिंह ने बताया कि पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत 22 जुलाई से संघ के सभी सदस्य अपना काम बंद कर पुराना जिला भू-अर्जन कार्यालय के समीप धरना पर बैठेंगे और मांगों की पूर्ति होने तक यह आंदोलन जारी रहेगा.

बेरोजगारों के भविष्य से खेल रहा है जिला प्रशासन

मेदिनीनगर। बेरोजगार संघर्ष मोर्चा की बैठक रविवार को कचहरी परिसर में हुई. बैठक की अध्यक्षता मोर्चा अध्यक्ष उदय राम ने की. बैठक में सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति की मांग को लेकर चलाए जा रहे आंदोलन की समीक्षा की गई. मोर्चा अध्यक्ष श्री राम ने कहा कि नौ जुलाई को मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक के बाद राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि जो नियुक्ति प्रक्रियाधीन है उसे तुरंत बहाल करें ताकि मानव संसाधन की कमी नहीं हो लेकिन पलामू जिला प्रशासन की उदासीनता के कारण सफल अभ्यर्थियों की नियुक्ति नहीं हो रही है. पलामू में सैकड़ो पद रिक्त हैं लेकिन सरकार के आदेशों का पालन नहीं कर पलामू जिला प्रशासन बेरोजगारों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि पलामू में 2017 से नियुक्ति प्रक्रियाधीन है और इस कारण सैकड़ो बेरोजगारों का निर्धारित उम्र सीमा समाप्ति के कगार पर पहुंच चुकी है. बैठक में सनी कुमार पासवान, कृष्णा राम, राजू कुमार, उपेंद्र तिवारी, उमेश कुमार रजक आदि उपस्थित थे.

अवैध खनन के खिलाफ सीओ ने की कार्रवाई

जमा बालू को प्रखंड परिसर में कराया डंप.

हुसैनाबाद(पलामू)। हुसैनाबाद सीओ पंकज कुमार ने अवैध बालू खनन और भंडारण के खिलाफ कार्रवाई की है. सीओ ने हुसैनाबाद प्रखंड के बड़ेपुर सड़क किनारे जमा किये गये बालू को जेसीबी से ट्रैक्टर पर लोड करवाकर प्रखंड परिसर में डंप करवाया. सीओ ने आगे की कार्रवाई के लिए जिला खनन पदाधिकारी को पत्र लिखा है. इस संबंध नेम सीओ पंकज ने बताया कि वरीय अधिकारियों के निर्देश पर अवैध बालू खनन व भंडारण के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है.

सतत मिलाप टीम ने रजवाडीह में लगाया शिविर

मेदिनीनगर। इंडियन आर्मी वेटरन के तत्वावधान में देश की सेवा करते हुए अपने प्राण न्योछावर करनेवाले शहीद व पूर्व सैनिकों के परिवारिक सदस्यों की समस्या समाधान को लेकर रजवाडीह पंचायत भवन में शिविर का आयोजन किया गया. सतत् मिलाप के टीम को विशेष शिविर में सहयोग करने के लिए पंचायत के मुखिया अनुज कुमार त्रिपाठी व उपमुखिया प्रभात रंजन पाण्डेय उपस्थित थे. सतत् मिलाप की टीम में स्टेशन हेड क्वाटर रांची से शुभन ठाकुर, रुपेश थापा के साथ जेसीओ लविथ गुरुंग ने पूर्व सैनिकों की समस्याओं के निराकरण का भरपूर प्रयास किया. पंचायत के कई पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने अपनी-अपनी समस्या और सुझाव भी आदान-प्रदान किया. श्री गुरुंग ने बताया कि जानकारी के अभाव में पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवार के सदस्य कई लाभ से वंचित रह जा रहे है. शिविर में पूर्व सैनिकों में रमेश तिवारी, दिलीप पाल, सुधीर कुमार चौबे, मनोज कुमार तिवारी, सुनील कुमार विपाठी, रणजीत तिवारी के अलावा वीरगति प्राप्त सैनिक आनन्द चौबे के पिता विजय चौबे आदि मौजद थे.

आजसू सुप्रीमो का किया गया भव्य स्वागत

आजसू सुप्रीमो को ज्ञापन सौंपते लोग.

चंदवा (लातेहार)। आजसू सुप्रीमो सह पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो का चंदवा में भव्य स्वागत किया गया. श्री महतो पलामू में आयोजित सम्मेलन में शामिल होने जा रहे थे. इसी क्रम में चंदवा के इंदिरा चौक के नजदीक आजसू प्रखण्ड अध्यक्ष विवेक कुमार दुबे उर्फ राजा दुबे की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने श्री महतो का भव्य स्वागत किया. उनके चंदवा पहुंचने पर अभाकिस के नेता प्रमोद साहू ने लातेहार जिले में अल्प वर्षा के कारण उत्पन्न हुई सुखाड़ की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा. मौके पर राजेश, पंकज जयसवाल, मनीष कुमार ,अनुराग कुमार ,राजा तिवारी,सुभाष मंडल, बरूण कुमार समेत दर्जनों आजसू कार्यकर्ता और अन्य लोग मौजूद थे.

शिक्षा मंत्री से मिला संघ व झारोटेफ का प्रतिनिधिमंडल

मंत्री को सम्मानित करते शिक्षक संघ के सदस्य

लातेहार। रविवार को झारखंड प्रगतिशील शिक्षक संघ एवं झारोटेफ, लातेहार का एक प्रतिनिधिमंडल शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम से उनके लातेहार आवासीय परिसर में मुलाकात की और बुके भेंट कर उन्हें बधाई दी. प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों ने शिक्षक संवर्ग एवं झारखंड राज्य के कर्मचारियों के विभिन्न मांगों को ले कर मंत्री श्री राम का आकृष्ट कराया. जिला अध्यक्ष हीरा प्रसाद यादव ने कहा कि वर्तमान झारखंड सरकार की ओर राज्य शिक्षक उम्मीद भरी निगाहों से देख कर हैं और अपनी चिर परिचित मांगों को लेकर आशान्वित हैं.

पूर्व विधायक के निधन पर लोगों ने शोक जताया

मेदिनीनगर। पूर्व बीडीओ और विधायक हीराराम तूफानी के निधन पर झारखण्ड क्रांति मंच के संस्थापक शत्रुघ्न कुमार शत्रु, राजद के प्रदेश महासचिव विजय रविदास सहित पलामू के दर्जनों नेताओं ने शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि स्व तूफानी ने गरीबों और दलितों के उत्थान के लिए जो भी संभव हो सकता था किया और ता-उम्र वे उनकी आवाज बने.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 22 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 104 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबरें

अवैध रूप से भंडारित 40 टन कोयला जब्त

कतरास। बीसीसीएल एरिया-4 अंतर्गत अंबे आउटसोर्सिंग कोल माइंस से कोयला निकाल कर भंडारण किए गए 40 टन अवैध कोयले को जब्त किया गया है. रामकनाली ओपी पुलिस व सीआईएसएफ ने रविवार को संयुक्त रूप से कार्रवाई की. छापेमारी के दौरान टीम को आते देख कोयला तस्करों का सरगना भाग निकला. कोयले को बोरियों में भर कर रखा गया था. जब्त कोयले को बीसीसीएल प्रबंधन को सौंप दिया गया है.

शौच के लिए गए व्यक्ति को वाहन ने रौंदा, मौत

मेदिनीनगर। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के कुराईन पतरा गांव के पास बीती शनिवार देर रात एक तेज रफ्तार जाइलो वाहन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. घटना के बाद वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गया. वहीं, उस पर सवार लोग मौके पर गाड़ी छोड़ कर भाग निकले. मृतक की पहचान लेस्लीगंज इलाके के हरईन मोड़ निवासी रामजीत ठाकुर के रूप में हुई है. जानकारी के मुताबिक, बीती देर रात करीब दो बजे रामजीत ठाकुर शौच के लिए घर से निकला था. इसी दौरन पांकी-डाल्टनगंज मुख्य सड़क पर जाइलो वाहन की चपेट में आ गया.

गुड़ाबांदा थाना के दो जमादार व मुंशी निलंबित

गुड़ाबांदा। थाना के एएसआई अजय सिंह, एएसआई जितेंद्र कुमार और मुंशी मुनी कुमार को पूर्वी सिंहभूम के एसएसपी किशोर कौशल ने निलंबित कर दिया गया है. बता दें कि तीनों पुलिस कर्मियों के खिलाफ विगत 15 जुलाई को बनमाकड़ी निवासी सुभाष बेरा को थाना में लाकर मारपीट करने और छोड़ने के एवज में परिजनों से 35 हजार लेने का आरोप है. डीएसपी संदीप भगत ने इस मामले में जांच करने के बाद एसएसपी को रिपोर्ट सौंपी थी.

बोल बम : दुम्मा कांवरिया पथ पर मंत्री मिथिलेश ठाकुर और दीपिका पांडेय सिंह ने श्रावणी मेला का उद्घाटन किया

कांवरियों के अभिनंदन के लिए देवघर तैयार

दुम्मा कांवरिया पथ पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद मेले का शुभारंभ

बैद्यनाथधाम में स्पर्श पूजा बंद, अरघा के माध्यम से ही कर पाएंगे जलार्पण

शीघ्र दर्शनम कूपन की कीमत में भी वृद्धि, अब 500 नहीं, 600 रु. लगेंगे

संवाददाता। रांची/देवघर

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर झारखंड के देवघर में लगने वाले राजकीय श्रावणी मेला 2024 का रविवार को शुभारंभ हो गया. पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर और कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने संयुक्त रूप से मेला का उद्घाटन किया. इससे पहले 11 पुरोहितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बाबा बैद्यनाथ महादेव की पूजा-अर्चना की. इसके बाद बिहार-झारखंड की सीमा स्थित दुम्मा कांवरिया पथ पर श्रावणी मेला का विधिवत शुभारंभ हो गया.

कार्यक्रम की शुरूआत में देवघर डीसी विशाल सागर ने सभी मंत्रियों, अतिथियों व श्रद्धालुओं का स्वागत किया. डीसी ने प्रशासन की तरफ से श्रद्धालुओं को दी जानेवाले वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार राजकीय श्रावणी मेला के दौरान वीआईपी, वीवीआईपी और आउट ऑफ टर्म दर्शन पूर्ण रूप से बंद रहेगा. इस अवसर पर बिहार के सुल्तानगंज से जल भर कर पैदल आए कांवरियों को देवघर की सीमा में प्रवेश कराया गया. यहां से 10 किमी की यात्रा कर कांवरिया बाबा बैद्यनाथ महादेव पर जलाभिषेक करेंगे. बता दें कि इस मेले का समापन 19 अगस्त को होगा.

मौके पर पर्यटन सचिव मनोज कुमार, 20 सूत्री उपाध्यक्ष मुन्नम संजय, देवघर एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग, देवघर एसडीओ सागरी बराल, मधुपुर एसडीओ आशीष अग्रवाल, जिला नजारत उपसमाहर्ता शैलेष कुमार, डीपीआरओ राहुल कुमार विद्यार्थी, एडीपीआरओ रोहित कुमार विद्यार्थी, संबंधित विभाग के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कर्मी आदि उपस्थित रहे.

दुम्मा कांवरिया पथ पर पूजा करते पुरोहित व मौजूद मंत्री मिथिलेश ठाकुर, दीपिका पांडेय सिंह व अन्य गणमान्य और दुम्मा द्वार से देवघर की सीमा में प्रवेश करता कांवरियों का जत्था.

जिला प्रशासन के साथ सभी अपनी जिम्मेदारियों को समझें : मिथिलेश

उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि देवघर अपने भव्य स्वरूप के साथ बाबाधाम आने वाले सभी कांवरियों के अभिनंदन के लिए तैयार है. पावन व पवित्र श्रावणी मेला में कांवरियों की सुविधा और सुरक्षा का पूरा ख्याल रखा जाएगा. उन्होंने अपील की कि जिला प्रशासन के साथ-साथ सभी अपनी जिम्मेदारियों को समझें और अपने पुनीत कर्तव्यों का पालन करें. उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में इस साल श्रद्धालुओं की संख्या दोगुनी होने संभावना है.

कांवरियों को हर सुविधा उपलब्ध कराना हम सबों का उद्देश्य : दीपिका

मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि श्रावणी मेला राज्य ही नहीं, देश में एक विशिष्ठ पहचान रखता है. हम सबों का उद्देश्य है कि देवघर आने वाले कांवरियों को हर सुविधा उपलब्ध हो. साथ ही साथ उन्हें सरलतापूर्वक जलार्पण करवाया जाए. उन्होंने कहा कि कांवरियों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसका विशेष रूप से ध्यान रखें. इस अवसर पर विधायक नारायण दास ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि श्रावणी मेला में बाबाधाम आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिले, यह हम सभी की कामना है.

पूजा व्यवस्था में दो बड़े बदलाव किये गये : बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा की व्यवस्था में दो बड़े बदलाव किए गए हैं. पहले बदलाव में बाबा बैद्यनाथ की स्पर्श पूजा बंद हो गई है. मंदिर में अरघा सिस्टम लागू हो गया है. श्रद्धालु अरघा के माध्यम से ही शिवलिंग पर जलार्पण कर पाएंगे. वहीं दूसरा बदलाव, शीघ्र दर्शनम कूपन की कीमत में वृद्धि है. विगत वर्ष इस कूपन की कीमत 500 रुपये थी, जिसे बढ़ा कर 600 रुपये कर दिया गया है. शीघ्र दर्शनम कूपन के माध्यम से कांवरिये कम समय में मंदिर के गर्भगृह तक पहुंच पाएंगे.

29 दिनों के सावन में पड़ेंगे पांच सोमवार

प्रमुख संवाददाता। रांची

सोमवार से सावन का महीना शुरू हो गया है. भगवान शिव के समक्ष लाखों शिवभक्त शीष नवा कर सुख-समृद्धि और खुशहाली का आर्शीवाद प्राप्त करेंगे. इस साल का सावन कई मायनों में बेहद खास है. इस बार 29 दिन के सावन में पांच सोमवार पड़ेंगे. 22 जुलाई को पहला, 29 जुलाई को दूसरा, पांच अगस्त को तीसरा, 12 अगस्त को चौथा और 19 अगस्त को पांचवा सोमवार होगा. इस 29 दिनों में सर्वार्थ सिद्धि योग, शिव वास, अमृत सिद्धि योग, प्रीति योग सहित कई अद्भुत संयोग का निर्माण भी होने जा रहा है.

बनेगा बाबा बैद्यनाथ कॉरिडोर : श्रावणी मेला के उद्घाटन के अवसर पर राज्य के कैबिनेट मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने घोषणा की कि बाबा बैद्यनाथ कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया. यह प्रस्ताव पर्यटन विभाग ने तैयार किया है. उन्होंने वहां के लोगों से भी कॉरिडोर बनाने में सहयोग करने की अपील की.

शिवभक्तों के लिए ये व्यवस्था की गई है

- देवघर प्रशासन ने कांवरिया पथ पर गंगा की बालू बिछाई है, ताकि कांवरियों को राहत मिल सके.
- 10 किलोमीटर तक जगह-जगह पर इंद्रवर्षा की व्यवस्था की गई है.
- भक्तों की स्वास्थ्य जांच के लिए कई जगहों पर मेडिकल टीमों की तैनाती की गयी है.
- भक्तों के लिए शौचालय, शुद्ध पेयजल एवं ठहरने की भी व्यवस्था की गई है.

भेलवाघाटी में प्रेम प्रसंग के दो मामलों में दो की हत्या

संवाददाता। गिरिडीह

भेलवाघाटी थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग में दो लोगों की हत्या के दो अलग-अलग मामला प्रकाश में आया है. एक मामले में पत्नी, तो दूसरे मामले में प्रेमिका को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है. पहली घटना भेलवाघाटी थाना क्षेत्र के अमजो गांव की है. जानकारी के अनुसार आमजो निवासी रहमत अंसारी (45) की शनिवार की देर रात बेरहमी से हत्या कर दी गई.

बताया जा रहा है कि रहमत की पत्नी का गांव के ही एक युवक से लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था. मामले में पुलिस ने मृतक की पत्नी गुलशन बीवी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है. पुलिस की मानें, तो गुलशन ने हत्या को हादसा देने की पूरी कोशिश की गई है. खून से लतपथ रहमत की लाश घर के अंदर चौकी पर पड़ी थी. उसके चेहरे पर चोट के कई गंभीर निशान थे. आशंका जताई जा रही है कि सोए अवस्था में ही उसकी हत्या कर दी गई.

खास बातें

- एक मामले में पत्नी, तो दूसर में प्रेमिका पर लगा है आरोप
- दोनों आरोपी महिलाओं से पूछताछ कर रही है पुलिस

तालाब में उपलाती मिली युवक की लाश : भेलवाघाटी थाना क्षेत्र के ही हरियाडीह पंचायत स्थित डूमरबकी तालाब में रविवार की सुबह 42 वर्षीय युवक की लाश मिली है. मृतक की पहचान पुरहरा गांव निवासी नारायण यादव उर्फ टेकन यादव के रूप में हुई है. परिजनों ने मारपीट कर उसकी हत्या का आरोप लगाया है. मामले में गांव की ही एक महिला को पकड़ कर ग्रामीणों ने जमकर पिटाई कर दी. नारायण की पत्नी की मानें, तो उसके पति का गांव के एक महिला से प्रेम-प्रसंग चल रहा था. आरोपी महिला ने अपने सहयोगियों के साथ मिल कर घटना को अंजाम दिया है. पुलिस आरोपी महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है.

सड़क हादसा : सिमडेगा में ट्रक ने पुलिस गाड़ी को मारी टक्कर

चार पुलिस कर्मी व अभियुक्त घायल

संवाददाता। रांची

- छत्तीसगढ़ से आरोपी को पकड़ कर रांची लाया जा रहा था
- प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायल रिम्स, रांची रेफर

छत्तीसगढ़ से आरोपी को गिरफ्तार कर रांची आ रही पुलिस की गाड़ी की ट्रक के साथ जोरदार टक्कर हो गयी. घटना रविवार की सुबह सिमडेगा जिले के ठेठईटांगर थाना क्षेत्र में हुई है. इस दुर्घटना में चार पुलिस कर्मी और गिरफ्तार आरोपी घायल हो गया. घायल पुलिसकर्मी तुपुदाना थाना के हैं. इधर, घटना की सूचना मिलने पर सिमडेगा पुलिस मौके पहुंची और घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया. यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने सभी को रिम्स रेफर कर दिया.

ब्लैकमेलिंग के आरोपी को ला रही थी तुपुदाना थाना की पुलिस : रांची के तुपुदाना थाना में दर्ज ब्लैकमेलिंग के एक मामले में अभियुक्त लोकेश साहू को पुलिस टीम छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से गिरफ्तार कर रांची आ रही थी. इस टीम में तुपुदाना थाना के दारोगा उमा शंकर सिंह, हेड कांस्टेबल प्रेम तिग्गा, कांस्टेबल रंजीत सुरीन और चालक प्रताप घोष शामिल थे. रात अधिक होने के कारण शनिवार की रात सभी ठेठईटांगर थाना में रूक गये थे. फिर रविवार की सुबह अभियुक्त को लेकर सभी पुलिसकर्मी रांची आ रहे थे. इसी क्रम में अलसंगा मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रक ने पुलिस की गाड़ी में सामने से टक्कर मार दिया.

अस्पताल में इलाजरत घायल पुलिस कर्मी व दुर्घटनाग्रस्त पुलिस वाहन.

संथालपरगना की जनता को आज सीएम देंगे सौगात

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन संथालपरगना को बहुप्रतीक्षित योजनाओं की सौगात देंगे. वे सोमवार को 132/33 केवी ग्रिड सबस्टेशन और 132 केवी ट्रांसमिशन लाइन का साहिबगंज में उद्घाटन करेंगे. इससे संथालपरगना के सीता पहाड़, पतना, बड़हरवा और बरहेट क्षेत्र के कम से कम पांच लाख से अधिक बिजली उपभोक्ताओं को सीधा फायदा होगा.

इस नए ग्रिड सबस्टेशन और ट्रांसमिशन लाइन के शुरू होने से उपरोक्त क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को लो-वोल्टेज, बार-बार पावर कट से राहत मिलेगी. साथ ही साथ 33 केवी ट्रांसमिशन लाइन की दूरी भी कम होगी. इससे लोगों को बेहतर बिजली की आपूर्ति हो सकेगी. यह पाकुड़-राजमहल के 132 केवी डबल सर्किट लाइन से जुड़ेगा. इसके निर्माण में कुल 70.64 करोड़ रुपये का खर्च आया है. इसके पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता 2 गुणा 50 एमवीए यानी कुल 100 एमवीए होगी. 132 केवीए डबल सर्किट लीलो (लाइन इन लाइन आउट) ट्रांसमिशन लाइन की कुल लंबाई 27.414 किलोमीटर है.

खास बातें

- 132/33 केवी सबस्टेशन-ट्रांसमिशन लाइन का उद्घाटन करेंगे
- उपभोक्ताओं को लो-वोल्टेज व पावर कट से मिलेगी राहत

तैयारी जियाडा तैयार कर रहा उद्योगों को आबंटित जमीन की सूची, दो अगस्त को विभागीय समीक्षा

जमीन ली और उद्योग नहीं लगाया, तो रद्द होगा आबंटन

संजीव मेहता। रांची/आदित्यपुर

उद्योग विभाग झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (जियाडा) क्षेत्र में संचालित उद्योगों की दो अगस्त को समीक्षा करेगा. साथ ही औद्योगिक क्षेत्रों में संचालित उद्योगों के साथ ही साथ बंद पड़े उद्योगों की जानकारी भी हासिल करेगा. किस औद्योगिक क्षेत्र में किस उद्योग के लिए कितनी जमीन आबंटित की गयी है, इसकी भी समीक्षा की जाएगी.

जमीन आबंटित कराने के बावजूद उद्योगों की स्थापना नहीं करनेवाले उद्यमियों का आबंटन रद्द करने पर भी विचार किया जा सकता है. जियाडा के तहत आने वाले आयडा, बियाडा, रियाडा और एसपीयाडा औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों को कितनी जमीन आबंटित की गयी है, इसका ब्योरा भी तैयार किया जा रहा है. कितने उद्योग चल रहे हैं और कितने बंद पड़े हैं, इसका भी ब्योरा मांगा गया है.

आबंटन रद्द करना हल नहीं : रूपेश

उद्यमी संगठन इंडस्ट्रियल सस्टैंबिलिटी रिफॉर्म एंड

ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के अध्यक्ष रूपेश कतरियार ने कहा कि यह सच है पिछले पांच वर्षों में सैंकड़ों उद्यमियों को उद्यम स्थापित करने के लिए जमीन दी गई, लेकिन प्राधिकरण ने उस जमीन पर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप नहीं किया. ऐसे में उद्यमी क्या करेंगे? उल्टे उद्यमी करोड़ों रुपये बैंक से ऋण लेकर फंस गए हैं.

क्या कहते हैं जियाडा के क्षेत्रीय निदेशक

जियाडा के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन ने बताया कि

आयडा क्षेत्र में सौ से अधिक नए प्लॉट आवंटित हुए हैं. इनमें से करीब 50 प्लॉट पर उद्योग लगे हैं और वहां उत्पादन भी शुरू हो गया है. लेकिन जमीन लेकर उद्योग नहीं लगाने वाले 46 उद्योगों की जमीन का आबंटन उन्होंने अपने स्तर से रद्द करने की प्रक्रिया अपनाई है. इसमें मुख्य रूप से फोरम इंडिया की 22 एकड़ जमीन का मामला है.

मंत्री ने दिया है उद्योगों का ब्योरा तैयार करने का निर्देश : उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों की स्थिति व अबांटित जमीन का लेखा-जोखा तैयार करने का आदेश दिया है. मंत्री के आदेश के आलोक में जियाडा आदित्यपुर, बोकारो, रांची सहित अन्य क्षेत्रीय इकाइयां में भी उद्योगों को आवंटित जमीनों की सूची तैयार करने में जुटी है. जियाडा के तहत आने वाले आयडा, बियाडा, रियाडा और एसपीयाडा द्वारा आवंटित किए गए उद्योगों की जमीन पर कुछ उद्यमी संगठनों और झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आपत्ति दर्ज कराई गई थी. इसे देखते हुए मंत्री ने पूरे मामले की समीक्षा करने का निर्णय लिया है.

जमीन तो ले ली, पर उद्योग नहीं लगाए : समीक्षा बैठक में वैसे उद्यमियों को चिह्नित किया जाएगा, जिन्होंने उद्योग लगाने के नाम पर जमीन तो आबंटित करा ली है, लेकिन उसपर अब तक उद्योग नहीं लगाया है. उद्योग विभाग की मानें, तो बैठक के बाद ऐसी जमीन को चिह्नित कर आवंटन रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. साथ ही बैठक में उद्योगों को बढ़ावा देने पर भी चर्चा की जाएगी.

अमन साहू गिरिडीह से चाईबासा जेल शिफ्ट

- गिरिडीह जेल अधीक्षक के घर गोलीबारी की रची थी साजिश
- घटना को अंजाम देने से पहले ही चार अपराधियों को दबोचा गया था

संवाददाता। रांची

गिरिडीह जेल में बंद अपराधी अमन साहू को रविवार को चाईबासा मंडल कारा शिफ्ट किया गया. अमन साहू को बीते 20 जून को पलामू सेंट्रल जेल से गिरिडीह सेंट्रल जेल शिफ्ट किया गया था. इसके बाद अमन साहू ने जेल में विशेष सुविधा नहीं मिलने को लेकर गिरिडीह जेल अधीक्षक हिमानी प्रिया के घर पर गोलीबारी की साजिश रची थी. हालांकि, घटना को अंजाम देने से पहले एटीएस ने अमन साहू गिरोह के चार अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. अब गोपनीय तरीके से रविवार अलसुबह चार बजे कड़ी सुरक्षा के बीच अमन साहू को चाईबासा मंडल कारा में शिफ्ट किया गया.

ढाई साल में नौ जेल में शिफ्ट किया गया अमन साहू : जेल में बंद अपराधी अमन साहू को पिछले ढाई साल में नौ बार एक जेल से दूसरे जेल में शिफ्ट किया गया. इसके बाद भी उसका आतंक कम होने का नाम नहीं ले रहा है. अमन साहू जेल से ही अलग-अलग जिलों के कारोबारियों को लगातार धमकी देने और रंगदारी वसूलने का काम करता रहा है. गौरतलब हो कि दो महीने पहले अमन साहू ने हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को बंदी पत्र लिख कर दावा किया था कि जेल शिफ्टिंग के क्रम में उसकी हत्या की साजिश रची जा रही है.

ढाई साल में इन जेलों में किया गया शिफ्ट

गैंगस्टर अमन साहू.

- 29 अक्टूबर 2021 – रांची से पाकुड़ जेल
- 13 अप्रैल 2022 – गिरिडीह सेंट्रल जेल
- 23 जुलाई 2022 – मंडल कारा सिमडेगा
- 17 सितंबर 2022 – पलामू सेंट्रल जेल
- 24 नवंबर 2022 – दुमका मंडल कारा
- 19 अगस्त 2023 – चाईबासा मंडल कारा
- 11 अक्टूबर 2023 – पलामू सेंट्रल जेल
- 20 जून 2024 – गिरिडीह सेंट्रल जेल
- 21 जुलाई 2024 – चाईबासा मंडल कारा

भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने किया मैराथन दौड़ का आयोजन, 10 हजार से अधिक लोगों के बीच पौधों का वितरण

हजारीबाग को हरा-भरा बनाने के लिए दौड़े हजारों लोग

संवाददाता। हजारीबाग

बोकारो, चतरा, रामगढ़, धनबाद, कोडरमा सहित कई जिलों से धावक पहुंचे

हजारीबाग में रविवार को आयोजित मैराथन दौड़ में शामिल होने के लिए राज्य के अलग-अलग शहर के प्रतिभागी पहुंचे.

भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद द्वारा रविवार को मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया, जो गांधी मैदान से प्रारंभ होकर पीटीसी चौक, डीवीसी चौक, त्रिमूर्ति चौक नूरा, इंद्रपुरी चौक, पगोड़ा चौक, झंडा चौक, बंशीलाल चौक, गाड़ीखाना, पुराना बस स्टैंड, डिस्ट्रिक मोड़, पीटीसी चौक होते हुए गांधी मैदान पहुंची. इस दौरान 14 एंबुलेंस, छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के लिए 400 से भी अधिक वॉलिंटियर एवं गार्ड तैनात थे.

वहीं चिकित्सा सुविधा के लिए डॉक्टर की व्यवस्था की गई थी और जगह-जगह पर छात्र-छात्राओं को पेयजल एवं शरबत उपलब्ध कराया जा रहा था. इस बीच छात्र-छात्राओं के बेहतर रिजल्ट के लिए टेक्निकल टीम साथ में चल रही थी. सभी की हौसला अफजाई करने के लिए भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद स्वयं दौड़ में शामिल थे. वहीं दूसरी ओर गांधी मैदान में स्थानीय कलाकारों द्वारा झारखंडी नृत्य के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया गया. बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. नुक्कड़ नाटक के जरिए पेड़ बचाओ अभियान पर जोर दिया गया.

दौड़ में शामिल होने के लिए बोकारो, चतरा, रामगढ़, धनबाद, कोडरमा सहित अन्य कई जिलों से धावक हजारीबाग पहुंचे थे. कार्यक्रम में विशेष रूप से फिजिकल डिफेंस एकेडमी एवं शहर के समस्त खेल प्रेमियों का भरपूर सहयोग रहा.

खास बातें

- 14 एंबुलेंस, 400 से अधिक वॉलिंटियर एवं गार्ड तैनात थे
- नुक्कड़ नाटक के जरिए पेड़ बचाओ अभियान पर जोर

वहीं कार्यक्रम स्थल पर मौजूद करीब 10 हजार से अधिक लोगों के बीच पौधों का वितरण किया गया और हजारीबाग को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया गया. आपको बता दें कि समस्त धावकों के लिए गांधी मैदान में जलपान की व्यवस्था की गई थी. कार्यक्रम की समाप्ति के बाद प्रदीप प्रसाद ने अपने समर्थकों के साथ गांधी मैदान के आसपास क्षेत्र की बेहतर तरीके से सफाई की. इससे पहले मैराथन दौड़ की शुरुआत राष्ट्रीय गीत के साथ हुई. इसके बाद दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया गया. हरी झंडी दिखा कर मैराथन दौड़ शुरू हुई. मंच का संचालन प्रकाश झा एवं देव आशीष बादल द्वारा किया गया.

पत्रकारों पर केस : एसपी से मिलेगा प्रेस क्लब का दल

संवाददाता। हजारीबाग

प्रेस क्लब हजारीबाग कार्यकारिणी की बैठक झील परिसर स्थित कार्यालय में रविवार को क्लब के अध्यक्ष उमेश प्रताप की अध्यक्षता में हुई# इसमें चौपारण में पत्रकारों पर हुए केस के मामले पर चर्चा की गई. साथ ही निर्णय लिया गया कि इस मामले में प्रेस क्लब का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष उमेश प्रताप के नेतृत्व में एसपी से मिलकर वार्ता करेगा. फिर गंभीर रूप से बीमार पत्रकार अनवर फिदवी को आर्थिक सहयोग करने पर सहमति बनी. इसके लिए प्रेस क्लब से जुड़े सभी पत्रकारों से आग्रह किया जाएगा. परिसर में धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस मनाने का निर्णय लिया गया. बैठक में संगठन से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई. इससे पहले सचिव मिथिलेश मिश्र ने पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों की संपुष्टि की. बैठक में संयुक्त सचिव देवनारायण प्रसाद, कोषाध्यक्ष अमरनाथ पाठक, कार्यकारिणी सदस्य बबलू कुमार, मो. शमीम अहमद और प्रमोद उपाध्याय उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

दुर्घटना में बाल-बाल बचे चालक-उप चालक

चरही। थाना क्षेत्र के चरही घाटी यूपी मोड़ में रविवार सुबह 10.30 बजे एक पिकअप वाहन के पलट जाने के क्रम में चालक और उस पर सवार उप चालक बाल-बाल बच गए. पिकअप वाहन सिलीगुडी से अनानस लोडकर रांची जा रहा था. तेज रफ्तार में घुमावदार घाटी का अंदाजा नहीं लगा पाने के कारण अपना संतुलन खो दिया, जिससे वाहन डिवाइडर से टकराकर पलट गया. चालक कृष्णा और मुंशी अरुण चौधरी मामूली रूप से घायल हो गए.

पवन साहू का धनंजय ने किया स्वागत

रामगढ़। रांची से हजारीबाग जाने के क्रम में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू व प्रदेश के पदाधिकारियों का रविवार को रामगढ़ के सैनी होटल में भाजपा नेता धनंजय कुमार पुटूस ने अंग वस्त्र प्रदान कर स्वागत किया. पुटूस ने प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू, प्रदेश महामंत्री अर्जुन सिंह, प्रदेश प्रवक्ता प्रभात रंजन, प्रमंडलीय प्रभारी आनंद मोदी, सह कार्यालय मंत्री सुरेंद्र नाथ के साथ भाजपा की मजबूती को लेकर चर्चा की.

कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन कार्यमुक्त

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र के बरकट्ठा अडवार स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की वार्डन सिंपी कुमारी को रविवार को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर दिया गया है. निर्देश दिया गया है कि वह अविलंब विद्यालय का संपूर्ण प्रभार अंजू बाला करकेट्टा को सौंपना सुनिश्चित करें.

न पढ़ने की जरूरत, न परीक्षा देने की, निजी बीएड कॉलेजों में चल रहा गोरखधंधा

डेढ़ लाख लाओ और डीएलएड का सर्टिफिकेट लेकर जाओ

शुभम संदेश फॉलोअप

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में इन दिनों कई निजी बीएड कॉलेज फर्जी सर्टिफिकेट का गोरखधंधा चला रहे हैं. इन कॉलेजों में रजिस्टर पर छात्र की संख्या तो खूब है, लेकिन उनकी उपस्थिति बहुत कम होती है. यहां तक कि जिले के कुछ बीएड कॉलेज झारखंड सरकार की आंखों में भी धूल झोंकने का काम कर रहे हैं और यह खेल 2014 से लगातार चल रहा है.

बता दें कि सरकार ने निजी स्कूलों के शिक्षकों को डीएलएड कराने का एक मौका दिया था. इसके तहत सभी स्कूलों ने अपने छात्र के अनुपात में शिक्षकों को डीएलएड करवाया था. इसके माध्यम से कई शिक्षकों ने सरकारी नौकरी भी हासिल की है, लेकिन इस डीएलएड कोर्स का खेल अब तक कई निजी बीएड कॉलेजों में जारी है. छात्रों को प्राथमिक स्कूल में शिक्षक के रूप में बहाली होने का सपना दिखा कर उन्हें चूना लगाया जा रहा है. छात्रों को बिना पढ़े लिखे घर बैठे-बैठे डेढ़ लाख रुपये में डीएलएड का सर्टिफिकेट प्रसाद की तरह बांटा जा रहा है. डीएलएड का सर्टिफिकेट लेने के लिए छात्रों की भीड़ इन बीएड कॉलेजों में बढ़ रही है. वहीं बीएड कॉलेज संचालक फर्जी सर्टिफिकेट का गोरखधंधा पकडा न जाए इसके लिए वे 2014 के डीएलएड रजिस्ट्रेशन के अलावा पुराने डेट में कॉलेज में छात्र को मेंशन कर रहे हैं और उपस्थिति भी दिखा रहे हैं.

फाईल फोटो

पढ़ने-लिखने वाले विद्यार्थियों का मनोबल टूट रहा

बीएड कॉलेजों में चल रहे उक्त फर्जीवाड़े से पढ़ने-लिखने वाले विद्यार्थियों का मनोबल टूटता जा रहा है. कई विद्यार्थियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि हम विद्यार्थी पढ़ लिखकर सर्टिफिकेट लेना चाहते हैं, लेकिन कई विद्यार्थी जो दूसरे राज्य से हैं, डेढ़ लाख रुपये आसानी से सर्टिफिकेट खरीद कर ले जाते हैं. यहां तक कि बीएड करने वाले कई छात्रों को बिना पढ़ाए ही प्रश्न पत्र दे दिया जाता है और वे पास कर जाते हैं. उनकी आसानी से नौकरी भी हो जाती है, लेकिन मेहनत करने वाले छात्र पढ़ लिखकर सर्टिफिकेट लेकर घूम रहे हैं. वहीं कई अभिभावक और विद्यार्थियों ने यह भी बताया कि पढ़ाई लिखाई में घोटाले की बात पहली बार सुन रहे हैं. पहले यह चर्चा होती थी कि नौकरी के नाम पर घूस मांगा जाता है, लेकिन अब पढ़ाई के नाम पर घूस मांगा जाता है. यहां तक कि पैसा फेंको और तमाशा देखो वाली कहानी आजकल शिक्षा के मंदिर में भी चरितार्थ हो रही है.

फर्जीवाड़े में शामिल अधिकारियों को भी मिले सजा : ऐसा ही मामला ओएसिस स्कूल का सामने आया था, जिसमें नीट का पेपर ही लीक करवा दिया गया था और वह खुलेआम पैसे के लालच में प्रश्न पत्र बेच दिया गया था. जिसने पेपर खरीदा वह पास कर गया और जिसने दिन-रात मेहनत की पढ़ाई लिखाई की वह वह फेल कर गया. हालांकि सीबीआई ने उक्त स्कूल के प्रिंसिपल को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन आज भी कई ऐसे शिक्षा माफिया जिले में सक्रिय हैं, जो खुद पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन वे बड़े-बड़े कॉलेज खोलकर डिग्री बेच रहे हैं. ऐसे में वक्त आ गया है जब सरकार इस गोरखधंधे को संज्ञान ले और ऐसे शिक्षण संस्थानों की सीबीआई से जांच कराए. इससे शिक्षा माफियाओं की सच्चाई सामने आएगी और पढ़ने लिखने वाले विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ेगा. इसके साथ ही शिक्षा व्यवस्था में सुधार हो पाएगा. यहां बता दें कि फर्जी सर्टिफिकेट के खेल में केवल डिग्रीधारी कॉलेज ही नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को देखने वाले उन अधिकारियों को भी सजा मिलनी चाहिए जो इसमें बराबर से शामिल बताए जा रहे हैं.

खास बातें

- बीएड कॉलेजों में चल रहा फर्जी सर्टिफिकेट का गोरखधंधा
- वर्ष 2014 से सरकार की आंखों में धूल झोंका जा रहा

मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता, तनाव प्रबंधन पर कार्यक्रम का आयोजन

विशेषज्ञों ने सशस्त्र बलों को दिए तनाव से दूर रहने के टिप्स

संवाददाता। हजारीबाग

कार्यक्रम में उपस्थित सशस्त्र बल के कार्मिकों को संबोधित करते वक्ता.

केएस बन्याल, महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल, मेरू कैंप, हजारीबाग के तत्वावधान में रविवार को परिसर स्थित सीमा प्रिया हॉल में डॉ. सुयश सिन्हा, एमडी (गोल्ड मेडलिस्ट), प्रख्यात मनोचिकित्सक और डॉ. हेमंत श्रीवास्तव, आईआईएम इंदौर के फैलो व मनोवैज्ञानिक आयुषी व अंकिता ने बल के कार्मिकों के लिए मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता, विशेष तौर पर तनाव प्रबंधन पर कार्यक्रम का आयोजन किया. डॉ. हेमंत श्रीवास्तव ने संकल्प शक्ति संस्थान हजारीबाग के साथ मिलकर रांची स्थित नर्व और माइंड, मनोचिकित्सक सह परामर्श संगठन के साथ साझेदारी में इस विशिष्ट कार्यक्रम का आयोजन किया. उन्होंने बताया कि पिछले कुछ साल से डिप्रेशन, बाइपोलर डिसऑर्डर, अचानक किसी घटना का मानसिक असर, तनाव के कारण बढ़ रहे अवसाद की वजह से विश्व स्तर पर खुदकुशी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, हमारे देश के सभी सशस्त्र बल भी इससे अछूते नहीं हैं. उन्होंने विशेष तौर पर सुरक्षा बलों में तनाव के कारणों एवं इनसे निपटने के बारे में कार्मिकों को विस्तार पूर्वक बताया. राकेश रंजन लाल, उप महानिरीक्षक ने सुरक्षाकर्मियों के सामने आने वाली खास चुनौतियों पर प्रकाश डाला व इन पर काबू पाने तथा संतुलित, खुशहाल और पूर्ण जीवन जीने के लिए प्रत्येक व्यक्ति द्वारा उठाये जा सकने वाले कदमों के बारे में विस्तार से बताया. किसी कार्मिक को तनाव हो तो वह अपने सहयोगी एवं कमांडरों को बताएं. अपने आप को तनाव से दूर रखने के लिए नियमित शारीरिक व्यायाम, खेलकूद व योग जैसी गतिविधियों में हिस्सा जरूर लें.

न्यूज अपडेट

भाजपा नेत्री ग्रामीणों की समस्याओं से हुईं रूबरू

हजारीबाग। सदर विधानसभा के कटकमदाग प्रखंड की पसई पंचायत में भाजपा नेत्री सह विधानसभा कोर कमिटी की सदस्या शेफाली गुप्ता ने रविवार को सघन दौरा किया. वह ग्रामीणों से मिलकर जनसमस्याओं से रूबरू हुईं. इस दौरान पसई पंचायत भवन में जन चौपाल एवं संकलन कैंप लगाकर केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री सृजन कार्यक्रम एवं प्रधानमंत्री सुक्ष्म खाद्य उद्योग आदि की जानकारी ग्रामीणों को दी. राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन एवं विधवा पेंशन से जुड़ी समस्याएं सुनीं. केंद्रीय योजनाओं से संबंधित समस्याओं पर जल्द समाधान करने का ग्रामीणों को भरोसा दिया.

प्रकृति के सान्निध्य से स्वस्थ होता है तन-मन : सोनी

हजारीबाग। द आर्ट ऑफ लिविंग के प्रणेता गुरुदेव श्री श्री रविशंकर का संकल्प पूरे भारतवर्ष में बड़े पैमाने पर पौधरोपण का है. इसके तहत हजारीबाग में गुरु पूर्णिमा के पावन मौके पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये. स्थानीय बड़ा अखाड़ा में सामूहिक हवन, गुरु-पूजा, सत्संग और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम योग प्रशिक्षका पूनम जायसवाल के नेतृत्व में किया गया. आयोजन में बड़ा अखाड़ा के महंत विजयानंद का सक्रिय योगदान रहा. वहीं योग प्रशिक्षक तारकेश्वर सोनी के नेतृत्व में कटकमसांडी प्रखंड में सौ से अधिक की संख्या में पौधरोपण किया गया. इस मौके पर सोनी ने कहा कि पंचतत्व से हमारा शरीर बना है. इसमें एक तत्व के भी बिगड़ने से हम बीमार पड़ जाते हैं. रोग वास्तव में रोग नहीं है यह लक्षण है. जब हमारा मन बिगड़ता है तो है तो यह रोग के रूप में प्रकट होता है. प्रकृति के सान्निध्य से हमारा मन व शरीर दोनों स्वस्थ होता है.

विधायक अंबा प्रसाद ने बच्चों को किया प्रोत्साहित

रामगढ़। डीएवी स्कूल बरकाकाना में आयोजित दो दिवसीय क्लस्टर के समापन समारोह के दौरान विधायक अंबा प्रसाद ने उपस्थित होकर बच्चों को सम्मानित किया. इससे पूर्व स्कूल प्राचार्य मो. मुस्तफा मज़ीद ने अंबा प्रसाद एवं बरकाकाना ओपी प्रभारी मो. अख्तर अली को हरित पौधा देकर उनका अभिनंदन किया. इसके बाद उपस्थित अतिथियों ने बॉक्सिंग, ताईक्वांडो, कुश्ती, वूसु, जुडो, योगा एवं कराटे में पदक जीतने वाली सभी बच्चों एवं बच्चियों को सम्मानित किया. मौके अंबा प्रसाद ने कहा कि यही नारी शक्ति है जो आने वाले समय में गर्व महसूस कराएगी. उन्होंने सभी बच्चियों को पारितोषिक भी दिया, जिससे उनकी प्रेरणा और मेहनत को और भी बढ़ावा मिले. उन्होंने समाज को याद दिलाया कि महिलाओं की सक्षमता और स्वावलंबन उन्हें समाज में बराबरी के स्थान पर पहुंचने में मदद कर सकते हैं. उन्होंने बच्चों के योगदान को सराहा और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी. समारोह के अंत में अंबा प्रसाद ने बच्चों को भविष्य के लिए प्रेरित किया और सम्मानित किया, जिससे उनकी मेहनत और उनकी साहसिकता का सम्मान किया.

स्कॉर्पियो की डिक्की में ले जा रहे गोवंश पुलिस ने किए जब्त

संवाददाता। चौपारण

पशु तस्कर थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह की लगातार कार्रवाई के बाद गोवंश की तस्करी के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं. तस्करों ने क्रूरता की सारी हदें पार कर स्कार्पियो की डिक्की की छोटे सी जगह में जानवरों को बांधकर बंगाल तस्करी के लिए ले जा रहे थे, लेकिन चौपारण पुलिस की नजरों से बच नहीं सके. थाना प्रभारी ने बताया कि रात्रि में पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को गुप्त सूचना मिली कि बिहार की तरफ से स्कॉर्पियो में अवैध रूप से क्रूरता पूर्वक मवेशी लोड कर तस्करी करने के लिये चौपारण होते हुए बंगाल ले जाया जा रहा है. इस पर छापामारी दल का गठन कर दनुआ घाटी के पास नाका लगाया गया. वाहनों की जांच के क्रम में उक्त स्कॉर्पियो को थोडी दूरी पर जीटी रोड पर खड़ा कर चालक एवं अन्य व्यक्ति रात्रि एवं जंगल का लाभ उठाकर भाग गये. तत्पश्चात स्कॉर्पियो की विधिवत तलाशी ली गई तो अंदर मुंह, पैर बांधा हुए तीन मवेशी पाये गये. इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध छापामारी की जा रही है. बताते चलें कि स्कॉर्पियो मलिक हजारीबाग के ओकनी आदर्शपूरी के मिथुन कुमार, पिता अनूप राम है. वह पूर्व में थाने में निजी ड्राइवर रह चुका है. छापामारी दल में सअनि मनोज कुमार सिंह एवं जैप सशस्त्र बल भी शामिल थे.

अंबा प्रसाद के अश्लील पोस्टर-बैनर पर समाज के लोगों ने जताया रोष

हजारीबाग। ओरिया पंचायत अंतर्गत तेली समाज ने रविवार को एक आपातकालीन बैठक कर सर्वसम्मति से विधायक अंबा प्रसाद के खिलाफ सुनियोजित तरीके से अश्लील बैनर, पोस्टर एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किए गए आपत्तिजनक पोस्टों पर रोष व्यक्त किया है. साथ ही निंदा प्रकट करते हुए आह्वान किया गया कि अगर इस तरह से दोबारा समाज की किसी भी बहन-बेटी के ख़िलाफ कुकृत्य करने का प्रयास किया गया तो समाज चरणबद्ध एवं कानूनी तरीके से पुरज़ोर आंदोलन करेगा. बैठक में ओरिया निवासी नारायण साव, महेश साव, राजेश साव, दिलीप साव, रणधीर साव, विजय साव, हरेंद्र साव, सीताराम साव, आशीष साव, घनश्याम साव, कुलदीप साव, विनोद साव, रवि साव एवं समाज के अन्य लोगों ने हिस्सा लिया.

गांधी नगर में घर के पोटिको में शव मिलने से फैली सनसनी

संवाददाता। हज़ारीबाग़

कोर्रा थाना क्षेत्र के मटवारी गांधी नगर पश्चिम गली नं. 4 में एक युवक के शव मिलने से सनसनी फ़ैल गयी. घर के पोटिको में युवक लहूलुहान और मृत अवस्था में पड़ा हुआ था. मृतक की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है. वह हाफ पैंट और काले रंग की गंजी पहने हुए था. सबेरे जब घर के अन्य लोगों ने शव को देखा तो पुलिस को इसकी सूचना दी. युवक का नाम अभिषेक पांडेय, पिता प्यारेलाल पांडेय है. घर बड़कागांव प्रखंड के बादाम गांव में है. मृतक के मामा कृष्णकांत पांडेय ने बताया कि उनका भांजा हज़ारीबाग़ में किराये के मकान में रहकर एक फाइनेंस कंपनी में काम कर रहा था. शनिवार शाम को उसके एक दोस्त, जिसका नाम सौरभ बताया जा रहा है, उसने उसको अपने किराये के मकान में बुलाया था. बताया जा रहा है कि दोनों ने वहां खा-पीकर छत पर रात को गए थे. अभिषेक लड़खड़ा कर छत से गिर गया और उसकी मौत हो गयी. सौरभ ने इस मामले में कहा कि वे दोनों ने घर में मैगी बनाकर खाया. उसके बाद वो अकेले छत पर गया. अभिषेक कब गिरा और कैसे उसकी मृत्यु हुई पता नहीं. वहीं अभिषेक के मामा ने कहा कि मुझे इस बात पर कतई यकीन नहीं है और ये सीधा हत्या का मामला लग रहा.

खास बातें

- मृत युवक के मामा ने कहा-यह पूरी तरह से हत्या का मामला
- पुलिस बोली-प्रथम दृष्टया यह दुर्घटना प्रतीत हो रही

16 नामजद सहित 200 अज्ञात पर प्राथमिकी

- सड़क हादसे के बाद जीटी रोड को जाम कर उपद्रव करने वालों पर पुलिस ने की कार्रवाई
- सड़क पर उपद्रव मचाने वाले किसी भी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे : थाना प्रभारी दीपक सिंह

चौपारण। पांडेबारा में गुरुवार देर रात बाइक सवार पर बालू लदे ट्रेलर के पलट जाने से केवला निवासी युवक फरदीन खान, पिता आबिद खान की दबने से दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी और एक युवक घायल हो गया था. इसके बाद आक्रोशित लोगों ने जीटी रोड को घंटों जाम कर जमकर हंगामा किया था. यहां तक कि वहां पहुंची पुलिस के साथ भी कुछ लोगों द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया था. पुलिस एवं एनएचएआई सड़क निर्माण कंपनी के खिलाफ भी लोगों ने गुस्सा व्यक्त किया था. इसमें मयूरहंड प्रखंड के पेटादरी के भी कई लोगों ने पहुंच कर माहौल को और भी बिगाड़ने का काम किया था. पुलिस को अतिरिक्त सशस्त्र बल को मंगाना पड़ा था. थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह इस पूरे प्रकरण में 16 नामजद अभियुक्तों-शहजाद खान उर्फ सज्जू, रिजवान खान, सोनू खान, सहजाद खान, साजिद शेख, तोसिफ खान, साहबुद्धीन खान, सभी ग्राम केवला थाना-चौपारण, प्रेम यादव, मुकेश यादव, राहुल यादव, सचिन यादव, विक्की यादव, सभी ग्राम पेटादरी थाना मयूरहण्ड, महेंद्र साव, जिला-चतरा सहित दो सौ अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है. थाना प्रभारी ने कहा कि सड़क पर उपद्रव मचाने वाले बख्शे नहीं जाएंगे.

आस्था सभी तैयारियां पूरी, मुनि भक्त परिवार के लिए आवास और भोजन की व्यवस्था

सुयश वर्षायोग की आज की जाएगी कलश स्थापना

संवाददाता। हजारीबाग

मुनि श्री 108 सुयश सागर महाराज का मंगल आशीर्वाद बड़ी संख्या में आये श्रद्धालुओं को मिला.

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर चर्या शिरोमणि पूज्य आचार्य गुरुवर 108 विशुद्ध सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य गुरुदेव मुनि श्री 108 सुयश सागर महाराज का मंगल आशीर्वाद सभी को प्राप्त हुआ. हजारीबाग के मुनि भक्तगण और दुर्ग से सुयश मुनि भक्त परिवार, कोडरमा, ललपनिया से आए तथा अन्य सभी मुनि भक्तों को मुनि श्री से मंगल आशीर्वाद प्राप्त हुआ. बताते चलें कि गुरु पूर्णिमा महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रातः 6:30 बजे से शांति धारा मुनि श्री के सानिध्य में (बड़म बाजार मंदिर जी मंदिर में), तत्पश्चात मुनि श्री का पाद प्रक्षालन का सौभाग्य अनिल अंजना छाबड़ा(ड्रग सेन्टर) परिवार को प्राप्त हुआ और मुनि श्री को शास्त्र भेंट करने का शौभाग्य रोहित रुचि विनायका परिवार को प्राप्त हुआ. प्रातः 7:00 बजे से अभिषेक शांति धारा एवं पूजन उसके बाद पाद प्रक्षालन (दुर्ग से आए मुनि भक्त परिवार द्वारा) तथा शास्त्र भेट (दुर्ग की बेटी एवं हजारीबाग की बहुएं) और हरक चंद नर्मता जैन अजमेरा परिवार रामगढ़ द्वारा किया गया. तिलैया से आए हुए भजन गायक नवीन जैन पांड्या के गुरु भक्ति भजनों ने लोगों को झुमाया. किया. तत्पश्चात फिर मुनि श्री द्वारा मंगलकारी प्रवचन और फिर आहारचर्या हुआ. बताते चलें कि सोमवार को बड़ा बाजार जैन भवन के प्रांगण में पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज और छुल्लक 105 श्री श्रुत सागर जी महाराज की कलश स्थापना मनाई जा रही है, जिसकी तैयारी हो गई है. कलश स्थापना का कार्यक्रम दोपहर 1:00 बजे से होगा. दिगंबर जैन पंचायत के महामंत्री पवन जैन अजमेरा ने बताया कि हजारीबाग जैन समाज के अलावा, धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष तारा चंद जैन, रांची जैन समाज के अध्यक्ष मंत्री तिलैया जैन समाज के अध्यक्ष मंत्री, गिरीडीह जैन समाज के अध्यक्ष मंत्री, कोलकाता जैन समाज के अध्यक्ष मंत्री इसके अलावा बुंडू, खूंटी, तमाड, रायपुर, जशपुर, दुर्ग, कोडरमा, ललपनिया, भाटापाड़ा, गया, जयपुर से भी लोग शामिल हो रहे हैं. मुनि भक्त सभी परिवारों के लिए आवास और भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है. तैयारियां पूरी कर ली गई हैं.

कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने भी की पूजा, भक्तों के साथ चखा प्रसाद

साईं मंदिर में लगा भव्य भंडारा

संवाददाता। हजारीबाग

कांग्रेस नेता मुन्ना सिंह ने भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण भी किया.

नवाबगंज स्थित साइन मंदिर में गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसकी शुरुआत सुबह 8:00 बजे साईं बाबा के अभिषेक पूजा एवं प्रसाद वितरण से हुई. इसके बाद दोपहर 1:00 बजे धूप आरती के बाद भंडारा आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने और स्थानीय लोगों ने भाग लिया. कार्यक्रम के अंत में संध्या 6:00 बजे आरती का आयोजन किया गया, जिसके बाद प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम को संपन्न किया गया.कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह साईं मंदिर पहुंचे. मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया. मुन्ना सिंह ने साईं बाबा की पूजा की और श्रद्धालुओं से मुलाकात कर सभी भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया और खुद भी भक्तों के साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया. इस मौके पर सिंह ने कहा कि गुरु पूर्णिमा का यह पावन पर्व हमें अपने गुरु और धर्म के प्रति आस्था और श्रद्धा का संदेश देता है. साईं बाबा के आशीर्वाद से हमें समाज में प्रेम, सद्भाव और सेवा की भावना को बढ़ावा देना चाहिए. कार्यक्रम में मुख्य रूप से कांग्रेस पार्टी के नगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत, उपाध्यक्ष कृष्णा किशोर प्रसाद और साईं मंदिर कमेटी के मिथिलेश सिन्हा, सुनील कुमार सिन्हा, सुभाष सेठी, ब्रह्मदेव पांडे, बंटीसरकार, मोहित सोंधी, पिंकू शिखर, शिवम, साकेत सिन्हा, चिंटू प्रसाद, राजू प्रसाद, सानू, शुभम व अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे.

ब्रीफ खबरें

कारगिल विजय रजत जयंती समारोह 28 को

सिमडेगा। वेटरेंस इंडिया के बैनर तले 28 जुलाई को कारगिल विजय रजत जयंती समारोह का आयोजन किया गया है. जिलाध्यक्ष विष्णु महतो ने बताया कि वीर जवानों के सम्मान में देश भक्ति कार्यक्रम का आयोजन डाक बंगला परिसर में दिन के 11:40 बजे से किया जाएगा. जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रुप में डीसी अजय कुमार सिंह और विशिष्ट अतिथि के रुप मेंचंद्रशेखर प्रसाद उपस्थित रहेगें. उन्होंने ने सभी लोगों से कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की है.

अनुसचिवीय कर्मचारी संघ का कैंडल मार्च

सिमडेगा। झारखंड अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के द्वारा नौ सूत्री मांग की पूर्ति को लेकर शनिवार की शाम कैंडल मार्च निकाला. संघ के अध्यक्ष रामनिवास मिश्रा ने बताया कि संघ की नौ सूत्री मांगें नहीं माने जाने पर आंदोलन जारी रहेगा. उन्होंने ने बताया कि 22 जुलाई से बेमियादी हड़ताल पर चले जाने की बात कही. मौके पर संघ के सदस्यों ने डीसी को 22 जुलाई से बेमियादी हड़ताल पर चले जाने की भी सूचना दी है.

मुरारी गोलीकांड का साजिशकर्ता गिरफ्तार

मेदिनीनगर। रेड़मा के रहने वाले मुरारी तिवारी गोलीकांड के मुख्य आरोपी सह साजिशकर्ता रेड़मा के ही रहने वाले प्रदीप तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया. प्रदीप तिवारी जैप में जमादार के पद से रिटायर हुए हैं. मुरारी तिवारी पर जमीन विवाद के कारण गोली चलवायी गई थी. जमीन बंटवारा को लेकर लंबे समय से प्रदीप और मुरारी के बीच विवाद चल रहा था. 30 मई की शाम मुरारी तिवारी को रेड़मा में बाइक से आए दो बदमाशों ने गोली मारने की कोशिश की थी. पहले राउंड में गोली चलाने पर फायर नहीं हुई थी जबकि दूसरे राउंड की गोली पिस्तौल की मैगजीन गिर जाने के कारण नहीं चली थी. दूसरी बार जब मुरारी को गोली मारी जा रही थी, तब उन्होंने गोली मारने वाले को धक्का दे दिया था.

करकट्टा गांव : भूमि विवाद में वृद्ध घायल

मझिआंव। थाना क्षेत्र के मोरबे पंचायत अंतर्गत करकट्टा गांव निवासी 70 वर्षीय विश्वनाथ राम को भूमि विवाद में लाठी डंडा एवं पत्थर से मार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया. घायल के परिजनों ने उसे रेफरल अस्पताल लाया. जहां पर डॉक्टर के द्वारा प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया गया. घायल विश्वनाथ राम ने बताया कि उन्हीं का सगा भाई चंद्रिका राम से लगभग 5 वर्ष पूर्व से आपसी भूमि विवाद चला आ रहा है, जिसका मामला कोर्ट में भी चल रहा है. घायल ने बताया कि 21 जुलाई को सुबह लगभग 10 बजे विपक्षी चंद्रीका राम वगैरह बल पूर्वक दबंगता दिखाते हुए विवादित भूमि में घर बना रहे थे. जिसे मना करने पर लाठी डंडा एवं पत्थर से मारा गया. जिसमें मेरा एक हांथ टूट गया तथा माथा फट गया.

बोलबा : प्रखंड स्तरीय रुआर कार्यक्रम आज

बोलबा। प्रखंड स्तरीय विद्यालय रूआर कार्यक्रम का आयोजन 22 जुलाई को दिन के 10 बजे से प्रखंड कार्यालय सभागार में होगी. बीडीओ एमानुएल लकड़ा कार्यक्रम में मुख्य रुप से उपस्थित रहेंगे. बीपीओ मनमोहन गोस्वामी ने सभी विद्यालय के प्रधानों को समय पर उपस्थित होनेका निर्देश दिया है.

लोहरदगा में विशाल कांवर यात्रा को उपायुक्त और एसपी ने संयुक्त रूप रवानाकिया, कहा-

कांवर यात्रा में बाधा उत्पन्न करनेवालों पर होगी कार्रवाई

संवाददाता। लोहरदगा

हमारे युवा वर्ग को भगवान उज्जवल राह पर ले जाएं: डीसी

कांवरियों को रवाना करने से पहले पूजा-अर्चना करते डीसी व एसपी हुए.

श्रावण की पहली सोमवारी पर महाकाल क्लब चंद्रशेखर आजाद चौक तेतरतर द्वारा विशाल कांवर यात्रा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से वित्त मंत्री के पुत्र रोहित प्रियदर्शी उरांव, उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां, विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल, सदर सीओ अभिषेक कुमार आदि उपस्थित हुए.

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों को साफा और पगड़ी पहनाकर किया गया. भगवान शंकर की पूजा आरती के बाद यात्रा को भगवा ध्वज दिखाकर रवाना किया गया. इधर कांवरियों को रवाना करने के पूर्व उपायुक्त डॉ वाघमारे ने कहा कि मैं भोलेनाथ से प्रार्थना करता हूं कि लोहरदगा में ऐसा ही शांति, सद्भाव और अमन कायम रहे. साथ ही हमारे जो युवा साथी हैं, युवा वर्ग हैं, युवा मित्र हैं उनको भगवान एक उज्वल राह पर ले जाएं. उनके करियर में और उनके जीवन में उनको सफल बनाएं. वहीं कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसपी हारिस बिन जमां ने कहा कि लोहरदगा की संप्रदायिक एकता बेमिसाल है. इसी तरह समाज में शांति और सद्भाव को कायम रखें. उन्होंने असामाजिक तत्वों को चेतावनी दी है कि कांवड़ यात्रा में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. मंत्री पुत्र रोहित प्रियदर्शी उरांव ने कहा कि सावन में कांवर यात्रा का विशेष महत्व होता है. भगवान भोलेनाथ सभी भक्तों की मनोकामना पूर्ण करते हैं. सावन की प्रथम सोमवारी को भक्त जलार्पण के लिए पहाड़ी मंदिर जा रहे हैं. संरक्षक सह नप के पूर्व उपाध्यक्ष बलराम कुमार ने कहा कि पैदल यात्रा कर पहाड़ी बाबा पर जलाभिषेक करने से बाबा सबकी मनोकामनाएं पूरी करते हैं. यहीं कारण है कि रांची स्थित भोले बाबा के दरबार पहाड़ी मंदिर में जलाभिषेक के लिए लगभग 5 हजार की संख्या में शिवभक्त 80 किमी की पैदल यात्रा करेंगे. बताया गया कि पिछले 14 वर्षों से यह आयोजन हो रहा है. भक्तों के यात्रा के दौरान मार्ग में सुरक्षा व्यवस्था से लेकर अन्य सभी व्यवस्थाएं भी किये गए हैं. जिसके तहत एम्बुलेंस, सुरक्षा और जगह-जगह पर भक्तों के लिए रुकने और भंडारे की भी व्यवस्था की गई है. शिवभक्त शंख नदी से जल उठाकर पहाड़ी मंदिर के लिए रवाना हुए. कांवर यात्रा लोहरदगा से कुडू, मांडर होते हुए कल सुबह रांची स्थित पहाड़ी मंदिर में भोलेनाथ को जल अर्पण कर समाप्त होगी.

कई बलिगढ़ पंचायत वासियों ने थामा झामुमो का दामन

केंद्र सरकार व उनके आकाओं की झारखंड पर है गिद्ध दृष्टि : मंत्री

संवाददाता। गढ़वा

पार्टी में शामिल लोगों के साथ मंत्री मिथिलेश ठाकुर.

गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के रमकंडा प्रखंड अंतर्गत बलिगढ़ पंचायत के अधिसंख्य ग्रामीणों ने भाजपा सहित अन्य दलों को छोड़ कर झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया. गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर आयोजित मिलन समारोह में सभी ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली. मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को माला एवं पार्टी का पट्टा पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सभी को पार्टी में शामिल किया.

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि आज पार्टी की मजबूती में एक और नया अध्याय जुड़ गया है. रमकंडा प्रखंड के बलिगढ़ पंचायत के लगभग सभी पंचायतवासी एकजुट होकर भाजपा सहित अन्य दलों को छोड़कर झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो गये हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड में झारखंडी जनमानस की सरकार ने हेमंत सोरेन के नेतृत्व में काफी विषम परिस्थितियों के बावजूद गढ़वा सहित पूरे राज्य का सर्वांगीण विकास किया है. इससे प्रभावित होकर सभी लोग दूसरे दलों को छोड़कर झामुमो में शामिल हो रहे हैं. झारखंड सरकार राज्य के अंतिम पंक्ति के लोगां को लक्ष्य कर योजनाएं चला रही हैं, इसका लाभ सीधा जरूरतमंद ग्रामीणों को मिल रहा है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एवं उनके आकाओं की झारखंड पर गिद्ध दृष्टि है. वे लोग झारखंड को लूटना चाहते हैं. यही कारण है कि राज्य में बेहतर विकास कार्य कर रहे आदिवासी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बेवजह तबाह किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि असम आदि दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्री अपना राज्य चला नहीं रहे हैं. वे लोग झारखंड में घूम रहे हैं.

मंत्री ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनके क्षेत्रों में अधिसंख्य सड़कें बन गई है. जो सड़कें बच गई हैं यथाशीघ्र उनका भी निर्माण कार्य होगा. साथ ही मंत्री ने कहा कि उस क्षेत्र में नेटवर्क की समस्या है इसके लिए वे संबंधित नेटवर्क कंपनी जियो पदाधिकारियों से बात कर समस्या को दूर करायेंगे. बात यही यहां से नहीं बनेगी तो वे कंपनी के मुंबई के अधिकारियों से भी बात करेंगे. जैसे भी हो समस्या को दूर करायेंगे.

मौके पर मुख्य रूप से झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष छोटू सिंह खरवार, चंदा देवी, सलीफ जाफर, नवीन तिवारी, डॉ यासिन अंसारी, फिरोज मंसूरी, विनोद गुप्ता, राजकिशोर यादव, दिलीप गुप्ता, अंकित पांडेय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे.

खास बातें

- मिलन समारोह में सभी ने की पार्टी की सदस्यता ग्रहण
- जो सड़कें अब तक नहीं बनी है यथाशीघ्र निर्माण कराया जायेगा

मंत्री के आश्वासन के बाद सहायक अध्यापकों का आंदोलन स्थगित

लातेहार। एकीकृत सहायक अध्यापक शिक्षक संघर्ष मोर्चा, लातेहार के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार, महासचिव अनूप कुमार प्रदेश एवं कोर कमेटी सदस्य सह चंदवा प्रखंड अध्यक्ष बेलाल अहमद ने संयुक्त प्रेस विज्ञाप्ति जारी कर शिक्षा मंत्री के आश्वासन के बाद सहायक अध्यापकों का चला आ रहा आंदोलन को स्थगित कर दिया गया है. उन्होने बताया कि उग्र सहायक अध्यापकों का लातेहार झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव के पहल के बाद सहायक अध्यापक का एक प्रतिनिधि मंडल शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम के धुर्वा स्थित आवास में वार्ता की गयी.

डायरिया से परेशान हैं खरौंधा के ग्रामीण

कांडी। प्रखंड के खरौंधा पंचायत अंतर्गत मोखापी गांव के लोग पिछले चार दिनों से डायरिया रोग से परेशान हैं. सूचना के बाद रविवार को रेफरल अस्पताल की टीम गांव में पहुंच कर लोगों का इलाज शुरू किया. डॉ. गोविंद सेठ के नेतृत्व में चार सदस्यीय चिकित्सा दल ने 43 लोगों का जांच कर दवा उपलब्ध कराया. साथ ही तीन लोग 32 वर्षीया सत्य कुमारी देवी, 37 वर्षीया फूलमती देवी व 60 वर्षीया सुनीता देवी को एक एक बोतल स्लाइन चढ़ाया गया. इससे पूर्व सत्य कुमारी देवी गुरुवार को सदर अस्पताल में इलाज कराकर वापस आई थी. इन्ही का 10 वर्षीय पुत्र लव कुमार यादव को भी गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल गढ़वा में भर्ती किया गया था जहां दवा के साथ दो बोतल स्लाइन चढ़ाया गया था. इससे पूर्व लव को स्थानीय स्तर पर जयनगरा गांव में एक निजी डॉक्टर के यहां इलाज के लिए ले जाया गया था जहां से डॉक्टर ने बाहर ले जाने के लिए बोल दिया.

न्यूज अपडेट

छात्रहित में लड़ रहा है झामुमो का छात्र मोर्चा : राजेंद्र

मेदिनीनगर। स्थानीय टाऊन हाल में झामुमो छात्र मोर्चा द्वारा छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया. सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद झामुमो अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उदघाटन किया. छात्र मोर्चा अध्यक्ष कौशल किशोर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता व सचिव सैयद फैजल ने संचालन किया. पलामू में पहली बार छात्र सम्मेलन को देखते हुए झामुमो के छात्र नेताओं और छात्रों में काफी जोश दिखा. जिलाध्यक्ष श्री सिन्हा ने कहा कि पलामू शुरू से ही छात्र राजनीति का गढ़ रहा है. यहां के छात्र नेता आज बड़े-बड़े पद को सुशोभित कर रहे हैं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार छात्रों के हित में लगातार कार्य कर रही है. झामुमो द्वारा छात्रों के लिए कई महत्वपूर्ण योजना चलाई जा रही है, आज सरकारी स्कूलों का कायाकल्प हो चुका है. छात्रों को पढ़ने के लिए विदेश तक भेजा जा रहा है. आज छात्र और अभिभावक स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के कारण शिक्षा को लेकर निश्चिंत हैं.

कमल के सपनों को साकार करना मूल उद्देश्य :अनिल

ग्रामीणों से रूबरू हुए अनिल कुमार भगत.

कुडू/लोहरदगा। विधानसभा चुनाव के संकेत मिलते ही राजनीतिक दलों के नेता जनता से सीधा संवाद स्थापित करना शुरू कर दिए हैं. इधर झारखंड पीपुल्स पार्टी के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अनिल कुमार भगत चुनावी मैदान में उतर चुके हैं. अनिल कुमार भगत ने लोहरदगा विस क्षेत्र अंतर्गत कुडू प्रखंड क्षेत्र के पंडरा गांव का दौरा कर वहां के ग्रामीणों से रूबरू हुए . इसके बाद अनिल कुमार भगत पंडरा गांव के लोगों ने विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया एवं निष्पादित कराए जाने हेतु मांग रखी. क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम के उपरांत अनिल कुमार भगत ने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में पूरे जोश व खरोश से चुनाव लडूंगा.

बाबा टांगीनाथ धाम में पूजा से पूर्ण होती है मनोकामना

बाबा टांगी नाथ धाम में स्थापित शिवलिंग.

गुमला। रांची से लगभग डेढ़ सौ किलोमीटर दूर घने जंगल और पहाड़ की तराई पर बसा है बाबा टांगी नाथ धाम. बाबा टांगी नाथ धाम कई ऐतिहासिक धरोहर को समेटे हुए है. शोध कर्ताओं के अनुसार खुले आसमान में बिखरे शिवलिंग पांचवीं छठी शताब्दी का होने की बात बतायी जा रही है. कहा जाता है कि बाबा टांगीनाथ धाम भगवान परशुराम का तपोभूमि है. भगवान परशुराम ने घने जंगल के बीच अपना त्रिशूल गाड़ कर शिव की उपासना किया था. भगवान परशुराम का खंडित त्रिशूल अब भी आकर्षण का केन्द्र है. खुले आसमान के नीचे होने के बावजूद इसमें जंग नहीं लगता है.

विश्रामपुर में अबुआ आवास के नाम पर खुलेआम वसूली

विश्रामपुर(पलामू)। विश्रामपुर प्रखंड में अबुआ आवास के नाम पर खुलेआम पैसों की वसूली होने का मामला सामने आया है. बघमनवां पंचायत के एक ही परिवार की तीन महिलाएं रीना, सविता व कविता से 70 हजार रुपए की वसूली एक स्वयं सेवक द्वारा किया जाना इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है. इसके बावजूद भी उन्हें आवास नहीं दिया गया है. बघमनवां पंचायत में कुछ ऐसे भी लाभुकों का नाम सामने आया है जिन्हें वित्तीय वर्ष 2013-14 में इंदिरा आवास मुहैया कराया गया था और एक बार फिर से उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया गया. वहीं सिगसीगी पंचायत में भी पक्का मकान और सक्षम लोगों को अबुआ आवास और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया गया है. जिसकी शिकायत भी स्थानीय लोगों के द्वारा समय-समय पर प्रखंड कार्यालय में की जाती रही है.

दो वाहनों की टक्कर में एक की मौत, दो घायल

लातेहार। रांची-डाल्टनगंज राष्ट्रीय उच्च मार्ग-75 पर करकट ग्राम के एस्सार पेट्रोल पंप के पास रविवा की सुबह दो एक ट्रक व एक पीक अप वाहन में भीषण टक्कर हो गयी. टक्कर इतनी भीषण थी कि पीक अप के परखचे उच्च गये. इस टक्कर में पीक अप वैन सवार एक व्यक्ति की मौत हो गयी. उसकी पहचान पलामू जिले के के बारीदुआ गांव के गोल्डन खान के रूप में हुई है. जबकि पलामू निवासी नीरज कुमार व चंदन कुमार घायल हो गये. उन्हें घायल अवस्था में सदर अस्पताल लाया गया. जानकारी के अनुसार रांची से मछली लेकर एक पिकअप वाहन पलामू की ओर जा रही थी. इसी दौरान सदर थाना क्षेत्र के एस्सार पेट्रोल पंप के पास विपरीत दिशा से आ रही एक ट्रक से पिकअप वाहन की सीधी टक्कर हो गई. टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप वाहन के सामने का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया.

पेशरार व कैरो को पूर्ण प्रखंड का दर्जा दिया जाए: महेश कुमार

बैठक कर रणनीति तैयार करते कर्मचारी संघ के सदस्य.

संवाददाता। लोहरदगा

झारखण्ड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ प्रखंड शाखा किस्को और पेशरार के संयुक्त आम बैठक का आयोजन किया गया. इधर बैठक को संबोधित करते हुए अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के लोहरदगा जिला सचिव महेश कुमार सिंह ने कहा.

उन्होंने कहा कि अति सुदूरवर्ती एवं दुर्गम क्षेत्र तथा जनसंख्या के दृष्टिकोण से पेशरार और कैरो को प्रखंड बनाए हुए एक से डेढ़ दशक हो गया है. राजपत्रित एवं मात्र कुछ अराजपत्रित पदों का सृजन किया गया है. अधिकतर कार्य किस्को एवं कुड़ू प्रखंड के कर्मियों के कई-कई प्रभार से सम्पादित किया जा रहा है, जिससे उनका आर्थिक, मानसिक तथा शारीरिक शोषण हो रहा है. उन्होंने कहा कि सरकार दोनों प्रखंडों को पूर्ण प्रखंड का दर्जा दें. जिसमें संरक्षक महेश कुमार चौहान सम्मानित अध्यक्ष मालती कच्छप अध्यक्ष कुलदीप केरकेट्टा, उपाध्यक्ष विश्वनाथ प्रजापति, जगरनाथ भगत, अमित राणा शर्मा, प्रतिमा नगेसिया, अकीला खातुन, प्रखंड सचिव उदय कुमार महतो, संयुक्त सचिव अजय कुमार सिंह, रौशन लाल रवि, सुनील मिंज, कोषाध्यक्ष अभिषेक एक्का, संगठन सचिव आकाश कुंवर आदि शामिल थे.

कुड़ू बस स्टैंड पर सुदेश महतो का कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

संवाददाता। कुड़ू/लोहरदगा

कुड़ू में सुदेश महतो का स्वागत करते कार्यकर्तागण.

पूर्व उप मुख्यमंत्री सह आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो हुसैनाबाद चूल्हा प्रमुख कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे थे, इसी बीच कुड़ू प्रखंड अध्यक्ष कलीम खान की अगुवाई में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. इधर हुसैनाबाद चूल्हा प्रमुख कार्यक्रम में भाग लेने जाने के क्रम में आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने कहा कि सभी कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं.

उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि लोहरदगा विधानसभा ही नहीं बल्कि पूरे झारखंड प्रदेश में एनडीए गठबंधन पूरे दम-खम के साथ चुनावी मैदान में अपना उम्मीदवार उतारेगी और झारखंड में इस बार भ्रष्ट हेमंत सोरेन सरकार को सत्ता से बेदखल कर एनडीए गठबंधन की सरकार बनेगी. आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने कहा कि राज्य की जनता भ्रष्टाचार में लिप्त हेमंत सोरेन सरकार को इस बार के विधानसभा चुनाव में करारा जबाब देने का कार्य कर दिखाएंगे.

उन्होंने कहा कि राज्य की जनता का झुकाव एनडीए गठबंधन की ओर अग्रसर है. सुदेश कुमार महतो ने कहा कि पार्टी के हर एक कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव को लेकर जन जागरूकता और डोर टू डोर जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों से सीधा संवाद स्थापित करें ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता का स्नेह प्यार हमें शत-प्रतिशत मिल सके. मौके पर आजसू नेत्री नीरू शांति भगत, लाल गुड्डू नाथ शाहदेव, कलीम खान, सलीम पांडे समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे.

युवा नशापान त्याग कर अपना जीवन संवारें: उप समाहर्ता

संवाददाता। कुड़ू/लोहरदगा

जिले के कुड़ू प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पंडरा में मुखिया अमरनाथ राम की अध्यक्षता में पंचायत के सभी महिला समूह के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष और प्रबुद्ध लोगों की एक आवश्यक बैठक आयोजित हुई. इस बीच बैठक में भूमि सुधार उप समाहर्ता सुजाता कुजूर, आजसू पार्टी के केन्द्रीय सचिव और समाजसेवी लाल गुड्डू नाथ शाहदेव और कुडु पूर्वी क्षेत्र से जिला परिषद सदस्य गंगोत्री देवी मुख्य रूप से उपस्थित रहे. इस अवसर पर लोगों ने इस बात पर मुख्य रूप से चर्चा किया कि आज के समय में नशा के कारण परिवार के परिवार पूरी से बर्बाद हो रहें हैं. नौजवान पीढ़ी आज नशे के चंगुल में इतनी बुरी तरह से जकड़ चुके हैं कि अपनी कमाई, जमा पूंजी और स्वास्थ्य तीनों एक साथ गंवा रहे हैं. आज हम सभी लोगों का यह कर्तव्य बनता है कि सब लोगों के सामूहिक प्रयास से उन्हें इस दल-दल से निकाला जाए. इसके लिए सभी लोगों ने यह प्रण लिया कि और कहा कि आज से हम-सब लोग मिलकर सामूहिक रूप से अपने पंडरा पंचायत को नशा मुक्त बनायेंगे, ना हम नशा करेंगे और ना ही अपने परिवार के किसी सदस्य या अपने पड़ोसी को नशा करने देंगे. आज के समय में पर्यावरण की रक्षा के लिए पौधा लगाना अति आवश्यक है, इसे ध्यान में रखकर पूरे पंचायत के सभी लोग अत्यधिक संख्या में पौधे लगाएं और पर्यावरण को हरा-भरा करने में अपना योगदान प्रदान करें. जब धरती हरी भरी होगी तो गर्मी भी कम होगी और जलस्तर में सुधार होगा. यदि हम यह करते हैं तो यह हमारी आने वाली पीढ़ी को सर्वोत्तम उपहार होगा. इस बैठक में मुख्य रूप से पंडरा पंचायत मुखिया अमरनाथ राम, लाल गुड्डू नाथ शाहदेव, उप मुखिया मुमताज़ पवरिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे.

निरीक्षण जिप उपाध्यक्ष ने किया किस्को सेमरडीह बानपुर पथ निर्माण कार्य का निरीक्षण, कहा

अधूरा और घटिया सड़क निर्माण कार्य करा रहे संवेदक

संवाददाता। लोहरदगा

पथ निर्माण कार्य का निरीक्षण कर जायजा लेते जिप उपाध्यक्ष.

तीन करोड़ 54 लाख की लागत से बनाई जा रही है सड़क

किस्को से सेमरडीह होते हुए बानपुर तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सड़क का निर्माण कार्य 03 करोड़ 54 लाख रुपये की लागत से बनाई जा रही पथ का कार्य को पूरा नहीं किए जाने से प्रतिदिन जानलेवा साबित हो रहा है. लोग उखड़-खाबड़ सड़क पर चलने को मजबूर हैं. केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पीएमजीएसवाई सड़क योजना में शुरू से ही लीपापोती कर मूर्त रूप देने का प्रयास किया जा रहा है. अब तो आलम यह हो गया है कि लोग मौत को गले लगाकर अपने कार्यों के निष्पादन हेतु आवागमन करते हैं.

जिले के किस्को मिडिल स्कूल के समीप से प्रखंड मुख्यालय होते हुए सेमरडीह डटमा बानपुर तक 3.5 करोड़ रुपये की लागत से बनाई जा रही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का लोहरदगा जिला परिषद उपाध्यक्ष विनोद उरांव के द्वारा निरीक्षण कर बारीकी से मुआयना किया गया. इस बीच जिप उपाध्यक्ष विनोद उरांव ने सड़क निर्माण कार्य को जायजा लेते हुए कहा कि संवेदक अजमल अंसारी के द्वारा कराया जा रहा सड़क निर्माण कार्य में काफी अनियमितता बरती जा रही है और सड़क निर्माण कार्य में लीपापोती कर योजना को अधूरा स्थिति में छोड़ दिया गया है.

उन्होंने कहा कि जिला परिषद के बोर्ड की बैठक में मामले को रखा जाएगा और संवेदक के पेपर को काली सूची में डलवाया जाएगा. जिप उपाध्यक्ष विनोद उरांव ने कहा कि सड़क निर्माण कार्य की अवधि समाप्त हो चुका है और अभी तक सड़क निर्माण कार्य हाशिए पर लटका दिया गया है इससे साफ जाहिर होता है कि कार्य को निपटारा कराए जाने में संबंधित विभागीय अधिकारियों और कर्मियों एवं संवेदक को कोई मतलब नहीं है. जिप उपाध्यक्ष विनोद उरांव ने सड़क की हालत को देखकर काफी नाराजगी जताई और कहा कि इसकी लिखित शिकायत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री और भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री को पत्र प्रेषित कर की जाएगी. यहां पर बता दें कि सड़क निर्माण कार्य को मूर्त रूप देने हेतु संवेदक अजमल अंसारी ने पेटी में मुनीलाल साहू, अख्तर अंसारी और राममोहन साहू को कार्य कराए जाने की जिम्मेदारी दी है. यहां पर सड़क का शिलान्यास के बाद से थोड़ी बहुत खींचतीर कर सड़क निर्माण कार्य को अंजाम दिया गया है.

भंडरा के एक घर में देर रात घुसा आठ फीट लंबा अजगर, मचा हड़कंप

संवाददाता। भंडरा (लोहरदगा)

- भंडरा के शुभम संदेश प्रतिनिधि शकील अहमद ने दिखायी दिलेरी
- अजगर को पकड़कर पहाड़ पर छोड़ा

भंडरा के एक घर में देर रात घुसा 8 फीट लंबा अजगर, मचा हड़कंप.

बरसात शुरू होते ही लोहरदगा जिले के भंडरा प्रखंड जहरीले सांपों का अड्डा बन गया है. आये दिन रंग-बिरंगे और जहरीले सांप लोगों के घरों में घुस जा रहा है. ऐसे में क्षेत्र के लोग सांप के खौफ से रात-दिन परेशान हैं. शनिवार की देर रात आठ फीट लंबा अजगर सांप भंडरा निवासी बाबर अंसारी के घर में घुस गया. अजगर को देख घर के सभी लोग चीखने-चिल्लाने लगे. हालांकि भंडरा प्रखंड के शुभम संदेश प्रतिनिधि शकील अहमद ने कड़ी मशक्कत के बाद अजगर को पकड़ा और सांप को सीठा पहाड़ पर ले जाकर सुरक्षित छोड़ दिया. शकील अहमद ने वन विभाग के कर्मी नवनीत कुमार को भी इसकी सूचना दी. इधर अजगर सांप को सुरक्षित स्थान पर छोड़े जाने के बाद भी बाबर अंसारी के परिवार वाले काफी डरे-सहमे हैं. जानकारी के अनुसार, बाबर अंसारी दूध का कारोबार करता है. रात में वह अपने घर में दूध डेयरी में ले रहा था. उसी दौरान उनकी नजर 8 फीट लंबे अजगर सांप पर पड़ी, जो उनके कदमों से कुछ दूरी पर था.

विवाद में आबादी संतुलन

झारखंड चुनाव के ठीक पहले आबादी असंतुलन का मुद्दा जिस तरह खड़ा किया जा रहा है. उसकी गहराई से जांच के तथ्य और सत्य को उजागर करने की जरूरत है. भारतीय जनता पार्टी के तमाम नेता लोकसभा चुनाव के बाद से ही संताल परगना के बहाने पूरे राज्य में डेमोग्राफी असंतुलन के खतरे को मुद्दा बना रहे हैं. इस मुद्दे की वास्तविकता निष्पक्ष जांच से ही उजागर हो सकती है, लेकिन इतना तो तय है कि यदि ऐसा असंतुलन पैदा हुआ है तो वह मात्र साढ़ चार सालों में ही नहीं हुआ. यह आरोप देश के बाहर यानी बंगलादेश से घुसपैठ को ले कर है तो इसकी बड़ी जिम्मेदारी तो केंद्र सरकार की भी है, जो भारती की सीमाओं की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है. प्रधानमंत्री सहित रक्षा और गृह मंत्री भाजपा के प्रमुख नेतागण बंगलादेश घुसपैठियों की समस्या को उठाते रहते हैं, लेकिन पिछले दस सालों में इसे रोकने की कोई ठोस पहल नहीं दिखी है. असम में इस कारण उठे विवाद और इसकी जांच का हश्र सबको पता है. झारखंड की डेमोग्राफी में बदलाव को इंगित करते हुए भाजपा बड़ा अभियान चला रही है. साथ ही बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा स्थानीय आदिवासी महिलाओं के साथ विवाह करके उनकी जमीन हड़पने और डेमोग्राफी को परिवर्तित करने का आरोप भी लगा रही है. अपने आरोपों के सबूत में भाजपा नेतृत्व ने कुछ आंकड़े भी जारी किए हैं. यह बहुत गंभीर आरोप है और राज्य तथा केंद्र सरकार को इसकी जड़ तक पहुंचना चाहिए और दोषियों पर विधि सम्मत कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए. कुछ तथ्य हैं, जिन पर गौर करने की भी जरूरत है. झारखंड की जमीनी सीमा बंगलादेश के साथ कहीं भी नहीं लगती है. बंगलादेश से लगने वाली सभी सीमाएं सीमा सुरक्षा बल और अन्य भारतीय पैरामिलिट्री, जो सीधे तौर पर गृह और रक्षा मंत्रालय के अधीन हैं, की कड़ी निगरानी में रहती है. भाजपा नेतृत्व ने बड़ी मात्रा में बांग्लादेशी घुसपैठ के लिए जिम्मेदार किसको मानता है यह भी स्पष्ट करने की जरूरत है. यह भी समझना होगा कि बांग्लादेशी और भारतीय मुसलमान में अंतर है. भारतीय मुसलमान हमारे देश के वैध नागरिक हैं. जनसंख्या असंतुलन के कुछ कारणों की पहचान इस तरह भी की जा सकती है. संथाल परगना में 1951-91 के बीच जनगणना के आंकड़ों के अनुसार औसत जनसंख्या वृद्धि दर अनुसूचित जनजाति में 0.6%, और अन्य जातियों में लगभग तिगुनी यानी 1.7% रही है. यही स्थिति बाद में भी जारी रही है. इसका असर भी जनसंख्या संतुलन के बदलाव पर हुआ है. राज्य के विकास में उद्योगों, डैमों, सड़कों के साथ शहरीकरण से लाखों लोग विस्थापित हुए हैं. इन लाखों विस्थापितों का 90% हिस्सा आदिवासियों का हैं. इसका असर भी डेमोग्राफी के बदलाव में हुआ है. बड़ी संख्या में विस्थापन और बेकारी के कारण भी लाखों आदिवासी दूसरे राज्यों में कामकाज के लिए प्रवासी मज़दूर के रूप में जाते हैं. इसका असर भी जनसंख्या पर पड़ता है. बड़ी संख्या में अन्य राज्यों से काम की तलाश में भी लोग आ कर बसे हैं. जरूरी है कि इस संवेदनशील मुद्दे की निष्पक्ष जांच कर हकीकत लोगों को बतायी जाए और वोट जुगाड़ू राजनीति से बचा जाए.

> **झारखंड की जमीनी सीमा बंगलादेश के साथ कहीं भी नहीं लगती है. बंगलादेश से लगने वाली सभी सीमाएं सीमा सुरक्षा बल और अन्य भारतीय पैरामिलिट्री, जो सीधे तौर पर गृह और रक्षा मंत्रालय के अधीन हैं, की कड़ी निगरानी में रहती है.**

सुभाषित

मूर्खस्य पञ्च चिह्नानि गर्वो दुर्वचनं मुखे।
हठी चैव विषादी च परोक्तं नैव मन्यते ॥

मूर्खों को पहचानना मुश्किल नहीं है, क्योंकि उनकी पांच निशानियां होती हैं. वे अहंकारी होते हैं. वे हमेशा एकोहम् द्वितीयो नास्ति वाली भावना रखते हैं. उनके मुंह में हमेशा बुरे शब्द होते हैं. वे जिद्दी होते हैं, हमेशा बुरी सी शक्ल बनाए रहते हैं और दूसरे की बात कभी नहीं मानते.

रोजगार क्यों नहीं दे पा रहा आर्थिक विकास

देश में तेजी से हो रहा शहरीकरण और कॉर्पोरेट्स का लगातार आर्थिक विकास रोजगार के लिहाज से उतना कारगर साबित नहीं हो पा रहा है, यह एक चिंताजनक विषय है. देश में विकास तेजी से हो रहा है, लेकिन उतनी ही तेजी से रोजगार के मौके नहीं बढ़ पा रहे हैं. बेरोजगारी की समस्या बहुत गंभीर है. खासकर युवाओं के लिए अच्छे रोजगार के मौके कम हैं. **यह संकट ऐसे ही बना रहा तो देश की पूरी एक पीढ़ी बेरोजगार जीवन जीएगी .**

देश में बेरोजगारी की समस्या बहुत गंभीर है. खासकर युवाओं के लिए अच्छे रोजगार के मौके कम हैं. हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भी बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा रहा. लोगों को मुफ्त में सामान देने से कुछ वक्त के लिए तो फायदा होता है, लेकिन असल में लोगों को रोजगार चाहिए. वहीं देश में विकास तेजी से हो रहा है, लेकिन उतनी ही तेजी से रोजगार के मौके नहीं बढ़ पा रहे हैं. पिछले 50 सालों से जो आंकड़े इकट्ठे किए गए हैं, वे साफ बताते हैं कि जितनी तेजी से देश की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है. अगर इस समस्या को नजरअंदाज किया गया तो आगे आने वाले समय में बहुत बड़ी परेशानी खड़ी हो सकती है.

आंकड़ों की बात करें तो भारत में बेरोजगारी फिर से बढ़ती जा रही है. इसी साल मई में जहां बेरोजगारी दर सात प्रतिशत थी, वहीं जून में ये बढ़कर 9.2% हो गई. एक निजी संस्था (सीएमआईई) की ओर से जारी ताजा आंकड़ों ने चिंता बढ़ा दी है. सीएमआईई के अनुसार, जून 2024 में भारत की बेरोजगारी दर बढ़कर 9.2% हो गई है. मई 2024 में ये दर 7% थी. ये बढ़ोतरी शहरों और गांवों दोनों जगह देखने को मिली है. गांव में बेरोजगारी की दर मई में 6.3% से बढ़कर जून में 9.3% हो गई है. वहीं शहरों में यह दर 8.6% से बढ़कर 8.9% हो गई है.

दिलचस्प बात यह है कि बेरोजगारी दर बढ़ने के साथ ही रोजगार ढूंढने वालों की संख्या भी बढ़ी है. जून में यह दर 41.4% हो गई, जो मई में 40.8% थी. हालांकि रोजगार पाने वालों का अनुपात कम हुआ है. जून 2024 में ये दर घटकर 37.6% हो गई, जो मई में 38% थी. सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि महिलाओं में बेरोजगारी बहुत ज्यादा बढ़ गई है. सीएमआईई के सर्वेक्षण से पता चलता है कि जून 2024 में 18.5% महिलाएं बेरोजगार थीं, जो कि पिछले साल के मुकाबले 3.4% ज्यादा है. वहीं पुरुषों में भी बेरोजगारी थोड़ी बढ़ी है. पिछले साल जून 2023 में 7.7% पुरुष बेरोजगार थे, जो इस साल बढ़कर 7.8% हो गए हैं.

साल 2023 में भारत में रहने वाले करीब एक तिहाई लोग शहरों में रहने लगे हैं. पिछले दस सालों में देखा जाए तो शहरों में रहने वाले लोगों की संख्या में करीब 4% का इजाफा हुआ है. यानी कि अब पहले से ज्यादा लोग गांव छोड़ कर शहरों में आकर बसने लगे हैं. पिछले दस सालों में भारत में शहरीकरण में करीब 4% की

बढ़ोतरी हुई है. इसका मतलब है कि अब ज्यादा से ज्यादा लोग खेती छोड़ कर सेवा क्षेत्र में काम करने लगे हैं. खेती आज भी भारत की अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ा रोल अदा करती है और आज भी देश में काम करने वाले लगभग आधे लोग खेती से जुड़े हुए हैं. मगर अब खेती का योगदान भारत की जीडीपी में पहले से कम हो गया है, वहीं दूसरी तरफ सेवा क्षेत्र का महत्व बढ़ गया है. भारत में रोजगार का बड़ा हिस्सा अनौपचारिक क्षेत्र में होता है, जिसमें कम वेतन, कम सुरक्षा और कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं होती है. आर्थिक विकास के बावजूद अनौपचारिक क्षेत्र में रोजगार का अनुपात कम नहीं हो रहा है. शहरों में बड़ी संख्या में लोग आते हैं, लेकिन सभी को रोजगार नहीं मिल पाता है.

कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में लगातार गिरावट हो रही है, जिस कारण ग्रामीण आबादी शहरों की ओर पलायन कर रही है. कई लोग बेहतर जीवन की तलाश में गांव से शहरों की ओर पलायन करते हैं. इस तरह शहरों में आबादी का बोझ बढ़ जाता है और रोजगार के अवसरों पर दबाव बढ़ जाता है. शहरीकरण और आर्थिक विकास भारत में रोजगार की कमी की समस्या का समाधान नहीं कर पा रहा है. इस समस्या का समाधान करने के लिए शिक्षा, कौशल विकास, बुनियादी ढांचे और औद्योगिकीकरण में निवेश करने की आवश्यकता है. देश में गांवों में रहने वाले गरीब लोगों के लिए मनरेगा योजना चलाई जा रही है. इस योजना के तहत लोगों को काम दिया जाता है, इससे उन्हें रोजगार मिलता है. लेकिन इस योजना में भी कई कमियां हैं. जैसा कि कानून में लिखा है कि अगर किसी को 15 दिन के अंदर काम नहीं मिलता है, तो उसे बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा, लेकिन ऐसा बहुत कम ही होता है. इसके अलावा मजदूरी के पैसे भी देर से मिलते हैं. सबसे बड़ी बात यह कि ज्यादातर लोगों को साल में 100 दिन से भी कम दिन काम मिल पाता है, जबकि कानून में 100 दिन का प्रावधान है. गांव में तो मनरेगा योजना के तहत लोगों को रोजगार दिया जाता है, लेकिन शहरों में ऐसी कोई बड़ी योजना नहीं है. कुछ राज्यों में छोटे स्तर पर ऐसी योजनाएं चल रही हैं, जबकि देशभर में एक बड़ी योजना की जरूरत है. इस बारे में एक प्रस्ताव भी आया है जिसका नाम है विकेंद्रित शहरी रोजगार और प्रशिक्षण योजना. इस योजना के तहत शहरों में पानी की सप्लाई, सफाई और दूसरे काम कराए जा सकते हैं.

बेरोजगारी की समस्या असल में काफी हद तक इस बात से भी जुड़ी है कि क्या लोग मौजूदा रोजगार के लिए काबिल हैं या नहीं. भारत में स्किल डेवलपमेंट और ट्रेनिंग पर इतना ध्यान नहीं दिया जाता, जिस कारण बहुत से लोगों के पास जरूरी हुनर नहीं है जो आज के कामों के लिए चाहिए. इसलिए अब युद्ध-स्तर पर एक बड़े पैमाने पर वोकेशनल यानी हुनर आधारित पढ़ाई शुरू करने की जरूरत है. साथ ही पढ़ाई के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को कंपनियों में इंटर्न के तौर पर काम करने का भी मौका देना होगा. इस तरह के कॉन्सेप्ट पर जर्मनी में बहुत अच्छा काम हुआ है. वहां की कंपनियां स्कूल से पढ़ाई पूरी करने वाले बच्चों को ट्रेनिंग देती हैं और बाद में उन्हें नौकरी पर रख लेती हैं. इससे कंपनियों को भी फायदा होता है और युवाओं को भी रोजगार मिल जाता है. अमेरिका में भी इसी तरह काम होता है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

• बोधि-वृक्ष

सुज़

मानसिक जड़ता

मानसिक जड़ता अज्ञानता की जननी है. जो व्यक्ति यह मान कर चलता है कि वह अंतिम सत्य है और उससे कभी भूल नहीं हो सकती, उसे यह समझने की आवश्यकता है कि कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं हो सकता. इसके बावजूद यदि कहीं से ज्ञान मिलता है तो उसे विवेक, सजगता बुद्धिमत्ता के साथ ग्रहण किया जाना आवश्यक होता है, ताकि वह ज्ञान सार्थक हो सके. उस ज्ञान का कोई अर्थ नहीं, जिसके साथ बुध्दि, विवेक, सजगता और सावधानी न हो.

हंसः श्वेतो बकः श्वेतो को भेदो बकहंसयोः.
नीरक्षीरविवेके तु हंसः हंसो बको बकः ॥

रामकृष्ण परमहंस ने अपने शिष्यों से वार्तालाप में एक बार बताया कि ईश्वर द्वारा बनायी गयी इस सृष्टि के कण-कण में परमेश्वर का वास है. अतः प्रत्येक जीव के लिए हमें अपने मन में आदर एवं प्रेम का भाव रखना चाहिए. एक शिष्य ने इस बात को मन में बैठा लिया. कुछ दिन बाद वह कहीं जा रहा था. उसने देखा कि सामने से एक हाथी आ रहा है. हाथी पर बैठा महावत चिल्ला रहा था- सामने से हट जाओ, हाथी पागल है. वह मेरे काबू में भी नहीं है. शिष्य ने यह बात सुनी, पर उसने सोचा कि गुरुजी ने कहा था कि सृष्टि के कण-कण में परमेश्वर का वास है. अतः इस हाथी में भी परमेश्वर होगा. फिर वह मुझे हानि कैसे पहुंचा सकता है? यह सोचकर उसने महावत की चेतावनी पर कोई ध्यान नहीं दिया. जब वह हाथी के निकट आया, तो परमेश्वर का रूप मानकर उसने हाथी को साष्टांग प्रणाम किया. इससे हाथी भड़क गया. उसने शिष्य को सूंड में लपेटा और दूर फेंक दिया. शिष्य को बहुत चोट आयी. वह कराहता हुआ रामकृष्ण परमहंस के पास आया और बोला- आपने जो बताया था, वह सच नहीं है. यदि मुझमें भी वही ईश्वर है, जो हाथी में है, तो उसने मुझे फेंक क्यों दिया? परमहंस जी ने हंस कर पूछा- क्या हाथी अकेला था? शिष्य ने कहा- नहीं, उस पर महावत बैठा चिल्ला रहा था कि हाथी पागल है. उसके पास मत आओ. इस पर परमहंस जी ने कहा- पगले, हाथी परमेश्वर का रूप था, तो उस पर बैठा महावत भी तो उसी का रूप था. तुमने महावत रूपी परमेश्वर की बात नहीं मानी, इसलिए तुम्हें हानि उठानी पड़ी. कथा का अभिप्राय यह है कि प्रत्येक धारणा को, उसमें निहित विचार को विवेक बुद्धि से ग्रहण करना चाहिए. भक्ति या आदर भाव से ज्यों का त्यों पकड़ना, सरलता नहीं, मूढ़ता है. बेशक! विचार-विलास भरी वक्रता न हो, स्थितप्रज्ञ सम जड़ता भी किसी काम की नहीं है.

संवैधानिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्धता अनिवार्य

पता नहीं देश में कितने लोग यह जानते-समझते हैं कि विभाजन विभीषिका का दिवस क्या है, पर यह बात अपने आप में दिलासा देने वाली है कि आज़ादी पाने और देश के विभाजन के 77 साल बाद हम उस विभाजन की विभीषिका को याद कर रहे हैं. उसी तरह अब हमारी सरकार ने एक और दिन को याद रखने का उपक्रम किया है– 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल लागू करके हमारे जनतंत्र के इतिहास में एक काला अध्याय जोड़ा गया था. कारण कुछ भी बताये गये हों, पर देश को बहुत जल्दी ही यह अहसास हो गया था कि उस आपातकाल की घोषणा उन सारे मूल्यों को नकारने वाली थी, जिनके आधार पर हमारे संविधान-निर्माताओं ने हमें एक जनतांत्रिक संविधान दिया था. हालांकि दो साल बाद यह आपातकाल उठा लिया गया था और एक बार फिर देश खुली हवा में सांस लेने लगा था, लेकिन यह ज़रूरी है कि उस दिन को भूला न जाये जिस दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री ने शासन के सारे अधिकार अपने हाथ में लेकर एक तानाशाही व्यवस्था को देश के ऊपर लाद दिया था. न भूलने का कारण यह है कि हम इस बात के प्रति जागरूक रहें कि फिर कोई शासक तानाशाही को लादने की कोशिश न करे. बहरहाल, तब आपातकाल लागू करके देश के लाखों लोगों को जेल में डालने वाली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी भूल स्वीकारते हुए आपातकाल को हटाकर देश में फिर से चुनाव कराये थे. उन्होंने अपनी इस ग़लती के लिए खेद भी जताया था. बाद में कांग्रेस सरकार के एक प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी उस कुकृत्य के लिए देश से क्षमा मांगी थी. कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने भी इस क्षमा को दुहराया था और अब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी अपनी दादी द्वारा उठाये गये उस कदम को 'बिल्कुल ग़लत' बताया है. इस सब को याद करने का अर्थ यह है कि अब उस आपातकाल के लिए किसी को दोषी ठहराकर राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास करना बेमानी है. कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं समेत हर भारतीय को अब इस बात के लिए जागरूक रहना है कि फिर कभी ऐसी स्थितियां न बन सकें, फिर कोई शासक दुस्साहस न करे कि आपातकाल जैसा कुछ हमारे जनतांत्रिक देश में सिर उठा सके. इसके लिए ज़रूरी है आपातकाल को याद रखा जाये. इसीलिए हर 25 जून को देश के जागरूक नागरिक आपातकाल को याद करते हैं. यही तर्क विभाजन की विभीषिका को याद करने के संदर्भ में भी लागू किया जा सकता है. याद रखा जाना चाहिए उस विभीषिका को याद रखने का मतलब यह है कि हम उन स्थितियों के प्रति सावधान रहें, जिनके चलते देश ने विभाजन की विभीषिका को सहा था. हमारी सरकार ने इसी उद्देश्य से स्वतंत्रता दिवस अर्थात् 15 अगस्त से एक दिन पहले विभाजन विभीषिका का दिवस मनाने की घोषणा कर दी थी. अब यदि इसमें सत्तारूढ़ दल के राजनीतिक स्वार्थों की गंध आती है तो उसे भी बेबुनियाद नहीं कहा जा सकता. 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस मनाने का मतलब ही यह है कि हम अपनी गुलामी से जुड़ी यादों को ताज़ा करके संकल्पित हों कि अब हमारा देश कभी गुलाम नहीं बनेगा, हम उन ताकतों को सिर नहीं उठाने देंगे जो धर्म और जाति के नाम पर देश को, समाज को, बांटने की नापाक कोशिश करेंगी. अब हमारी सरकार ने एक और दिवस मनाने की घोषणा कर दी है. राजपत्र में बाकायदा कहा गया है कि जिस दिन आपातकाल घोषित किया गया था यानी 25 जून को देश के संविधान की हत्या दिवस रूप में मनायेगा. यह सही है कि 25 जून, 1975 को देश में आपातकाल लागू करके संविधान के आधार पर चोट की गयी थी, पर यह भी सही है कि दो साल बाद ही, यानी 1977 में जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में देश ने ऐसी व्यवस्था को देश में फिर से लागू कर दिया था. जिसमें कोई शासक आपातकाल जैसी कार्रवाई न कर सके. आवश्यकता इस तथ्य को रेखांकित करने की है कि हमारे देश में वह ताकत है जो आपातकाल जैसी स्थितियों को बदल सकती है. इसके लिए संविधान की हत्या जैसे अध्याय को नहीं, संविधान की रक्षा कर पाने के अध्याय को याद रखना ज़रूरी है. हाल ही में हुए आम चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'इंडिया' गठबंधन ने संविधान की रक्षा का मुद्दा उठाया था. आरोप यह था कि भारतीय जनता पार्टी हमारे संविधान के बुनियादी मुद्दों को बदलना चाहती है. चुनाव परिणाम बताते हैं कि मतदाता को इस आरोप में कुछ सचाई लगी और उसने अपने वोट की ताकत से यह स्पष्ट कर दिया कि जनतांत्रिक मूल्यों में इस देश की निष्ठा बहुत गहरी है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> **बहरहाल, तब आपातकाल लागू करके देश के लाखों लोगों को जेल में डालने वाली प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी भूल स्वीकारते हुए आपातकाल को हटाकर देश में फिर से चुनाव कराये थे. उन्होंने अपनी इस ग़लती के लिए खेद भी जताया था. बाद में कांग्रेस सरकार के एक प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी उस कुकृत्य के लिए देश से क्षमा मांगी थी.**

• सियासत

विश्वनाथ सचदेव

संविधान बचाने के नाम पर की जा रही सियासत

इससे मुखर विडंबना दूसरी नहीं होगी. जिस दिन अखबारों की सुर्खियों में मोदी सरकार के इसके फैसले की खबर छपी कि अब हर साल 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाया जाएगा, उसी दिन के अखबारों में एक और बड़ी सुर्खी दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा कथित शराब घोटाले से जुड़े ईडी द्वारा बनाए गए धनशोधन मामले में, अंतरिम जमानत दिए जाने की थी. इसके साथ, उसी दिन के अखबारों में छपी एक और खबर को भी जोड़ लें जो बताती थी कि कथित शराब घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में, जिसकी जांच सीबीआई कर रही है, अरविंद केजरीवाल की ही न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी गई थी. सरल शब्दों में कहें तो बाद वाली दो खबरों का संयुक्त रूप से अर्थ यह था कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा तथाकथित शराब घोटाले के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री के खिलाफ साक्ष्यों को प्रथम दृष्टया नाकाफी करार देकर, उन्हें जमानत दे दिए जाने के बावजूद, मोदी सरकार ने इसका पुख्ता बंदोबस्त कर रखा था कि वह जेल से बाहर नहीं निकल पाएं. और नरेंद्र मोदी की ही तरह, अपने स्तर पर जनता द्वारा लगातार तीन बार चुने गए एक शीर्ष कार्यपालिका अधिकारी के साथ इस तरह का तानाशाहीपूर्ण सलूक करने वाली सरकार का ही फैसला है कि "अब हर साल 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाया जाएगा!" वाकई, इससे मुखर विडंबना दूसरी मुश्किल से ही मिलेगी. इमरजेंसी के पचास साल हो रहे थे. इस सबके बावजूद, मोदी सरकार को जब उसके हिसाब से इमरजेंसी के पचास साल हो रहे थे, उस मौके पर भी 'संविधान हत्या दिवस' मनाने की बात नहीं सूझी. और इस आइडिया के आने में ढाई हफ्ते और निकल गए. दूसरी बात यह कि क्या यह विचित्र नहीं है कि इमरजेंसी में ज्यादतियां आदि सहने वालों तथा कुर्बानियां देने वालों को 'श्रद्धांजलि' अर्पित करने के लिए 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का ख्याल मोदी निजाम को दो कार्यकाल पूरे होने के बाद ही आया है. वैसे, संघ-भाजपा के मामले में यह अचरज की बात हर्गिज नहीं है कि जिन चीजों को वे राजनीतिक रूप से भुनाना चाहते हैं, उन्हें लेकर उनकी पीड़ा सामान्य मानवीय प्रकृति से उल्टी ही चलती है. यानी जहां सामान्यतः वक्त जैसे-जैसे गुजरता है, मानवीय पीड़ा घटती जाती है, उनकी गढ़ी हुई पीड़ा बढ़ती ही जाती है. इसलिए, हैरानी की बात नहीं है कि जहां दस साल पहले मोदी राज को इमरजेंसी की चुभन इतनी महसूस नहीं होती थी कि इसका रेचन करने के लिए अलग से एक राष्ट्रीय दिवस मनाना शुरू किया जाता, दस साल गुजरने के बाद उसे 'संविधान हत्या दिवस' मनाना अत्यंत आवश्यक लग रहा है. याद रहे कि ऐसा ही 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाए जाने के फैसले के मामले में भी हुआ था. यह दिवस मनाने की जरूरत का एहसास भी मोदी सरकार को सात साल राज करने के बाद ही कहीं जाकर हुआ था. हैरानी की बात नहीं है कि अनेक पैनी नजर रखने वाले राजनीतिक प्रेक्षकों से यह छुपा नहीं रहा है कि 'संविधान हत्या दिवस' मनाने के इस ऐलान का और ठीक इस समय पर इस ऐलान का, जबकि इस साल की इमरजेंसी की सालगिरह निकल चुकी है और अगले साल की वही सालगिरह पूरे साढ़े ग्यारह महीने दूर है, इमरजेंसी राज की तानाशाही, ज्यादतियों आदि के विरोध से कुछ खास लेना-देना नहीं है. उल्टे उसका ज्यादा लेना-देना, खुद मोदी राज की ही इसकी आलोचनाओं से है कि वह बिना ऐलान किए, जनतंत्र को समेट कर, देश पर ज्यादा से ज्यादा तानाशाही थोप रहा है. पिछले ही दिनों हुए आम चुनावों में विपक्ष ने सत्ताधारी निजाम की अपनी आलोचनाओं के एक केंद्रीय मुद्दे के तौर पर इस सवाल को उठाया था. और चुनाव प्रचार के दौरान, जब भाजपा के कम से कम चार उम्मीदवारों के 'संविधान बदलने' के इरादे जताने और वास्तव में 'अब की बार चार सौ पार' के नारे को इन इरादों के साथ जोड़ने के बाद, जब विपक्ष ने संघ-भाजपा के संविधान बदलने पर आमादा होने का मुद्दा उठाया और संविधान की हिफाजत करने का संकल्प जताया, तो जैसा कि अब सभी स्वीकार करते हैं, उसका मतदाताओं के बीच और सबसे बढ़कर सामाजिक रूप से वंचितों के बीच, जबर्दस्त असर हुआ. जाहिर है कि मोदी राज, 'संविधान हत्या दिवस' के बहाने आम तौर पर विपक्ष और खासतौर पर कांग्रेस को निशाना बनाकर, अपने संविधान को बदलना चाह रहे होने की इसी छाप को मिटाने की कोशिश कर रहा है. जाहिर है कि मोदी निजाम को इस सच्चाई को नहीं, सिर्फ और सिर्फ अपने संविधान और जनतंत्रविरोधी होने की छवि को ही बदलना है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> **वाकई, इससे मुखर विडंबना दूसरी मुश्किल से ही मिलेगी. इमरजेंसी के पचास साल हो रहे थे. इस सबके बावजूद, मोदी सरकार को जब उसके हिसाब से इमरजेंसी के पचास साल हो रहे थे, उस मौके पर भी 'संविधान हत्या दिवस' मनाने की बात नहीं सूझी. और इस आइडिया के आने में ढाई हफ्ते और निकल गए.**

• सामयिकी

राजेंद्र शर्मा

मीडिया में अन्यत्र

महाराष्ट्र के नए कानून से उठे विवाद

वामपंथी उग्रवाद से जुड़े संगठनों की गैरकानूनी गतिविधियों से निपटने के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा पेश विधेयक अनावश्यक है और शायद असंवैधानिक भी. जब उग्रवाद से निपटने के लिए मौजूदा कानून पर्याप्त लगते हैं और राज्य में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित इलाका सीमित है, तब इस तरह के प्रस्ताव की एकमात्र वजह हाशिए के लोगों के हित में खड़े वकीलों, सरकार से असहमत लोगों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं पर दमनात्मक कार्रवाई की परोक्ष मंशा हो सकती है. यह विधेयक संविधान के प्रावधानों के साथ टकरा सकता है, क्योंकि इसमें अतिव्यापक पद (टर्म) शामिल हैं, जिसके दायरे में ऐसे व्यक्ति व संगठन भी आ सकते हैं, जो लोक व्यवस्था के लिए कोई खतरा पेश नहीं करते.

प्रस्तावित कानून के केंद्र में संदेहास्पद पद 'अर्बन नक्सल' प्रतीत होता है, हालांकि महाराष्ट्र विशेष लोक सुरक्षा विधेयक, 2024 में ठीक इसी पदबंध का जिक्र नहीं है. विधेयक के उद्देश्यों और कारणों की घोषणा में शहरों में माओवादी नेटवर्क के 'सुरक्षित पनाहगाहों' और 'शहरी मांदों' की चर्चा की गयी है. यह विधेयक दावा करती है कि मौजूदा कानून अपर्याप्त हैं और विशेष कानून के अभाव में नक्सलियों के मुखौटा संगठन सक्रिय हैं. यह देखते हुए कि राज्य विधेयक के कई प्रावधान केंद्रीय कानून, गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम, में पहले से मौजूद हैं, उसका दावा वास्तव में अजीब है. संगठनों को गैरकानूनी घोषित करने की अनुमति देने वाले और ऐसे संगठनों का सदस्य होने या उनकी बैठकों में किसी तरह का सहयोग करने या भागीदारी करने को अपराध बनाने वाले सबसे गंभीर प्रावधानों को बहुत व्यापक अर्थ वाले शब्दों में लिखा गया है. मसलन, व्यक्तियों का कोई भी समूह या निकाय संगठन हो सकता है, चाहे वह किसी नाम या पंजीकरण से जाना जाता हो या नहीं. 'गैरकानूनी गतिविधि' में सिर्फ वे शब्द या कार्रवाइयां शामिल नहीं है, जो लोक व्यवस्था को खतरे में डालते हैं, बल्कि वो सभी चीजें शामिल हैं, जो कानून के प्रवर्तन या उसकी संस्थाओं व कार्मिकों के काम में बाधा डालती हैं. इस तरह, कोई भी संगठित विरोध इसके दायरे में आ सकता है. इसमें सिर्फ हिंसा को बढ़ावा देना और आग्नेयास्त्रों या विस्फोटकों का इस्तेमाल करना शामिल नहीं है, बल्कि "स्थापित कानून और उसकी संस्थाओं के प्रति अवज्ञा को प्रोत्साहित करना या हिमायत करना" भी शामिल है. इसकी व्याख्या इस तरह की जा सकती है कि इसमें पुलिस ज्यादती, हिरासत में हिंसा या न्याय की हत्या के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन या महज निंदा भी लपेटे में आ जाएं. कोई गैरकानूनी गतिविधि करने पर सात साल तक की जेल हो सकती है, यहां तक कि जो गैरकानूनी संगठन का सदस्य नहीं है, उसे इसकी खातिर सहायता मांगने के आरोप में दो साल या संगठन की बैठक को प्रचारित करने के लिए तीन साल की जेल हो सकती है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

उत्साह/ उमंग/उल्लास

प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत जी की कविताएं साहित्यप्रेमियों द्वारा बड़े उत्साह से पढ़ी जाती हैं. दिनकर जी की कविताएं पाठकों के मन में उमंग भर देती हैं. पर्व-त्योहारों में उल्लास बढ़ ही जाता है. उत्साह, उमंग, उल्लास-ये तीनों शब्द संस्कृत मूल के तत्सम शबद हैं. उत्साह और जहां संज्ञा पुल्लिंग है, वहीं उमंग संज्ञा स्त्रीलिंग. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार उत्साह का मतलब है उमंग, जोश, उछाह, हौसला, साहस, हिम्मत, दृढ़ संकल्प, मन की वह वृत्ति जिसमें व्यक्ति प्रसन्नचित्त और किसी कार्य के लिए तत्पर होता है, क्षमता, योग्यता. इसी प्रकार उल्लास का मतलब है हर्ष, प्रसन्नता, आनंद, प्रकाश, झलक, चमक, ग्रंथ का अध्याय, पर्व या प्रकरण, रोमांच, पुलक, अलंकार, जिसमें एक के गुण-दोषों से दूसरे के गुण-दोषों को बताया जाता है. मन में होनेवाला आनंद और उत्साह को ही कहते उमंग कहते हैं. उमंग का अर्थ है उल्लास, चित्त का उभार, जोश, उल्लासपूर्ण आकांक्षा और सुखदायक मनोवेग को कहा जाता है. इस प्रकार शब्दकोशों में इन तीनों शब्दों को एक दूसरे का पर्यायवाची बताया गया है, लेकिन प्रयोग में इन तीनों में अंतर साफ-साफ दिखता है. उत्साह एक उच्च ऊर्जा स्तर का भाव है, जो हमारे अंदर सक्रिय होता है. यह एक अधिक सक्रिय भावना होती है, जो हमें कुछ बात को लेकर उत्सुक बनाती है. उत्साह हमें कुछ नया करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है. उमंग एक सुखद भावना है जो हमें कुछ चीज को प्राप्त करने के लिए उत्तेजित करती है. उमंग वह भावना होती है जो हमें खुशी देती है और हमें चीजों को प्राप्त करने में मदद करती है. उत्साह से साहस बढ़ता है, उमंग से कामनाएं बढ़ती हैं और उल्लास से आनंद बढता है. उत्साह और उमंग दोनों ही भावनाएं हैं और व्यक्ति के आंतरिक स्थिति को दर्शाती हैं. उत्साह उदार और अथक उत्कर्ष की भावना है, जो व्यक्ति को उत्सुकता और प्रबोधन में ले जाती है.

मन लागो मेरा यार मोबाइल में!

लोग बताते हैं कि इस धरा-धाम पर उसका अवतरण मोबाइल धारण किये हुए ही हुआ था. इसी कारण उसकी सुबह 'ऊं मोबाइलाय नमः' के जाप से शुरू होती और रात में वह 'गुडनाइट माय डियर मोबाइल' कहने के बाद ही बिस्तर पर जाता. कभी मोबाइल के बिगड़ जाने पर वह इतना दुःखी होता है, जितना अपने छोटे बच्चे के बीमार हो जाने पर या अपने पिताजी के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने पर भी नहीं होता. कभी नेटवर्क प्राब्लम के कारण यदि उसकी किसी से बात नहीं हो पाती तो वह पंख कटी मुर्गी की तरह फड़फड़ाने लगता. दिन में व्यस्त सड़क पर चलते समय उसकी नजर हमेशा रास्ते से ज्यादा मोबाइल के स्क्रीन पर होती है. और ऊंगलियां बटनों से अठखेलियां करती रहती है. बाइक या चार पहिया चलाते समय उसका यह उत्साह कई गुणा बढ़ जाता है. जिन्दगी को भगवान भरोसे छोड़कर वह पूरा ध्यान हर पल अपने मोबाइल पर देता था. वह पुनर्जन्म के सिद्धांत को मानने वाला आदमी है, उसका कहना है कि जिन्दगी दोबारा मिल सकती है पर मोबाइल? मो

सावन विशेष

प्रकृति के विविध रूपों में शिव ही मुस्कुराते हैं, प्रेम का बीज रोपते हैं, बूंदों की बौछार करते हैं और सृजन का आधार बनाते हैं. यह सावन सृजन का माह है, और सृजन के लिए प्रेम तथा पवित्रता का भाव जरूरी है.

शिव संग सावन

मूल्यों की तलाश के लिए जीवन में शिव तत्व की खोज जरूरी है. शिव सर्वदा तपस्या, ध्यान और चिंतन के पथ का अनुसरण करते हैं. इससे उनको शक्ति और ऊर्जा प्राप्त होती है. इस शक्ति के कारण ही वह अभय होते हैं और ऊर्जा के कारण प्रभुत्व की कामना नहीं रहती है. ऊर्जा का विस्तार ही शिव को असीम और अनंत बनाता है. अपने भीतर ऊर्जा के विस्तार के कारण शिव नृत्य करते हैं. और खुद के अंदर प्रकृति के विभिन्न शक्ति रूपों को देखकर प्रसन्न होते हैं. भगवान शिव को सावन बहुत प्रिय हैं क्योंकि प्रकृति अपने संपूर्ण रस और रंगों के साथ अठखेलियां करती है. सावन एक अवसर देता है कि हम अपने अंदर कार्य कर रही प्रकृति की शक्तियों को जान लें. हम खाते हैं, पढ़ते हैं और विकसित होते हैं. यह प्रकृति है. हम प्राकृतिक शक्तियों के अधीन हैं. वह हमें बाध्य करती है, लेकिन जब हम आध्यात्मिक रूप से जाग जाते हैं, तो प्रकृति के इन कार्यों को नियंत्रित और रूपांतरित कर सकते हैं. नियंत्रण और रूपांतरण के लिए शक्ति चाहिए. ऊर्जा की जरूरत होगी. यह तप, ध्यान और चिंतन से ही प्राप्त होगा. और सावन इसके लिए अनुकूल मास है. माता पार्वती ने तप और ध्यान से शिव को पाया, तो मनुष्य भी दिव्य प्रकृति और उसके परम सत्य को जानने का अधिकारी हैं. सावन हमें उस परम सत्य को जानने के लिए आध्यात्मिक स्वतंत्रता का संदेश देता है.

डॉ मयंक मुरारी

खास है श्रावण सोमवार

शिव का प्रिय महीना सावन है. श्रावण मास में पूर्णिमा के दिन चंद्रमा श्रावण नक्षत्र में होता है, इसलिए इस माह का नाम श्रावण है. इस माह में प्रत्येक सोमवार को श्रावण सोमवार कहते हैं. इस दिन विशेष रूप से शिवलिंग पर जल चढ़ाया जाता है. भारतीय परंपरा में कहा गया है कि श्रावण मास में ही समुद्र मंथन से 14 रत्न प्राप्त हुए थे जिसमें एक था हलाहल विष, इस विष को शिवजी ने अपने गले में स्थापित कर लिया था जिससे उनका नाम नीलकंठ पड़ा. विष के जलन को रोकने के लिए सभी देवताओं ने उनपर गंगा जल डाला. तभी से श्रावण मास में श्रद्धालु (कांवड़िए) तीर्थ स्थल से गंगाजल लाकर शिवजी पर चढ़ाते हैं. चतुर्मास के चार महीने भगवान विष्णु योगनिद्रा में रहते हैं. इसलिए सभी संत एवं ऋषि-मुनि इस समय में व्रत का पालन करते हैं.

बदलाव शिव है

सावन में शिव की हरेक खूबियां हैं. सावन भी महादेव की तरह गरमी से तपती धरती को बूंदों की बारिश से तृप्त करता है. जीव-जंतु और प्रकृति के लिए सृजन का काल है. जीवन में शिव की प्राप्ति के लिए यह माह सबसे उत्तम है. सावन का स्वागत करना है तो अपने अंदर से ईष्या, द्वेष, भय, क्रोध और अहंकार को मिटाना होगा. इसके लिए हृदय को निर्मल और पवित्र बनाना होगा. जब हमारे आचरण में सरलता, आनंद, पवित्रता और प्रेम का गुण होगा, तभी प्रकृति में स्थित शिव को देख पायेंगे. सावन रस का माह है. रसीले फलों के साथ बारिश की फुआर तन-मन की तरावट को संतुष्ट करती है. यह अगर दिल तक नहीं पहुंच पा रही है, तो इसका तात्पर्य है कि हम शिव तत्व से दूर हैं. ऐसे में इस महीने को यूं ही नहीं जाने देना चाहिए. इसके साथ खुद बदलें. बदलाव प्रकृति की विशेषता है. बदलाव शिव है. सावन कहता है शिव को देखो, जो आशा और जीवन के प्रतीक है. सावन अगर भीतर आया, हरियाली को जब हम स्पर्श करेंगे, तो जीवन में रस आयेगा. प्रकृति द्वारा सावन में रस का भरपूर बौछार हो रहा है. हमें उस रस का स्वाद लेना है.

यूं शिव मुस्कुराते हैं

रस के लिए प्रकृति को देखना अनिवार्य है. प्रकृति के विविध रूपों में शिव ही मुस्कुराते हैं, प्रेम का बीज रोपते हैं, बूंदों की बौछार करते हैं और सृजन का आधार बनाते हैं. यह सावन सृजन का माह है, और सृजन के लिए प्रेम तथा पवित्रता का भाव जरूरी है.

इसलिए जलाभिषेक की परिपाटी

इस माह में ही भगवान शिव ने समुद्र मंथन के पश्चात हलाहल विष को अपने कंठ में धारण किया था. विष के प्रभाव को कम करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव पर जलाभिषेक किया. इस कारण सावन में जलाभिषेक की परिपाटी है. सावन का हरेक सोमवार को भगवान शिव को अर्ध्य दिया जाता है तो मंगलवार को माता पार्वती की आराधना होती है. इसे मंगल गौरी व्रत कहा जाता है. साल का सबसे पवित्र माह सावन को माना जाता है, जिसका हरेक दिन व्रत और पर्व को समर्पित है. सावन मास में कृष्ण एकादशी कामिक एकादशी कहलाती है. श्रावणी अमावस्या को हरियाली अमावस्या कहा जाता है. नाग पंचमी श्रावण शुक्ल पंचमी को मनाया जाता है. सावन के शुक्ल पक्ष की एकादशी को पुत्रदा एकादशी कहा जाता है. रक्षाबंधन का पर्व सावन की पूर्णिमा को होता है. चूंकि शक्ति से ही शक्तिमान हैं. इस कारण शंकर की पूजा सावन के हरेक सोमवार को होने के कारण सावन के ही हरेक मंगलवार को गौरी व्रत का अनुष्ठान होता है. मंगलवार को होने के कारण इसे गौरी मंगलाव्रत कहा जाता है. शक्ति के साथ शिव कल्याणकारी हो, इसलिए सावन पूर्णतः शिव-शक्ति को समर्पित माह है.

देश के किसी भी तीर्थस्थल में शायद इस बात का रिकॉर्ड नहीं होता कि आप या आपके पूर्वज कब-कब बाबा नगरी पहुंचे और पूजा अर्चना की. बाबा नगरी देवघर में महज कुछ मिनटों में आपके पुरोहित बता देंगे कि दो-चार पीढ़ी पहले के भी आपके कौन पूर्वज यहां कब पहुंचे.

बाबा नगरी के अनोखे दस्तावेज और अनोखी परंपरा

देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में देश-विदेश से सालो भर श्रद्धालु बाबा का पूजा-अर्चना के लिए आते रहते हैं लेकिन यहां पहुचने वाले श्रद्धालुओ को शायद ही यह याद रहता है कि वे यहां कब-कब आये या उनके पूर्वज कब किस वर्ष पूजा करने देवघर आये थे. बावजूद इसके उनके और उनके पूर्वजों की यात्रा का पूरा विवरण और लेखा-जोखा यहां मौजूद रहता है और यह दस्तावेज कोई प्रशिक्षित सरकारी या प्रशासनिक पदाधिकारी द्वारा तैयार नहीं किया जाता है बल्कि अपने यजमानो का पूरा लेखा-जोखा बखूबी उनके पुरोहितो द्वारा संभाल कर रखा जाता है. यहां आने वाले श्रद्धालु को इससे काफी सुविधा होती है. अब समय के साथ यहां के तीर्थ पुरोहित लेखा-जोखा कंप्यूटर के माध्यम से सहेजने का मन बनाया है.

क्या है मामला

देवघर के बाबाधाम में सालो भर लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं और द्वादश ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना, जलार्पण करने के बाद अपने घर लौट जाते हैं. उन्हें अपनी तीर्थ यात्रा के दिन-तारीख की जानकारी शायद ही रह पाती है. लेकिन उनके यहां आगमन का संक्षिप्त विवरण उनके तीर्थ पुरोहितो द्वारा बही खाते में पूरी तरह संभाल कर रखा जाता है. यहां तक की उन्हें अपने पूर्वजों की पीढ़ी दर पीढ़ी की जानकारी भी इन्हीं तीर्थ पुरोहितों के दस्तावेज से मिलती है. इस पवित्र तीर्थ स्थल पर पूजा-अर्चना करने कई महान विभूतियां पहुंची हैं जिनका विवरण किसी सरकारी दस्तावेज में ढूंढ़ना शायद कठिन हो लेकिन इन सब का संक्षिप्त विवरण यहां के तीर्थ पुरोहितो के पास उपलब्ध मिलेगा जिसे वह कई सौ साल से संभाल कर रखे हुए हैं. यह परंपरा शायद ही किसी अन्य तीर्थ स्थलों में देखी जाती है. आने वाले समय में नष्ट हो रहे बही खातों को कंप्यूटर से सहेजने की तीर्थ पुरोहितों की पहल यहां की परंपरा को बरकरार रखने में एक कारगार कदम होगा.

शिव हो उतरब पार कओने विधि ना...

पुष्पा पाण्डेय

आषाढ़ शुक्ल एकादशी के दिन जब श्री हरि चार मास के लिये योग निद्रा में चले जाते हैं, तो उस समय सृष्टि की जिम्मेवारी शिव परिवार निभाता है. सावन महादेव के जिम्मे है, तो भादो कनिष्ठ पुत्र गजानन के जिम्मे. आश्विन मास को गृहलक्ष्मी भवानी ने सम्भाल रखा है और कार्तिक में तो पूरा चराचर ही हरि स्तुति में लगा रहता है.

नंदी पहुंचाती दिल की बात

महादेव अक्सर समाधि में रहते हैं. उस समय भक्तों की बात महादेव तक पहुंचाने की जिम्मेदारी नन्दी की रहती है, लेकिन सावन मास में भगवान शंकर स्वयं जागृत अवस्था में रहते हैं. भक्त और भगवान का आमना सामना होता है. भक्त अपनी भक्ति से भगवान को प्रसन्न कर अपनी मनोकामना पूरी कर सकता है. साक्षात दर्शन की इच्छा भी पूरी कर सकता है, यदि भक्ति निष्काम और निष्कपट हो तो.

इसलिए प्रिय सावन

भगवान शिव ने स्वयं एक बार नारद जी से कहा था कि मेरी दोनों आंखें सूर्य और चन्द्रमा है और बीच का नेत्र अग्नि. अग्नि भध्य में स्थित है. भगवान शिव को उष्ण अधिक लगती है. समुद्र मंथन से निकला विष लोक कल्याण हेतु ग्रहण करने से यह उष्ण और प्रज्जवलित हो गयी है. सावन में वर्षा अधिक होती है, इसीलिए सावन मास शिव को अधिक प्रिय है. शिव पूजन में अभिषेक को विशेष महत्व दिया गया है.

सती का तप मास

फिर उनकी प्रिया सती, जो पार्वती स्वरूप में हैं वो भी तो तपस्या की शुरूआत सावन में की थीं. कहीं-कहीं ये भी कहा गया है कि सावन में उनकी तपस्या सफल हुई थी. भगवान शिव की स्वीकृति सावन में ही मिली थी, तो भला शिव को सावन क्यों न प्रिय लगे.

वैसे,

हरि अनंत, हरि कथा अनन्ता...

इन दिनों कराएं रुद्राभिषेक, पूरी होंगी मनोकामनाएं

आचार्य अजय मिश्रा

कई धार्मिक ग्रंथों में रुद्राभिषेक की महिमा की चर्चा है. ऐसी मान्यता है कि भोलेनाथ के रुद्राभिषेक से भक्तों की 18 प्रकार की मनोकामनाएं पूरी होती हैं. अगर आपके करियर में कोई तनाव चल रहा है तो सावन में शिवजी का रुद्राभिषेक कराएं. करियर में विकास होगा और तनाव दूर होगा. इससे राहु और केतु के अशुभ प्रभाव भी कम होंगे. इसके अलावा कालसर्प दोष से भी मुक्ति मिलती है. रुद्राभिषेक अपने घर पर करवाने से आपके ऊपर से शनि के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और साथ ही कुंडली में चंद्रमी की स्थिति मजबूत होती है. पति-पत्नी यदि साथ में घर में भगवान शिव का रुद्राभिषेक करें तो उनके दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ती है और आपसी रिश्ते की डोर मजबूत होती है. साथ ही घर में रुद्राभिषेक करने से आपके घर सभी प्रकार की नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं.

कब कराएं रुद्राभिषेक

सावन माह के सोमवार, प्रदोष या शिवरात्रि कोई भी दिन हो सभी मान्य तिथियों में शिव का रुद्राभिषेक जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्ति दिलाता है और मोक्ष के द्वार खोलता है. इस वर्ष सावन का

पहला सोमवार	22 जुलाई
दूसरा सोमवार	29 जुलाई
तीसरा सोमवार	5 अगस्त
चौथा सोमवार	12 अगस्त
पांचवां सोमवार	19 अगस्त
सावन शिवरात्रि	02 अगस्त
नागपंचमी	09 अगस्त...

ये सात दिन रुद्राभिषेक के लिए बहुत शुभ हैं.

रुद्राभिषेक से मिलने वाले फल

1. यदि शिवलिंग का अभिषेक घी की धारा से करें तो वंश बढ़ता है.
2. शिवलिंग पर गाय के दूध से अभिषेक करने से आरोग्य जीवन प्राप्त होता है.
3. शिवलिंग पर शक्कर मिले दूध से अभिषेक करने से व्यक्ति को ज्ञान प्राप्त होता है.
4. शिवलिंग पर भस्म अभिषेक करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है.
5. यदि आपको कोई पुराना रोग है तो शिवलिंग पर शहद से अभिषेक करने से वह समाप्त होती है.

पारद शिवलिंग

रुद्राभिषेक के लिए गृहस्थजन पारद शिवलिंग का उपयोग करें. गृहस्थों के लिए यह मनोकामना लिंग कही जाती है. इससे रुद्राभिषेक कराने पर समस्त रोगों, परेशानियों से राहत मिलती है. घर में लक्ष्मी का वास होता है.

मंदिर या घर ?

रुद्राभिषेक घर और शिव मंदिर दोनों में कराए जा सकते हैं. लेकिन मंदिर में यह अधिक लाभकारी है. दरअसल यहां भगवान जाग्रत रूप में होते हैं. इसलिए प्राण प्रतिष्ठा, आह्वाहन आदि की दरकार नहीं होती है.

भक्तों के फौजदारी मामले की सुनवाई करते हैं बाबा बासुकीनाथ

कुमार कृष्णन

तीर्थ नगरी देवघर स्थित द्वादश ज्योर्तिलिंग बाबा वैद्यनाथ और सुलतानगंज की उत्तर वाहिनी गंगा तट पर स्थित बाबा अजगैबीनाथ के साथ दुमका जिला में सुरम्य वातावरण में स्थित बाबा बासुकीनाथ धाम की गणना बिहार और झारखंड ही नहीं, वरन् राष्ट्र और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख शैव-स्थल के रूप में होती है. देवघर-दुमका मुख्य मार्ग पर स्थित इस पावन धाम में श्रावणी- मेला के दौरान केसरिया वस्त्रधारी कांवरिया तीर्थयात्रियों की खास चहल-पहल रहती है. ऐसी मान्यता है कि बासुकीनाथ की पूजा के बिना बाबा वैद्यनाथ की पूजा अधूरी है. यही कारण है कि भक्तगण बाबा वैद्यनाथ की पूजा के साथ साथ यहां आकर नागेश ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात बाबा बासुकीनाथ की अराधना करते हैं. सावन के महीने में तो हजारों लाखों भक्तगण सुलतानगंज-अजगैबीनाथ से उत्तरवाहिनी गंगा का पवित्र जल अपने कांवरों में भरते हैं. फिर एक सौ किलोमीटर से भी अधिक पहाड़ी जंगली रास्ते पैदल पारकर इसे देवघर में वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग पर चढ़ाते हैं. इसके बाद वे बासुकीनाथ आकर नागेश ज्योतिर्लिंग पर जल-अर्पण करते हैं. भगवान शिव औघड़दानी कहलाते हैं. भक्तों की भक्ति से प्रसन्न होकर तुरंत वरदान देनेवाले. तभी तो शिवभक्तों की नजरों में यहां भगवान शंकर की अदालत लगती है. शिव-भक्त मानते हैं कि जहां (वैद्यनाथ धाम) भगवान शंकर की दीवानी अदालत है, वही बासुकीनाथ धाम उनकी फौजदारी अदालत है. बाबा बासुकीनाथ के दरबार में मांगी गयी मुरादों की तुरंत सुनवाई होती है. यही कारण है कि साल के बारहों महीने यहां देश के कोने-कोने से भक्तों का आवागमन जारी रहता है.

यह है कथा

प्राचीन काल में बासुकीनाथ घने जंगलों से घिरा था. उन दिनों यह क्षेत्र दारूक-वन कहलाता था. पौराणिक कथा के अनुसार इसी दास्क-बन में द्वादश ज्योतिर्लिंग स्वरूप नागेश्वर ज्योतिर्लिंग का निवास था. शिव पुराण में वर्णित है कि दारूक-बन दारूक नाम के असुर के अधीन था. कहते हैं, इसी दारूक-बन के नाम पर संताल परगना प्रमंडल के मुख्यालय दुमका का नाम पड़ा है. बासुकीनाथ शिवलिंग के आविर्भाव की कथा अत्यंत निराली है. एक बार की बात है- बासु नाम का एक व्यक्ति कंद की खोज में भूमि खोद रहा था. उसके शस्त्र से शिवलिंग पर चोट पड़ी. बस क्या था- उससे रक्त की धार बह चली. बासु यह दृश्य देखकर भयभीत हो गया. उसी क्षण भगवान शंकर ने उसे आकाशवाणी के द्वारा धीरज दिया –"डरो मत, यहां मेरा निवास है." भगवान भोलेनाथ की वाणी सुन बासु श्रद्धा-भक्ति से अभिभूत हो गया और उसी समय से उस लिंग की मूर्ति-पूजन करने लगा. बासु द्वारा पूजित होने के कारण उनका नाम बासुकीनाथ पड़ गया. आज यहां भगवान भोले शंकर और माता पार्वती का विशाल मंदिर है. मुख्य मंदिर के बगल में शिव गंगा है जहां भक्तगण स्नान कर अपने आराध्य को बेल-पत्र, पुष्प और गंगाजल समर्पित करते हैं तथा अपने कष्ट क्लेशों को दूर करने की प्रार्थना करते हैं.

यह भी है मान्यता

यह माना जाता है कि वर्तमान दृश्य मंदिर की स्थापना 16वीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में हुई. हिंदुओं के कई ग्रंथों में सागर मंथन का वर्णन किया गया है, जब देवताओं और असुरों ने मिलकर सागर मंथन किया था. बासुकीनाथ मंदिर का इतिहास भी सागर मंथन से जुड़ा हुआ है. कहा जाता है कि सागर मंथन के दौरान पर्वत को मथने के लिए बासुकी नाग को माध्यम बनाया गया था. इन्हीं बासुकी नाग ने इस स्थान पर भगवान शिव की पूजा अर्चना की थी. यही कारण है कि यहां विराजमान भगवान शिव को बासुकीनाथ कहा जाता है.

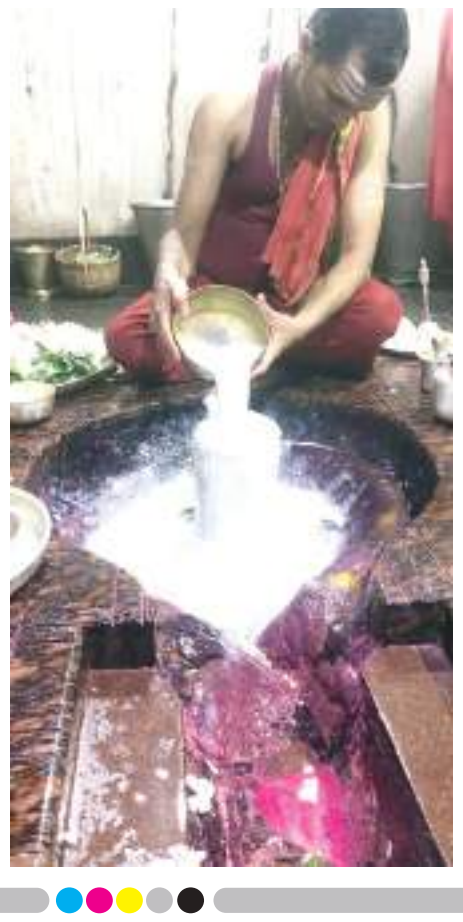

एक कहानी यह भी

कहा जाता है कि यह स्थान कभी एक हरे-भरे वन क्षेत्र से आच्छादित था जिसे दारुक वन कहा जाता था. कुछ समय के बाद यहां मनुष्य बस गए जो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दारुक वन पर निर्भर थे. ये मनुष्य कंदमूल की तलाश में वन क्षेत्र में आया करते थे. इसी क्रम में एक बार बासुकी नाम का एक व्यक्ति भी भोजन की तलाश में जंगल आया. उसने कंदमूल प्राप्त करने के लिए जमीन को खोदना शुरू किया. तभी अचानक एक स्थान से खून बहने लगा. बासुकी घबराकर वहां से जाने लगा तब आकाशवाणी हुई और बासुकी को यह आदेशित किया गया कि वह उस स्थान पर भगवान शिव की पूजा अर्चना प्रारंभ करे. बासुकी ने जमीन से प्रकट हुए भगवान शिव के प्रतीक शिवलिंग की पूजा अर्चना प्रारंभ कर दी, तब से यहां स्थित भगवान शिव बासुकीनाथ कहलाए.

अनुपम महाशृंगार

श्रावण मास में शिव पूजन के अलावा यहां की महाशृंगारी भी अनुपम है. वसुधैव कुटुम्बकम तथा सर्वे भवंतु सुखिनः जैसी उक्तियों को प्रतिपादित करने के लिए शिव की उपासना से बढ़कर अन्य कोई मार्ग नहीं हैं! और, शिव की उपासना की सर्वोत्तम विधि है – महाशृंगार का आयोजन! गंगाजल घी, दूध दही, बेलपत्र आदि शिव की प्रिय वस्तुओं को अर्पित कर उन्हें प्रसन्न करने का सबसे उत्तम उपाय. तभी तो साल के मांगलिक अवसरों पर भक्तगण बाबा बासुकीनाथ की महाशृंगार और महामस्तकाभिषेक का आयोजन करते हैं. महाशृंगार के दिन बासुकीनाथ की शिव-नगरी नयी-नवेली दुलहन की तरह सज उठती है-मानों स्वर्ग पृथ्वी पर उतर आया हो. लगता है दृदेव -लोक के सभी देवी— देवता पृथ्वी-लोक पर अवतरित हो गये हैं- भगवान भूतनाथ की रूप-सज्जा देखने के लिए. आए भी क्यों नहीं. देवों के देव महादेव की महाशृंगार जो है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ओलंपिक में भाग लेने पेरिस के खेल गांव पहुंची भारतीय टीम

हॉकी में 13वें पदक की आस...

एजेंसी। नयी दिल्ली

हॉकी भारत का राष्ट्रीय खेल है. ओलंपिक में सबसे अधिक पदक भारत ने हॉकी में ही जीते हैं. भारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में अबतक 12 पदक जीते हैं. 13वें पदक की आस में भारतीय पुरुष हॉकी टीम शनिवार की शाम ओलंपिक 2024 से पहले पेरिस पहुंच गई. हॉकी इंडिया और केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस खबर को साझा की. खेल मंत्री ने वीडियो भी शेयर किया है. भारतीय पुरुष हॉकी टीम 1980 के बाद पुरुष हॉकी का पहला स्वर्ण पदक जीतने उतरी है. केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने फैंस से टीम इंडिया का हौसला बढ़ाने की अपील की.

भारतीय टीम की नजरें गोल्ड मेडल पर : टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय टीम की नजर अपने पदक का रंग बदलकर स्वर्ण पर टिकी होगी. भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने पेरिस 2024 ओलंपिक अभियान की शुरुआत 27 जुलाई को करेगी. पूल-बी में उसका पहला मैच न्यूजीलैंड से है. इसके बाद 29 जुलाई को भारतीय टीम अर्जेंटीना से, 30 जुलाई को आयरलैंड से और एक अगस्त को बेल्जियम से भिड़ेगी. टीम इंडिया ग्रुप चरण का अपना अंतिम मैच दो अगस्त को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी. शीर्ष चार में रहने से भारत नॉकआउट चरण में पहुंच जाएगा.

खेल मंत्री ने वीडियो साझा किया, टीम को दी शुभकामनाएं

हॉकी टीम का बढ़ाएं हौसला : मंत्री

हॉकी इंडिया ने लिखा- भारतीय पुरुष हॉकी टीम अपने सपनों का उड़ान भरने ओलंपिक गांव पहुंची. ओलंपिक सपना अब शुरू होता है! वहीं, खेल मंत्री ने लिखा- हमारी शानदार हॉकी टीम ओलंपिक गांव में बाकी दल के साथ शामिल होने के लिए पेरिस पहुंची है. आइए उनका हौसला बढ़ाएं क्योंकि उनकी नजर पदक पर है. हमें आप पर विश्वास है टीम। शुभकामनाएं!

पेरिस ओलंपिक के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम

- **गोलकीपर :** पीआर श्रीजेश
- **डिफेंडर :** जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय
- **मिडफील्डर :** राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद
- **फॉरवर्ड :** अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, मनदीप सिंह, गुरजंत सिंह
- **रिजर्व :** नीलकांत शर्मा, जुगराज सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक,

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 12 पदक जीते

पेरिस ओलंपिक 2024 की शुरुआत 26 जुलाई से होगी और यह बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट 11 अगस्त को समाप्त होगा। भारत 2020 टोक्यो ओलंपिक के अपने सात पदकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ना चाहेगा, जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं. भारतीय पुरुष हॉकी टीम का ओलंपिक में शानदार इतिहास रहा है. टीम ने आठ स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक समेत 12 ओलंपिक पदक हासिल किए हैं. अब हरमनप्रीत की अगुआई वाली टीम का लक्ष्य तालिका में एक और पदक जोड़ना होगा.

पुरुष हॉकी टीम ने ओलंपिक में कब-कब पदक जीते

पदक	साल (मेजबान)
स्वर्ण	1928 एम्सटरडैम
स्वर्ण	1932 लॉस एंजिलस
स्वर्ण	1936 बर्लिन
स्वर्ण	1948 लंदन
स्वर्ण	1952 हेलसिंकी
स्वर्ण	1956 मेलबर्न
स्वर्ण	1964 टोक्यो
स्वर्ण	1980 मॉस्को
रजत	1960 रोम
कांस्य	1968 मेक्सिको सिटी
कांस्य	1972 म्यूनिख
कांस्य	2020 टोक्यो

चाहता हूं मेरी मां मुझे ओलंपिक में पदार्पण करते देखे : जरमनप्रीत

भाषा। नयी दिल्ली

जिंदगी सभी को दूसरा मौका नहीं देती लेकिन जरमनप्रीत सिंह को मिला और भारतीय हॉकी टीम के इस डिफेंडर की ख्वाहिश है कि तमाम उतार चढावों में उनका संबल बनी उनकी मां कुलविंदर कौर पेरिस में उन्हें ओलंपिक में पदार्पण करते देखे. विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी, एशियाई खेल जैसे बड़े टूर्नामेंटों का हिस्सा रहे 28 वर्ष जरमनप्रीत का यह पहला ओलंपिक है और इसमें अच्छा प्रदर्शन करके वह अतीत में मिले

जख्मों पर मरहम भी लगाना चाहते हैं. पंजाब के अमृतसर के रहने वाले जरमनप्रीत ने रवानगी से पहले भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा, मैं कोशिश कर रहा हूं कि अपनी मां को पेरिस ओलंपिक दिखा सकूं. उन्हें फख्र हो कि उनका बेटा सबसे बड़ा टूर्नामेंट खेल रहा है. उन्होंने कहा, मैं हर मैच से पहले मम्मी से बात करता हूं. उनको हॉकी के बारे में कुछ नहीं पता लेकिन मुझे कहती हैं कि ऐसे खेलना, वैसे खेलना. वह मेरी पहली कोच होती है. मैंने चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी देखने उनको बुलाया था. जरमनप्रीत को 2016 से 2018 के बीच डोपिंग मामले में दो साल का प्रतिबंध झेलना पड़ा था, लेकिन उससे उबरकर उन्होंने वापसी की और जूनियर विश्व कप खेलने का मौका चूकने के आठ साल बाद अब ओलंपिक खेलने जा रहे हैं.

कोच बार्टोनिट्ज ने नीरज की फिटनेस को लेकर किया खुलासा

नीरज चोपड़ा की 'एडक्टर' ठीक सुबह-शाम कर रहे कड़ी ट्रेनिंग

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा के जर्मन कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज ने उनकी फिटनेस को लेकर सभी चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि पिछले कुछ महीने से इस भाला फेंक एथलीट को परेशान करने वाली जांघ (एडक्टर) की चोट अब है और यह ओलंपिक चैंपियन पेरिस के लिए कड़ी तैयारियों में जुटा है. टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण जीतकर इतिहास रचने वाले 26 वर्षीय चोपड़ा 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक में शीर्ष पोडियम स्थान के लिए एक बार फिर देश की सर्वश्रेष्ठ दावेदार हैं. लेकिन फिटनेस देखी जाये तो उनका सत्र बिल्कुल सही नहीं रहा है. हालांकि बार्टोनिट्ज ने कहा कि अब चीजें पटरी पर आ गई हैं. उन्होंने कहा, सब कुछ योजना के अनुसार है. फिलहाल जांघ की चोट की कोई समस्या नहीं है, यह ठीक है. उम्मीद है कि सब ठीक रहेगा.

बार्टोनिट्ज करीब पांच साल से चोपड़ा से जुड़े हैं. उन्होंने तुर्किये के अंताल्या से एक विशेष साक्षात्कार में पीटीआई को बताया, ओलंपिक में अभी दो हफ्ते से अधिक समय बचा है, इसलिए ट्रेनिंग का स्तर बढ़ा दिया गया है. वह पूरा 'थ्रोइंग' सत्र कर रहे हैं. चोपड़ा ने 28 मई को एहतियातन ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक से हटने का फैसला किया था क्योंकि उन्हें जांघ में कुछ दर्द महसूस हुआ था. उन्होंने 18 जून को फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों में 85.97 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीतकर जोरदार वापसी की. पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा छह अगस्त को क्वालीफिकेशन दौर से शुरू होगी जब बार्टोनिट्ज से चोपड़ा की ट्रेनिंग कार्यक्रम के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, हम सुबह में स्प्रिंटिंग, जंपिंग या थ्रोइंग या वेटलिफ्टिंग के सत्र रखते हैं. सुबह और शाम दो सत्र होते हैं जिसमें प्रत्येक दो से ढाई घंटे तक का होता है.

एथलीट को लोकप्रियता के बारे में नहीं सोचना चाहिए

खेलों में लोकप्रियता, पैसा और क्रिकेट पर अपने विचार साझा करते हुए नीरज चोपड़ा ने कहा कि एक एथलीट को खेल को अपनाने से पहले लोकप्रियता, पैसा या अन्य चीजों के बारे में नहीं सोचना चाहिए. मुझे हमेशा से पता था कि क्रिकेट का स्तर अलग है और जो लोकप्रियता क्रिकेटर को मिलती है वो अन्य खेलों के किसी एथलीट को नहीं मिल सकती. लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मेरे पास क्रिकेट के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है. मैं हमेशा से भाला फेंक खिलाड़ी बनना चाहता था क्योंकि मैं इस पसंद करता था. मुझे नहीं पता था कि मैं ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतूंगा. उन्होंने कभी विराट और धोनी जैसे क्रिकेटरों के साथ तुलना नहीं की. ओलंपिक के बाद लोगों ने उन्हें जाना.

- नीरज पेरिस ओलंपिक में शीर्ष पोडियम स्थान के लिए प्रबल दावेदार

ब्रीफ खबरें

बीजू खेल पुरस्कार का नाम नहीं बदलेगा

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को घोषणा की कि राज्य सरकार के बीजू पटनायक खेल पुरस्कार का नाम नहीं बदला जाएगा. खेल और युवा सेवा विभाग ने शुक्रवार को इस वर्ष के पुरस्कार के लिए दिशानिर्देश जारी कर इसका नाम बदलकर 'राज्य क्रीड़ा सम्मान' कर दिया गया. सीएम ने कहा कि इस पुरस्कार का नाम बदलने के बारे में उन्हें प्रेस से ही पता चला. ऐसा नहीं होगा.

पेस, अमृतराज टेनिस हॉल ऑफ फेम में

न्यूपोर्ट (अमेरिका)। भारत के महान टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस और विजय अमृतराज को रविवार को 'टेनिस हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया. यह दोनों इस सूची में जगह पाने वाले एशिया के पहले दो खिलाड़ी बने. पेस की करियर की बड़ी उपलब्धि 1996 अटलांटा ओलंपिक खेलों के पुरुष एकल कांस्य पदक जीतना रहा है. पूर्व खिलाड़ी आठ पुरुष युगल और 10 मिश्रित युगल ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल की है.

कोरियाई कोच का 'एक्रिडिटेशन' विवाद भी है सुर्खियों में

पेरिस ओलंपिक में तीरंदाजी इवेंट में तीन पदकों की आशा

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय तीरंदाजी टीम के कोरियाई कोच बेक वूंग की को पेरिस खेलों के लिए 'एक्रिडिटेशन' देने से इनकार किए जाने के विवाद के बीच पूर्व ओलंपियन और खेल के लिए साई के हाई परफोरमेंस निदेशक संजीवा सिंह ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि छह सदस्यीय दल ओलंपिक से तीन पदक लेकर लौटेगा. भारतीय तीरंदाज सभी पांच वर्गों पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व, महिला व्यक्तिगत रिकर्व, पुरुष और महिला टीम और मिश्रित टीम में प्रतिस्पर्धा करेंगे. छह भारतीय धीरज बोम्मादेवरा, प्रवीण जाधव, तरुणदीप राय, दीपिका कुमारी, भजन कौर और अंकिता भक्त ने पेरिस 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है.

तीरंदाजी दल फ्रांस में ट्रेनिंग के बाद ओलंपिक खेल गांव में पहुंचने वाला पहला दल रहा. भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सोनीपत में तीरंदाजी के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में हाई परफोरमेंस निदेशक सिंह ने एक बयान में कहा, 2021 टोक्यो की तुलना में काफी वैज्ञानिक ट्रेनिंग से बेहतरीन ढंग से तैयारी की गई है, जिसमें मानसिक अनुकूलन का ध्यान रखा गया है. सबसे महत्वपूर्ण बात ओलंपिक प्रारूप के अनुरूप घरेलू टूर्नामेंट में बदलाव किया गया है. उन्होंने कहा, अगर हम मौजूदा फॉर्म और तीरंदाजों के प्रदर्शन के आधार पर देखें तो हम तीन पदक जीत सकते हैं जो पुरुष व्यक्तिगत, पुरुष टीम और मिश्रित टीम से मिल सकते हैं. इन तीनों में से एक तो निश्चित रूप से होगा ही। महिलाओं की स्पर्धा से अगर पदक मिलता है तो यह बोनस होगा, लेकिन टीम को एकजुट होकर अच्छा खेलना होगा. सिंह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जूनियर और सीनियर दोनों राष्ट्रीय टीम के साथ नियमित रूप से जाते हैं लेकिन पेरिस में टीम के साथ नहीं हैं. सिंह का यह बयान भारत के विदेशी कोच बेक वूंग को खेलों के लिए 'एक्रिडिटेशन' देने से इनकार किए जाने के ठीक एक दिन बाद आया है जिससे कोरियाई कोच काफी नाराज थे.

पेरिस के खेल गांव में भारतीय तीरंदाजी की टीम.

भारतीय खिलाड़ी स्क्वाश टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में

ह्यूस्टन (अमेरिका)। भारतीय लड़कों और लड़कियों ने यहां विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप की टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें उनका मुकाबला क्रमशः दक्षिण कोरिया और मलेशिया से होगा, जो उनसे रैंकिंग में ऊपर हैं. लड़कों ने प्रीक्वार्टर फाइनल में कनाडा को 2-0 से हराया और अब उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरिया से होगा. लड़कियों की टीम अपने अंतिम लीग मैच में हांगकांग से 1-2 से हार गयी, जिससे ग्रुप डी में दूसरे स्थान पर रहने पर अब उसका सामना तीसरी वरीयता प्राप्त मलेशिया से होगा. निरूपमा दुबे को हेलेन टैंग से 4-11, 10-12, 2-11 से हार मिली. अनाहत सिंह ने एना क्वॉंग को 11-8, 9-11, 11-5, 11-7 से शिकस्त दी, लेकिन शमीना रियाज को ह्यून लेउंग से 4-11, 9-11, 10-12 से पराजय झेलनी पड़ी. व्यक्तिगत कांस्य पदक जीतने वाले शौर्य बावा ने पांच गेम के मुकाबले में यूसुफ सरहान को 12-14, 9-11, 11-7, 11-3, 11-1 से हराया, जबकि अरिहंत केएस ने 15-13, 12-10, 8-11, 11-2 की प्रभावशाली जीत के साथ इवान हैरिस से व्यक्तिगत स्पर्धा में मिली हार का बदला लिया.

पेरिस ओलंपिक : सहयोगी स्टाफ में नींद और पोषण चिकित्सक भी

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक के दौरान खिलाड़ियों की भलाई को प्राथमिकता देते हुए काफी अधिक सहयोगी स्टाफ उनके साथ भेजा जा रहा है, जिससे 117 खिलाड़ियों के लिए कुल 140 सहयोगी स्टाफ सदस्यों में से 67 खेल गांव में एथलीटों के साथ रहेंगे. एथलीट केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाते हुए सहायक स्टाफ के चयन के लिए एक व्यापक और विधिपूर्ण तंत्र अपनाया गया है. सभी सहायक स्टाफ सदस्य एथलीटों को समग्र समर्थन देने के लिए भेजे जा रहे हैं. अतिरिक्त सहयोगी स्टाफ सदस्य एथलीटों से चर्चा और उनकी जरूरतों के आधार पर चुने गए हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों को अच्छी नींद लेने की सलाह दी थी, जिससे इस बार सहयोगी स्टाफ में पोषण विशेषज्ञ के साथ नींद चिकित्सक भी शामिल है. यहां मिली जानकारी के अनुसार, 140 सहयोगी स्टाफ सदस्यों में से 67 खेल गांव में खिलाड़ियों के साथ रहेंगे जिसमें कोच, टीम डॉक्टर, रिकवरी विशेषज्ञ, खेल वैज्ञानिक और फिजियो शामिल हैं. कोचों, डॉक्टरों, फिजियोथेरेपिस्टों आदि के अलावा, इस बार भारत की ओर से पोषण विशेषज्ञ, नींद चिकित्सक और यहां तक कि स्पारिंग पार्टनर भी भेजे जा रहे हैं. इसके मुताबिक, अन्य सदस्य खेल गांव के बाहर ठहराए जाएंगे और इनमें अतिरिक्त कोच, स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग विशेषज्ञ, ट्रेनर, स्पारिंग जोड़ीदार और मानसिक कंडीशनिंग कोच शामिल हैं. इससे एथलीटों को आसानी से उनकी मदद मिल सकेगी, भले ही वे भारतीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 33 प्रतिशत सहायक स्टाफ की सीमा के कारण खेल गांव में नहीं रह पाएं.

खास बातें

- भारत के 117 खिलाड़ियों का दल पेरिस ओलंपिक जा रहा
- खिलाड़ियों सहित कुल 140 सदस्यों का दल जाएगा

युकी भांबरी ने स्विस ओपन में खिताब जीता

गस्टाड (स्विटजरलैंड)। भारत के युकी भांबरी और फ्रांस के उनके जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेट ने रविवार को यहां तीन सेट तक चले फाइनल में उगो हम्बर्ट और फैब्रिस मार्टिन को हराकर हुए स्विस ओपन एटीपी टूर टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया. भांबरी और ओलिवेट की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने इस एटीपी 250 क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में अपने फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वियों को 3-6, 6-3, 10-6 से पराजित किया.

वाणी, त्वेसा और रिद्धिमा कट से चूकीं

हिलवर्सम (नीदरलैंड)। वाणी कपूर, त्वेसा मलिक और रिद्धिमा दिलावड़ी पेरिस ओलंपिक से पहले अंतिम लेडीज यूरोपीय टूर टूर्नामेंट में 36 होल में कट बनाने से चूक गयीं, जिससे डच लेडीज ओपन में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई. पहले दौर में दो अंडर 70 का कार्ड खेलकर अच्छी शुरूआत करने वाली वाणी ने दूसरे दौर में चार ओवर 76 का कार्ड बनाया जिससे वह एक शॉट से कट से चूक गयीं. उनका कुल स्कोर दो ओवर रहा जबकि कट एक ओवर का था.

महिला टी20 एशिया कप — टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रबल दावेदारी पेश की

टीम इंडिया की एकतफरा जीत, यूएई को 78 रन से हराया

भाषा। दाम्बुला

भारतीय महिला टीम ने रविवार को यहां महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 78 रन से हराया. टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज का यह पांचवां मैच था. ग्रुप ए के इस मैच में टीम इंडिया यूएई को विशाल अंतर से हराया. इससे पहले टीम इंडिया ने पाकिस्तान की टीम को भी हराया था. इस तरह भारत ने सेमीफाइनल के लिए अपनी दावेदारी प्रस्तुत कर दी है. इस मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 202 रन का लक्ष्य दिया था. इसके जवाब में यूएई की टीम सात विकेट खोकर 123 रन ही बना सकी.

हरमनप्रीत और ऋचा का अर्धशतक : इससे पहले भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (66 रन) और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष (नाबाद 64) के अर्धशतकों के दम पर टीम ने पांच विकेट पर 201 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया. 35 वर्षीय हरमनप्रीत पूरी तरह से दबदबा बनाये थीं, उन्होंने 47 गेंद की पारी के दौरान सात चौके और एक छक्का जड़ा. हरमनप्रीत ने इस तरह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 12वां अर्धशतक जड़ा जो कप्तान के तौर पर उनका 11वां पचासा है. ऋचा ने 'फिनिशर' की भूमिका अच्छी तरह निभाते हुए 29 गेंद की पारी में 12 चौके और एक छक्का जड़ा. उन्होंने पारी के अंतिम ओवर में हीना होतचंदानी पर पांच चौके जमाये. ऋचा का यह टी20 में पहला अर्धशतक है. हरमनप्रीत ने दो महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाई जिसमे पहले जेमिमा रोड्रिग्स के साथ 39 गेंद में 54 रन की चौथे विकेट की भागीदारी और पांचवें विकेट के लिए ऋचा के साथ 45 गेंद में 75 रन की साझेदारी शामिल रहीं. भारत ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में पहली बार 200 रन के स्कोर का आंकड़ा पार किया. बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (13 रन) ने एक छक्का और एक चौका जड़कर भारत को अच्छी शुरूआत करायी.

खास बातें

- ग्रुप स्टेज के पहले मैच में भारत ने पाक को हराया था
- दूसरे मैच में हरमनप्रीत व ऋचा का शानदार प्रदर्शन

भारत के कुश मैनी ने पहली एफ2 स्प्रिंट रेस जीती

भाषा। बुडापेस्ट

भारत के कुश मैनी ने शुरू में विजेता बने रिचर्ड वरशूर के तकनीकी उल्लघंन के कारण 'डिस्क्वालीफाई' किये जाने के बाद यहां अपनी पहली फॉर्मूला 2 स्प्रिंट रेस जीत ली. पोडियम में शीर्ष पर पहुंचने से 23 वर्षीय इनविक्टा रेसिंग ड्राइवर ने अपने सत्र में 10 अंक जोड़े. हंगरोरिंग में जीत के साथ मैनी फॉर्मूला 2 ड्राइवर्स तालिका में मर्सिडीज के जूनियर ड्राइवर किमी एंटोनेली को पीछे छोड़ते हुए 66 अंक से पी8 पर पहुंच गए.

एफ2 चैंपियनशिप के राउंड 9 में शुरुआती ग्रिड पर नौवें स्थान पर रहे मैनी को मुश्किल शुरुआत के बाद कड़ी मेहनत करनी पड़ी.

2024 एफ2 ग्रिड पर वह एकमात्र भारतीय ड्राइवर हैं और पांच पोडियम स्थान से यह उनका करियर का सर्वश्रेष्ठ सत्र भी है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही उत्तम है. पिता से विशेष लाभ होगा. पर आलस का त्याग करें. साझेदारी में शुरू किया गया कार्य लाभ के अवसरों को बढ़ा सकता है. स्थायी संपत्ति खरीदने का मन बनेगा. दांपत्य जीवन में विश्वास बढ़ेगा. कामकाज की गति बनी रहेगी.

वृषभ ससुराल से लाभ का योग बन रहा है. भाग्य का साथ मिलेगा. घर की चिंता रहेगी. विरोधी भी आपसे प्रभावित होंगे. कला के क्षेत्र में इच्छित सफलता मिलने के योग हैं. सरकारी राज्यपक्ष के कामों में पर्याप्त सावधानी रखें. मित्रों से मदद मिलेगी.

मिथुन विवाद से बचें. पेट से संबंधित रोगों से बचें. साथ ही किसी बड़े कार्य मे जोखिम न उठाएं. व्यावसायिक योजना के विस्तार में मित्रों से मदद मिलेगी. पुरानी झंझटों से राहत रह पाएगी. क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखना होगा.

कर्क समय बहुत ही उत्तम है. रोजगार में वृद्धि होगी. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. मेहनत व लगन से कार्यक्षेत्र में बेहतर सफलता हासिल कर सकेंगे. अपने व्यसनों पर काबू रखना चाहिए. माता का सेवा से तरक्की संभव है.

सिंह मौसमी बीमारियों से बचाव अति आवश्यक है. रोजगार के बेहतर अवसर मिलने से आय बढ़ेगी. दांपत्य जीवन सुखद रहेगा. प्रसन्नता-वर्धक समाचार मिलेंगे. व्यापार में इच्छित लाभ होगा. सूर्य को जल दें.

कन्या दोस्ती में समय बर्बाद हो सकता है, पर समय उत्तम है. कार्य होगा और प्रसन्नता बढ़ेगी. कारोबार में वांछित तेजी आने की संभावना रहेगी. विवेक से निर्णय करने पर लाभ एवं सफलता प्राप्त हो सकेगी. नए कार्य का आरंभ लाभदायी रहेगा.

तुला समय सामान्य है. व्यर्थ की भागदौड़ ज्यादा रहेगी. कार्य नहीं होने से मन खिन्न होगा, धैर्य रखें. काम का बोझ कम करने के लिए जिम्मेदारियों को बांटना आवश्यक है. आर्थिक कामों में परेशानी आने की संभावना है.

वृश्चिक विद्यार्थी सफल रहेंगे. धनार्जन होगा. पूंजी निवेश संबंधी कार्यों में सावधानी रखें. आत्मविश्वास बना रहेगा. कारोबार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें. हनुमानजी का ध्यान पूजा करें.

धनु वाणी पर नियंत्रण रखें. संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे. भावनात्मक संबंधों में जल्दबाजी में निर्णय न लें. अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते हैं. परिश्रम के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी. संतान की इच्छा पूरी होगी.

मकर समय बहुत ही उत्तम है. पर उदर रोग से बचें. जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. व्यापार में नए प्रस्ताव लाभकारी रहेंगे. सही समय पर लिए गए फैसले लाभ दिला सकते हैं. आवास संबंधी समस्या हल होने के योग हैं.

कुंभ खर्च पर अंकुश जरूरी है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. विवाद न करें. उतावली में कोई काम न करें. पुरानी संपत्ति के रख-रखाव पर धन खर्च हो सकता है. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. विद्यार्थियों को पढ़ाई की चिंता रहेगी.

मीन कार्य के प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. धर्म-कर्म में रुचि रहेगी. लाभ में वृद्धि होगी. कुसंगति से बचें. परिवार में मांगलिक कार्यक्रमों की चर्चा संभव है. संतान की रोजी-रोटी की चिंता समाप्त होने के योग हैं. गुरु मन्त्र का जाप करें.

समस्तीपुर में बिहार संपर्क क्रांति में धमाका, मची अफरा-तफरी

समस्तीपुर। बिहार की समस्तीपुर में बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस में जोरदार धमाका हुआ. वहीं धमाके के आवाज से ट्रेन और स्टेशन पर मौजूद यात्रियों में हड़कंप मच गया. यात्रियों आनन फानन में ट्रेन से उतर कर भागने लगे. जिससे स्टेशन पर भगदड़ मच गई. वहीं इस घटना की सूचना मिलते ही रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गए हैं. घटना समस्तीपुर रेल मंडल के समस्तीपुर जंक्शन की है. जहां बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस जो जयनगर से नई दिल्ली जाती है, उसमें जोरदार धमाका हुआ. धमाके की आवाज सुनकर ट्रेन और स्टेशन पर यात्रियों के बीच भगदड़ मच गया. ट्रेन में बैठे यात्री ट्रेन से उतरने लगे. यात्रियों के बीच थोड़ी देर के लिए हड़कंप मच गया. वहीं घटना के संबंध में बताया जाता है कि समस्तीपुर जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या 1 पर लगी बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के जनरल बोगी में अग्निशमन यंत्र फट गया, जिससे जोरदार आवाज हुई.

औरंगाबाद में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से युवक की मौत

औरंगाबाद। बिहार के औरंगाबाद में हाईटेंशन बिजली तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई. घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया. घटना गोह थाना क्षेत्र के घेजना गांव की है. मृतक की पहचान घेजना गांव निवासी परिखा पासवान के 40 वर्षीय पुत्र बिनोद पासवान की रूप में किया गया है. घटना की जानकारी देते हुए मृतक की पत्नी लालो देवी ने बताया कि आज शाम अपने गांव के बधार में मेरे पति मवेशी चरा रहे थे, इसी दौरान पहले से टूटकर गिरा हुआ हाईटेंशन बिजली तार के चपेट में आ गए. जिससे उनकी मौत हो गई.

आर्ट ऑफ गिविंग व वॉलीबॉल एसोसिएशन की एजीएम संपन्न, संघ की ओर से वॉलीबॉल-नेट प्रदान किए गए

स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए जिलों को दी गयी मेजबानी

संवाददाता। रांची

आर्ट ऑफ गिविंग झारखंड यूनिट का वार्षिक आम बैठक (एजीएम) रविवार को हुई. रांची के धुर्वा स्थित गाला बैंक्वेट हॉल में आयोजित बैठक में किट, किस्स विश्वविद्यालय एवं आर्ट ऑफ गिविंग के संस्थापक प्रो. (डॉ.) अचुता सामंत, समन्वयक डॉ. गगनेन्दु दास, झारखंड आर्ट ऑफ गिविंग के अध्यक्ष सुबोधकांत सहाय, कार्यकारी अध्यक्ष सुनील सहाय और सचिव शेखर बोस उपस्थित थे. आर्ट ऑफ गिविंग के कार्यक्रम से पहले पुराने विधानसभा सभागार में रविवार को झारखंड वॉलीबॉल संघ की वार्षिक आम सभा में कई निर्णय लिये गये. इसमें डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट के लिए आयोजन स्थल का निर्णय लिया गया. महासचिव

शेखर बोस ने वार्षिक रिपोर्ट व आय व्यय का ब्यौरा रखा. जिसे सभा ने स्वीकार किया. इस बार डिस्ट्रिक्ट प्रतियोगिता की मेजबानी जमशेदपुर, पलामू, बोकारो, लातेहार, दुमका, गुमला को दी गई. वर्ष 2024- 25 में मिनी स्टेट चैंपियनशिप अंडर 14 बालक और बालिका वर्ग का आयोजन गुमला में किया जाएगा. सब जूनियर स्टेट वॉलीबॉल चैंपियन अंडर 16 बालक और बालिका वर्ग का लातेहार और दुमका में किया जाएगा. जूनियर स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप का आयोजन बॉयज और गर्ल्स अंडर 18 बोकारो और दुमका में किया जाएगा. यूथ स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप अंडर 21 बॉयज एंड गर्ल्स पलामू में आयोजित किया जाएगा. वहीं सीनियर स्टेट वॉलीबॉल चैंपियनशिप पुरुष और महिला वर्ग जमशेदपुर में आयोजित किया जाएगा.

कार्यक्रम में 13 समाजसेवियों को आर्ट ऑफ गिविंग ने किया सम्मानित

आर्ट ऑफ गिविंग की ओर से 13 व्यक्ति और संस्था को शिक्षा, सामाजिक विकास, खेल, शिक्षण और समाज सेवा के क्षेत्र में काम करने के लिए सम्मानित किया गया. इसमें अंतरराष्ट्रीय पावर लिफ्टर इंद्रजीत सिंह, हरेंद्र नारायण, कराटे प्रशिक्षक मानस सिन्हा, एएफआई के कोषाध्यक्ष मधुकांत पाठक, तापस चक्रवर्ती, वॉलीबॉल कोच विश्वनाथ सिंह, खेल प्रशासक व समाजसेवी जगदीश सिंह जग्गू, द रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र सोरेन, हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह, टीडी जोशी, खेल प्रशासक व व्यवसायी प्रमोद कुमार, बैडमिंटन प्रशिक्षक एन के डे और मारवाड़ी सहायक समिति को आर्ट ऑफ गिविंग अवार्ड से सम्मानित किया गया.

जो किट से कमाता हूं, उससे गरीबों को पढ़ता हूं: डॉ अच्युता सामंत

किट के संस्थापक प्रो. (डॉ) अच्युता सामंत ने कार्यक्रम के दौरान अपने बचपन को याद किया. उन्होंने बताया कि वो वर्तमान में ओडिशा में रहते हैं. लेकिन झारखंड से उनका पुराना नाता रहा है. उनके पिता टाटा स्टील में छोटे पद पर काम करते थे. 1970 में एक ट्रेन दुर्घटना में उनके पिता की मृत्यु हो गई. उस समय उनकी आयु 4 वर्ष थी. वे सात भाई बहन थे. उन्होंने बताया 1982 तक किसी तरह मांग कर उनका गुजारा हुआ, लेकिन उन्होंने पढ़ाई पूरी की जिससे वे सही आदमी बन सके. अचुता ने बताया कि किट में देश के साथ विदेश के भी छात्र पढ़ने आते हैं. किट से जो भी पैसा मिलता है उससे वे किस्स संस्थान चलाते हैं.

झामुमो ने घुसपैठ मामले में भाजपा नेताओं के बयानों का किया प्रतिकार

गृह मंत्री की विफलता को हम पर मढ़ रहे हैं हिमंता : झामुमो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, सह प्रभारी हिमंत बिस्व सरमा और विधायक भानु प्रताप शाही के बयान पर कड़ा प्रतिकार किया है. पार्टी के महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा के जो दोनों प्रभारी बनाए हैं, उनके कई आरोप हैं. जिस पर जांच भी चल रही है. अगर मुझ पर आरोप है और हम दूसरे पर आरोप लगाते हैं तो हम खुद को कटघरे में खड़ा करते हैं. रही बात हिमंता बिस्व सरमा की जिसमें वे बार-बार बंग्लादेश के घुसैपठियों की बात करते हैं, इस राज्य में प्रवेश कर रहे हैं. तो यह सवाल तो देश के गृह मंत्री से पुछा जाना चाहिए. चूंकि सीमा की सुरक्षा केंद्र सरकार के अधीन आता है, आर सुरक्षा केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आता है. जिस मंच पर खुद केंद्रीय गृह मंत्री बैठे हैं और उस मंच से हिमंता आरोप लगा रहे हैं तो यह आरोप हेमंत सोरेन पर नहीं है. यह आरोप तो सीधा-सीधी केंद्रीय गृह मंत्री और गृह मंत्रालय पर है. जहां तक बात है घुसपैठ की पूरी जिम्मेवारी केंद्रीय गृह मंत्रालय और केंद्र सरकार की है. यानि की अपनी कमजोरी और नाकामी को आप राज्य सरकार पर थोपने का काम कर रहे हैं. यह दुर्भाग्यपूर्ण है. राज्य सरकार स्पष्ट रूप से चाहती है कि अगर ऐसे लोग हैं तो यह केंद्रीय गृह मंत्रालय को देखना चाहिए और सीमा सुरक्षा बढ़ायी जानी चाहिए. उक्त बातें पांडेय ने अपने पार्टी कार्यालय में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कही.

सिर्फ हिंदु-मुस्लिम करना चाहती है भाजपा

उन्होंने कहा कि यह मामला ठीक चुनाव के पहले उठाना, यह साबित होता कि भाजपा चुनाव में हिंदू-मुस्लिम के नाम पर राजनीति करनी चाहती है. लोकसभा चुनाव के पहले भाजपा ने बंगाल में संदेशखाली का मामला क्रियेट कराया. बाद में क्या निकला सभी को पता है. यह भाजपा को उसी संदेशखाली के वसीरघाट लोकसभा सीट से जनता ने भाजपा को खदेड़ने का काम किया. तो यह स्थिति में यहां भी बन रही है. जिस प्रकार से पिछले विधानसभा चुनाव में जनता ने एक तरह से भाजपा को खदेड़ दिया था. उनके विधायक मंच से कहते हैं कि गट्ठा पकड़कर हेमंत सोरेन को गद्दी से उतार दिया जाएगा. तो हेमंत सोरेन को नहीं पूरे राज्य की जनता को बोल रहे हैं जिनलोगों ने हेमंत सोरेन को गद्दी पर बैठाया है. वहीं, जनता 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को गट्ठा पकड़कर उतारने का काम किया.

सरकार के संरक्षण में आदिवासियों की जमीन लूट रहे माफिया: बाबूलाल मरांडी

- पिछले पांच वर्षों में सैकड़ों एकड़ जमीन की हुई है लूट
- भू माफियाओं से जमीन मुक्त कराने तक आंदोलन रहेगा जारी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि पिछले पांच वर्षों में झामुमो कांग्रेस की सरकार के संरक्षण में सीएनटी एसपीटी एक्ट का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन हुआ है. आदिवासियों गरीबों की सैकड़ों एकड़ रैयती जमीन पर कब्जा किया गया है. कांग्रेस सरकार में आजादी के बाद कल कारखाने खुलते गए, माइंस, डैम बने, जिसमें आदिवासियों का बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ. गांव के गांव उजड़ गए, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने विस्थापितों के पुनर्वास की चिंता नहीं की. वे रविवार को मोरहाबादी में आदिवासी संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे .उन्होंने कहा कि विस्थापन के कारण आदिवासियों की जनसंख्या घटती गई. जो इसके लिए गुनाहगार हैं, वे अपने आप को आदिवासियों का हितैषी बता रहे. लेकिन इसके निदान केलिए कोई पहल नहीं कर रहे.

खतरे में है आदिवासी समाज : मरांडी ने कहा कि आज भूमाफियाओं के साथ साथ लैंड जिहाद, लव जिहाद के माध्यम से आदिवासी समाज खतरे में है. राज्य की सत्ता में बैठे लोग उनका संरक्षण कर रहे हैं. ऐसे में आदिवासियों की जनसंख्या घटाने की हर प्रकार की साजिश हो रही है. ऐसे हालात में परिसीमन के बाद आदिवासियों की विधानसभा ,लोकसभा की सीटें घट जाएंगी. उन्होंने विभिन्न आदिवासी संगठनों को आश्वस्त किया कि वे उनकी लड़ाई में उनके साथ हैं. जो आदिवासी के नाम पर जनजाति समाज को धोखा दे रहे, वे अपराधी हैं, दंड के भागी हैं, उन्हें जनता दंड जरूर देगी, राज्य सरकार बताए कि भू माफियाओं द्वारा आदिवासियों की गलत तरीके से ली गई जमीन का म्यूटेशन कैसे हो जाता है? क्यों नही दोषी पदाधिकारियों पर कार्रवाई होती है?

राजद जमशेदपुर पूर्वी समेत पांचों प्रमंडल में उतारेगा प्रत्याशी

पूर्व मंत्री को सम्मानित करते राजद नेता.

सुनील पांडेय। जमशेदपुर

पूर्व मंत्री सह राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरीय उपाध्यक्ष सुरेश पासवान ने कहा कि पार्टी झारखंड में पांचों प्रमंडल में प्रत्याशी उतारेगी. इसके लिए सभी प्रमंडल में पार्टी नेताओं से चुनाव को लेकर ब्लूप्रिंट मांगा गया है. सुरेश पासवान रविवार को जमशेदपुर परिसदन में मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे. उन्होंने कहा कि जमशेदपुर जिला कमेटी ने पूर्वी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया है. इस पर पार्टी गंभीरता से विचार कर रही है. सहयोगी दलों से वार्ता कर जरूरत पड़ी तो यहां से प्रत्याशी उतारा जाएगा. उन्होंने कहा कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को यहां मुंह की खानी पड़ी, उसी तरह विधानसभा चुनाव में भी इंडिया गठबंधन परचम लहराएगा. हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार सभी वर्ग के लोगों के हित में काम कर रही है.

अपराध प्रदेश बन गया है बिहार : पूर्व मंत्री सुरेश पासवान ने कहा कि बिहार की नीतीश सरकार ने बिहार को अपराध प्रदेश में तब्दील कर दिया है. वहां आए दिन हत्या, लूट, डकैती की घटनाएं हो रही हैं. पूर्व मंत्री के सहनी के पिता की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि अपराधी घर में घुसकर हत्या कर रहे हैं. वहां की सरकार मूकदर्शक बनी हुई है.

बैशाखी की सरकार जल्द गिरेगी

केंद्र की एनडीए सरकार को बैशाखी पर टिकी सरकार बताते हुए सुरेश पासवान ने कहा कि यह सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी. सरकार गठन के बाद से ही गठबंधन दलों में मतभेद उभरकर सामने आने लगे हैं. उत्तर प्रदेश नेम प्लेट विवाद पर कहा कि इस मामले में जदयू और चिराग पासवान का बयान आया है. इससे साबित होता है कि सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है. प्रेसवार्ता में राजद की वरिष्ठ नेत्री शारदा देवी, पुरेन्द्र नारायण सिंह, ओम प्रकाश यादव, सुभाष यादव, कमलदेव यादव, बलदेव सिंह, राजकुमारी समेत अन्य मौजूद थे.

संताल में बांग्लादेशी आदिवासियों की जमीन लूट रहे हैं : सोमा उरांव

संवाददाता। रांची

जनजाति सुरक्षा मंच के सोमा उरांव ने कहा कि धर्मांतरित जनजातियों को आरक्षण का लाभ मिलना बंद हो, क्योंकि जनजातियों की अपनी संस्कृति होती है. रूढ़ी प्रथा के तहत जीवन से लेकर मृत्यु तक विशेष कर्मकांडों के तहत संचालित किए जाते हैं. वे रविवार को कांके प्रखंड के चुटु गांव में डिलिस्टिंग विषय को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला में बोल रहे थे. उन्होंने जो दलित धर्म परिवर्तन करा लेते हैं. वे बीसी 2 में चले जाते हैं, परंतु जनजातियों के परिप्रेक्ष्य में ऐसी व्यवस्था नहीं है. झारखंड के संथाल के सभी जिलों में आदिवासियों की डेमोग्राफी ही बदल गई. एक विशेष धर्म के लोग बांग्लादेश से आकर आदिवासियों की बेटी, रोटी और जमीन छीन ले रहे हैं. वहां आदिवासी महिलाओं से शादी विवाह कर रहे हैं. भोले-भाले आदिवासी लड़कियों को प्रेम जाल में फंसा रहे हैं. इससे संताल परगना में आदिवासियों की संख्या कम होती जा रही है.अगर ऐसी ही स्थिति रही तो आदिवासी किताबों में देखने को मिलेंगे. मौके पर प्रदेश संयोजक स्वामी देवेंद्र प्रकाश बालचंद साहू, शिव चरण करमाली, पूजा सिंह, सोना भारती, जगत किशोर महतो, विशाल सिंह, डॉ किशोर शर्मा, रघुनाथ महतो, दिलीप मुंडा, बलबीर यादव, अर्जन मंडल आदि मौजूद रहे.

आपसी विवाद में चाकूबाजी, पांच घायल

लातेहार। शहर जुबली रोड मे रविवार को आपसी विवाद में दो गुट के युवक आपस में भिड़ गये. दोनों ओर से मारपीट के दौरान चाकूबाजी हुई. इसमें महिला सहित पांच लोग घायल हो गये. घायलों में वैभव पांडेय, लालमुनी पांडेय, जितेंद्र पांडेय, अभिषेक कुमार व सौरभ कुमार शामिल है. इसमे वैभव पांडेय, जितेंद्र पांडेय, अभिषेक कुमार व सौरभ कुमार का सदर अस्पताल मे प्राथमिक इलाज के बाद रांची रिम्स रेफर कर दिया गया. मारपीट के मामले मे एक गुट के अभिषेक कुमार व दुसरे गुट के वैभव पांडेय तथा उसकी मां लालमुनी पांडेय द्वारा सदर थाना मे आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है. अभिषेक कुमार ने अपने आवेदन मे कहा है कि रविवार को 11 बजे वह अपने बानपुर स्थित तेल मिल से अपने मेन रोड स्थित घर आ रहा था. तभी जुबली रोड मे हनुमान मंदिर के समीप उसके भाई सौरभ कुमार पर कुछ युवकों द्वारा जानलेवा हमला किया गया.

झारखंड सरकार हर मोर्चे पर फेल: सुदेश

खास बातें

- आजसू पार्टी की बैठक में कार्यकर्ताओं से मिले
- कार्यकर्ताओं से मिलकर चुनावी रणनीति भी बनायी

संवाददाता। लातेहार

आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि वर्तमान की झारखंड की गठबंधन सरकार हर मोर्चे पर फेल रही है. पिछले पांच साल इस सरकार ने कोई काम नहीं किया है. अपने किसी भी वायदे को इस सरकार ने पूरा नहीं किया. इन पांच सालों में झारखंड राज्य बहुत पीछे चला गया है. आज प्रदेश में भ्रष्टाचार व भयादोहन का बोलबाला है. सुदेश कुमार महतो शहर के स्टेशन रोड में चेतना इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित आजसू पार्टी की बैठक को संबोधित कर रहे थे. कार्यक्रम की अध्यक्षता आजसू जिला अध्यक्ष अमीत कुमार पांडेय ने की. बैठक में आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता देवशरण भगत मुख्य रूप से मौजूद थे. बैठक में लोहरा समाज के कार्यकारी अध्यक्ष सरोज लोहरा, दीपक सोनी, रवि कुमार चंद्रवंशी और पंकज यादव ने आजसू की सदस्यता ग्रहण की. श्री महतो ने उनका माल्यार्पण एवं आजसू पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया. बैठक में मुख्य रूप से आजसू के केंद्रीय सचिव जीतेन्द्र सिंह,जिला उपाध्यक्ष बिजेंद्र दास व जिला कोषाध्यक्ष सद्दाम अंसारी, ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष नितेश जायसवाल, लातेहार प्रखंड अध्यक्ष अमर उरांव और सैकड़ो कार्यकर्त्ता व नेतागण मौजूद थे.

लातेहार में सुदेश महतो का किया गया स्वागत.

बिहार विधानसभा — मॉनसून सत्र के दौरान विस के आसपास धारा 144 लागू रहेगी

मॉनसून सत्र आज से, हंगामेदार होने के हैं आसार

संवाददाता। पटना

बिहार विधानमंडल का मॉनसून सत्र 22 जुलाई सोमवार से शुरू होकर 26 जुलाई तक चलेगा. सत्र के दौरान दोनों सदनों में पांच-पांच बैठकें होंगी. सरकार की कोशिश होगी कि सत्र का संचालन सुचारू रूप से किया जा सके. हालांकि विपक्ष ने सरकार को घेरने की बड़ी तैयारी कर रखी है. ऐसे में मॉनसून सत्र के हंगामेदार होने की संभावना है.

मॉनसून सत्र के पहले दिन राज्यपाल द्वारा स्वीकृत अध्यादेशों की प्रति को सदन के पटल पर रखने के साथ ही 2024-25 का पहला अनुपूरक बजट सरकार की तरफ से पेश किया जाएगा. 23 और 24 जुलाई को राजकीय विधेयक और अन्य राजकीय कार्य किए जाएंगे. दूसरी ओर 23 जुलाई को ही विधान परिषद् में गैर सरकारी संकल्प पेश होंगे और 24-25 जुलाई को राजकीय विधेयक सदन में लाए जाएंगे. 25 जुलाई को विधानसभा में प्रथम अनुपूरक बजट पर वाद-विवाद और वोटिंग होगी. इस दौरान विनियोग विधेयक पर भी मुहर लगेगी. सत्र के आखिरी दिन यानी 26 जुलाई को सदन में गैर सरकारी संकल्प पेश किए जाएंगे. सत्र के दौरान सरकार को घेरने के लिए विपक्ष ने रणनीति बनाई है. बिहार में बढ़ते अपराध के साथ साथ एक महीने के भीतर दर्जन भर से अधिक पुलों के धराशायी होने की घटना को मुद्दा बनाकर विपक्ष सरकार को घेरने की कोशिश करेगा.

राज्य में अपराध को लेकर विपक्षी दल सरकार पर हमलावर बने हुए हैं. ऐसे में इन दोनों मुद्दों को लेकर हंगामे की प्रबल संभावना है. उल्लेखनीय है कि सत्र के दौरान विधानसभा के आस-पास धारा 144 लागू रहेगी. इसको लेकर प्रतिबंधित क्षेत्र की सीमा निर्धारित की गई है. प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी भी तरह के जुलूस और प्रदर्शन पर रोक रहेगी.

बिहार विधआनसभा का भवन.

खास बातें

- 22 से 26 जुलाई तक चलेगा विधानसभा का मॉनसून सत्र
- मॉनसून सत्र के दौरान दोनों सदनों की 5-5 बैठकें होंगी

महिला का शव मिला हत्या की आशंका जताई

नालंदा। नालंदा के पावापुरी थाना इलाके के विशुनपुर गांव में नदी किनारे एक अर्धनग्न महिला का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. शव मिलने के बाद आसपास के लोग के साथ साथ कई गांव के लोग देखने के लिए पहुंचे, लेकिन मृतका की पहचान नहीं हो सकी. सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना की पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. वहीं, इस मामले को लेकर चर्चा यह भी है कि महिला की हत्या कर दूसरे स्थान से लाकर यहां फेंक दिया गया है ताकि हत्यारा बच सके. पुलिस ने शव की पहचान करने के लिए जिले के सभी थानों और आसपास जिलों से संपर्क कर रही है पहचान हो सके.

विधायक शंकर सिंह करेंगे नीतीश कुमार का समर्थन!

संवाददाता। पटना

रुपौली विधानसभा उपचुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव जीते शंकर सिंह अब अपनी आगे की

सियासी पारी जदयू के साथ मिलकर बढ़ा सकते हैं. सूत्रों के अनुसार शंकर सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का समर्थन करने का फैसला किया है. जदयू के कुछ नेताओं के शंकर सिंह से संपर्क करने और उन्हें जदयू के साथ आने का न्योता देने की खबर पिछले कुछ दिनों से लगातार चर्चा में है. इस बीच रविवार को यह खबर सामने आई कि शंकर सिंह ने जदयू के साथ जाने और सीएम नीतीश को समर्थन देने का फैसला लिया है. इसे लेकर जल्द ही अधिकारिक रूप से शंकर सिंह और जदयू एक मंच पर दिख सकते हैं. माना जा रहा है कि शंकर सिंह के सीएम नीतीश के समर्थन में आने से जदयू एक साथ कई मोर्चों पर मजबूत होगी. रुपौली से बीमा भारती जदयू प्रत्याशी के तौर पर पिछले कुछ चुनावों से लगातार सफल हो रही थी. वर्ष 2020 में भी रुपौली में बीमा ने जदयू के टिकट पर चुनाव जीता था. लेकिन, इसी वर्ष जब सीएम नीतीश ने महागठबंधन छोड़कर एनडीए में आने का फैसला लिया तो बीमा भारती ने विद्रोही तेवर दिखाए. बाद में वह जदयू छोड़कर राजद में चली गई.

निशाना : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राकांपा (एसपी) प्रमुख और शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष पर किया तीखा हमला

शरद पवार भ्रष्टाचार के सरगना, उद्धव 'औरंगजेब फैन क्लब' के प्रमुख

एजेंसी। पुणे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को विपक्षी नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार पर तीखा हमला किया और उन्हें देश में भ्रष्टाचार का सरगना करार दिया. पुणे में भाजपा के राज्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर 2024 के लोकसभा चुनाव में हार के बावजूद अहंकार प्रदर्शित करने का आरोप लगाया. उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को 'औरंगजेब फैन क्लब' का प्रमुख करार दिया और कहा कि वह 1993 के मुंबई श्रृंखलाबद्ध बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए क्षमादान मांगने वाले लोगों के साथ बैठे हैं.

पलटवार : दागी नेताओं को सदस्यता देकर भ्रष्टाचार को वैधता प्रदान कर रही है भाजपा : राकांपा (एसपी)

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) ने अपने नेता शरद पवार को 'भ्रष्टाचार का सरगना' कहे जाने पर रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा ने ही दागी नेताओं को सदस्यता देकर भ्रष्टाचार को वैधता प्रदान की है. राकांपा (एसपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता क्लाइड क्रेस्टो ने कहा, 'वे राजनीतिक नेताओं पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं और फिर जब वे लोग, जिन पर वे आरोप लगाते हैं, भाजपा में शामिल हो जाते हैं, तो उन्हें क्लीन चिट दे दी जाती है. यह भ्रष्टाचार को वैध बनाने की भाजपा की वॉशिंग मशीन प्रक्रिया है.'

शाह ने कहा कि भाजपा नीत महायुति महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 2014 और 2019 के चुनावों से बेहतर प्रदर्शन करेगी. भाजपा के वरिष्ठ नेता ने पुणे में कहा, 'शरद पवार ने भ्रष्टाचार को संस्थागत बनाया.' उन्होंने कहा कि भारत की जनता ने हाल के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर अपनी मुहर लगाई है. शाह ने कहा, 'महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव में हमारी जीत के बाद राहुल गांधी का अहंकार चूर-चूर हो जाएगा.'शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, 'उद्धव ठाकरे उन लोगों के साथ बैठे हैं, जिन्होंने 1993 के मुंबई सिलसिलेवार बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए क्षमादान मांगा था.' उन्होंने कहा, 'औरंगजेब फैन क्लब क्या है? जो (26/11 आतंकी हमले के दोषी) कसाब को बिरयानी खिलाते हैं, जो याकूब मेमन के लिए क्षमादान मांगते हैं, जो (विवादित इस्लामी उपदेशक) जाकिर नाइक को शांति दूत पुरस्कार देते हैं और जो (प्रतिबंधित इस्लामी संगठन) पीएफआई का समर्थन करते हैं. उद्धव ठाकरे को इन लोगों के साथ बैठने में शर्म आनी चाहिए.' भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि उन्हें महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों से परेशान नहीं होना चाहिए.

सिक्किम : पर्यटकों के वाहनों में कचरा फेंकने की थैली अनिवार्य

एजेंसी। गंगटोक

सिक्किम में प्रवेश करने वाले सभी पर्यटक वाहनों को अब कचरा फेंकने के लिए अनिवार्य रूप से थैली रखनी होगी. पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि पर्यावरणीय स्थिरता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है. इसमें कहा गया है कि टूर ऑपरेटर, ट्रैवल एजेंसी और वाहन चालकों की जिम्मेदारी होगी कि वे यात्रियों से थैलियों में कचरा फेंकने के लिए कहें. आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पर्यटकों के वाहनों की आकस्मिक जांच की जाएगी और आदेश का उल्लंघन करने वाले वाहन को दंडित किया जाएगा. पर्यटकों को कचरा प्रबंधन और पर्यावरणीय स्थिरता के बारे में शिक्षित करने के लिए स्वच्छता संबंधी जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं. उन्होंने बताया कि सिक्किम में छह लाख से अधिक लोग रहते हैं और यह भारत का सबसे कम आबादी वाला राज्य है. राज्य के खूबसूरत हिमालयी स्थलों पर हर साल 20 लाख से अधिक पर्यटक आते हैं.

ब्रीफ खबरें

अमेरिका: भारतीय मूल के व्यक्ति की हुई हत्या

वाशिंगटन। अमेरिका के इंडियाना प्रांत में भारतीय मूल के एक व्यक्ति की उसकी पत्नी के सामने गोली मारकर हत्या कर दी गई. पुलिस और मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है. यह घटना उस समय हुई जब गैविन दसौर अपनी पत्नी के साथ घर जा रहे थे. दसौर की पत्नी मेक्सिको की हैं और हाल में उनका विवाह हुआ था. इंडियानापोलिस पुलिस विभाग (आईएमपीडी) की अधिकारी अमांडा हिब्सचमैन ने बताया कि अधिकारियों को पिछले सप्ताह मंगलवार रात आठ बजे के बाद इंडी शहर के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में एक चौराहे पर एक व्यक्ति को गोली मारे जाने की सूचना मिली. घटनास्थल पर पहुंचे अधिकारियों ने बताया कि वहां जमीन पर एक व्यक्ति पड़ा था और उसके शरीर पर गोली का निशान था.

मणिपुर में एक की गोली मारकर हत्या

इंफाल। मणिपुर के इंफाल ईस्ट जिले में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है. पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार को लामलेन पुलिस थाना क्षेत्र के टेकचाम में हुई और मृत व्यक्ति की पहचान आर के पृथ्वी सिंह के रूप में की गई है. पुलिस के मुताबिक, व्यक्ति की आंखों पर पट्टी बंधी थी, उसके हाथ उसकी पीठ के पीछे बांधे गए थे और उसे बहुत नजदीक से गोली मारी गई थी. प्रतिबंधित संगठन केसीपी (प्रोग्रेसिव) ने इस हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि सिंह सुरक्षा बलों के लिए जासूसी कर रहा था. पुलिस ने दावा किया कि सिंह एक पूर्व उग्रवादी था, जो आत्मसमर्पण कर चुके अन्य उग्रवादियों के साथ मिलकर सुरक्षा बलों के लिए जासूसी करता था.

यात्रा से पहले इंटरनेट व एसएमएस सेवा स्थगित

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने ब्रज मंडल जलाभिषेक यात्रा से पहले नूंह जिले में मोबाइल इंटरनेट और एक साथ कई लोगों को एसएमएस भेजने की सेवाओं को 24 घंटे के लिए स्थगित करने का रविवार को आदेश दिया. पिछले साल इस यात्रा के दौरान हिंसा हुई थी. हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) अनुराग रस्तोगी के आदेश के अनुसार, जिले में इंटरनेट सेवा रविवार शाम छह बजे से सोमवार शाम छह बजे तक स्थगित रहेगी. नूंह जिले में तनाव, गड़बड़ी, आंदोलन, सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और सार्वजनिक शांति तथा सौहार्द बिगाड़ने की आशंका है. यह आदेश सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से 'गलत सूचना और अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए' दिया गया है.

बांग्लादेश में हिंसक प्रदर्शनों के बीच सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

93 प्रतिशत सरकारी नौकरियां योग्यता के आधार पर मिलेंगी

एजेंसी। ढाका

- स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत तक कोटा बहाल था
- इस पर हिंसा भड़कने से 40 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, सैकड़ों घायल

बांग्लादेश की शीर्ष अदालत ने देश में आरक्षण को लेकर मचे बवाल के बीच सरकारी नौकरियों में आरक्षण रविवार को घटा दिया. नौकरियों की कमी से गुस्साए प्रदर्शनकारी उस प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे थे, जिसके तहत 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में हिस्सा लेने वालों के परिजनों को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत तक आरक्षण दिया जाता था. सरकार ने बड़े पैमाने पर छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के बाद 2018 में इस पर रोक लगा दी थी, लेकिन जून में उच्च न्यायालय ने आरक्षण बहाल कर दिया था, जिसके बाद देश में फिर से विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे.

उच्चतम न्यायालय ने रविवार के अपने फैसले में कहा कि 93 प्रतिशत सरकारी नौकरियां योग्यता आधारित प्रणाली के आधार पर आवंटित की जाएं, पांच प्रतिशत 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में भाग लेने वालों के परिजनों तथा अन्य श्रेणियों के लिए दो प्रतिशत सीटें आरक्षित रखी जाएं. बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कई दिन से प्रदर्शन हो रहे थे और हालात बिगड़ने पर शनिवार को पूरे देश में कठोर कर्फ्यू लगा दिया गया. सैन्य बलों ने राष्ट्रीय राजधानी ढाका के विभिन्न हिस्सों में गश्त की. बांग्लादेशी अधिकारियों ने मृतकों और घायलों की कोई आधिकारिक संख्या साझा नहीं की है लेकिन समाचार दैनिक 'प्रथम आलो' में शनिवार को प्रकाशित एक खबर में बताया गया कि अब तक कम से कम 103 लोग मारे गए हैं.

हिंसा के मद्देनजर अमेरिका ने अपने नागरिकों को बांग्लादेश की यात्रा न करने की सलाह दी

वाशिंगटन। अमेरिका ने बांग्लादेश में जारी हिंसा के मद्देनजर अपने नागरिकों को दक्षिण एशियाई देश की यात्रा न करने का परामर्श दिया है. उसने अपने गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को स्वैच्छिक रूप से वहां से आने की अनुमति दे दी है. इससे एक दिन पहले, अमेरिका ने बांग्लादेश के लिए एक नया यात्रा परामर्श जारी कर अमेरिकी नागरिकों से हिंसा से जूझ रहे देश की यात्रा से पहले पुनर्विचार करने का आग्रह किया था. बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ हिंसा भड़कने के कुछ दिन बाद शनिवार को प्राधिकारियों ने पूरे देश में सख्त कर्फ्यू लागू कर दिया और सैन्य बलों ने राष्ट्रीय राजधानी ढाका के विभिन्न हिस्सों में गश्त की. अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के लिए यात्रा परामर्श के स्तर को बढ़ाकर स्तर-चार (यात्रा नहीं करें) कर दिया है. विदेश मंत्रालय ने कहा, 'अशांति, अपराध और आतंकवाद के कारण बांग्लादेश की यात्रा न करें.'

बांग्लादेश से स्वदेश लौटे असम के 120 और त्रिपुरा के 379 विद्यार्थी

गुवाहाटी/अगरतला। पड़ोसी बांग्लादेश में पिछले कुछ दिन से जारी हिंसक प्रदर्शन के मद्देनजर असम के करीब 120 छात्र तथा त्रिपुरा के 379 छात्र वहां से लौट आये. असम के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) अजय तिवारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि असम के छात्र अब तक करीमगंज जिले के सुतारकंडी और मेघालय के दावकी में एकीकृत जांच चौकियों के रास्ते भारत में प्रवेश कर चुके हैं. पूर्वोत्तर में छात्र एवं अन्य लोग असम, मेघालय और त्रिपुरा में एकीकृत जांच चौकियों (आईसीपी) के रास्ते भारत में प्रवेश कर रहे हैं. शनिवार रात तक असम के 76 छात्र दावकी से और 41 छात्र सुतारकंडी से भारत में प्रवेश कर चुके हैं. बराक घाटी के छात्र ज़्यादातर सुतारकंडी के रास्ते आ रहे हैं, जबकि ब्रह्मपुत्र घाटी के छात्र दावकी की ओर से आ रहे हैं.

महाराष्ट्र में जनवरी से जून के बीच 1,267 किसानों ने आत्महत्या की

एजेंसी। मुंबई

- राज्य सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक 557 मौतें विदर्भ क्षेत्र के अमरावती मंडल में हुईं

महाराष्ट्र में इस साल के शुरुआती छह महीने में 1,267 किसानों ने आत्महत्या की और इनमें से 557 मौतें राज्य के विदर्भ क्षेत्र के अमरावती मंडल में हुई हैं.

राज्य सरकार की एक रिपोर्ट में दिये गए जनवरी से जून तक के आंकड़ों के अनुसार, छत्रपति संभाजीनगर मंडल 430 किसानों की मौत के साथ दूसरे स्थान पर है. नासिक मंडल में 137, नागपुर मंडल में 130 और पुणे मंडल में 13 किसानों की मौतें हुईं. तटीय कोंकण मंडल में किसी किसान के आत्महत्या करने का मामला सामने नहीं आया है. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के मुताबिक, 2022 में देश में किसानों द्वारा की गई आत्महत्या के 37.6 प्रतिशत मामले महाराष्ट्र से थे जो सर्वाधिक था. एनसीआरबी ने कहा कि 2022 में कृषि क्षेत्र से जुड़े 11,290 लोगों ने अपनी जान दे दी, जिनमें 5,207 किसान और 6,083 खेतिहर मजदूर थे. यह देश में आत्महत्या के कुल मामलों का 6.6 प्रतिशत है. साल 2021 में, कृषि कार्यों में शामिल 10,881 लोगों ने आत्महत्या की, जिनमें 5,318 किसान और 5,563 खेतिहर मजदूर थे. इनमें से 37.3 प्रतिशत मौतें महाराष्ट्र में हुईं.

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, 2021 में कुल 1,64,033 लोगों ने आत्महत्या की और आत्महत्या करने वालों में कृषि कार्यों से जुड़े लोगों की संख्या 6.6 प्रतिशत थी. वर्ष 2020 में, कृषि क्षेत्र से जुड़े कुल 10,677 व्यक्तियों ने आत्महत्या की. इनमें 5,579 किसान और 5,098 खेतिहर मजदूर शामिल थे. यह देश भर में दर्ज किये गए आत्महत्या के मामलों का सात प्रतिशत था. देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महाराष्ट्र का योगदान सर्वाधिक है.

उत्तराखंड में सरकारी विभागों में समायोजित किए जाएंगे अग्निवीर

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि देश सेवा कर लौटने वाले प्रदेश के अग्निवीरों को राज्य के विभिन्न विभागों में समायोजित किया जाएगा तथा इसके लिए आरक्षण का प्रावधान भी किया जाएगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निवीर योजना लाए जाने के बाद उन्होंने सेना के अधिकारियों, पूर्व अधिकरियों, जवानों तथा अन्य लोगों के साथ बैठक की थी और 15 जून 2022 को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर घोषणा की थी कि उनकी सरकार पुलिस समेत राज्य के अन्य विभागों में देश सेवा करके आने वाले अग्निवीरों को समायोजित करेगी और उन्हें प्राथमिकता देगी. उन्होंने कहा कि अग्निवीरों के लिए आरक्षण का भी प्रावधान किया जाएगा. धामी ने कहा कि अग्निवीरों को समायोजित करने के लिए अगर कोई अधिनियम बनाना जरूरी होगा तो उसके लिए भी प्रस्ताव मंत्रिमंडल में लाकर उसे विधानसभा में रखा जाएगा.

हिज्बुल्ला ने इजराइल के ग्रामीण इलाके में दर्जनों रॉकेट दागे

- ड्रोन हमले में अपने नागरिकों के घायल होने के बाद किया हमला

एजेंसी। बेरूत

लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्ला ने कहा है कि उसके लड़ाकों ने उत्तरी इजराइल में शनिवार को दर्जनों रॉकेट दागे. पिछले नौ महीने में यह पहला मौका है जब हिजबुल्ला ने इजराइल की ओर रॉकेट से हमला किया है. इससे पहले दिन में इजराइल ने ड्रोन से हमला किया था, जिसमें बच्चों समेत कई लोग घायल हो गये थे. हिजबुल्ला ने इसी हमले का बदला लेने के लिये यह हमला किया है.

हालांकि, फलस्तीन के चरमपंथी समूह हमास ने शनिवार को दावा किया कि उसने गाजा पट्टी में जनसंहार के प्रतिशोध में इजराइल के उत्तर में स्थित शोमेरा गांव में सैन्य चौकी की तरफ लेबनान से रॉकेट दागे. सरकारी समाचार एजेंसी 'नेशनल न्यूज एजेंसी' (एनएनए) ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि शनिवार रात को दक्षिण तटीय गांव अदलून पर इजराइली हवाई हमले में हथियारों के एक केंद्र को निशाना बनाया गया और इसके बाद कई विस्फोट हुए, जिससे आस-पास के गांवों में छर्रे बरसने लगे. इससे पास के गांव खरायेब में तीन लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया. खबर में हालांकि हथियार के केंद्र के बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गयी है लेकिन माना जा रहा है कि यह हिजबुल्ला का था. इस क्षेत्र में हिजबुल्ला सक्रिय है. हवाई हमले के बाद एक घंटे से अधिक वक्त तक विस्फोट होते रहे. हिजबुल्ला ने उत्तरी इजराइल के ग्रामीण इलाके दफना पर बीसियों कत्युशा रॉकेट दागे. यह हमला दक्षिणी लेबनान के गांव बुर्ज अल-मुलुक में एक कार पर इजराइली ड्रोन हमले के कुछ घंटों बाद हुआ.

योगी सरकार पर बरसे जयंत बोले-कुर्ते पर भी लिखवा लें नाम

एजेंसी। मुजफ्फरनगर (उप्र)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने रविवार को उप्र सरकार के उस आदेश की आलोचना की जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित भोजनालयों के मालिकों से कहा गया है कि वे अपनी दुकानों पर मालिकों के नाम प्रदर्शित करें. राज्यसभा सदस्य चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'ऐसा लगता है कि यह आदेश बिना सोचे-समझे लिया गया और सरकार इस पर इसलिए अड़ी हुई है क्योंकि निर्णय हो चुका है. कभी-कभी सरकार में ऐसी चीजें हो जाती हैं.' यह पूछे जाने पर कि क्या निर्णय वापस लिया जाना चाहिए, उन्होंने कहा, 'अभी भी समय है कि इसे (वापस) लिया जाए या सरकार को इसे (लागू करने) पर ज्यादा जोर नहीं देना चाहिए.' उन्होंने कहा, 'कांवड़ की सेवा सभी करते हैं. कांवड़ की पहचान कोई नहीं करता और न ही कांवड़ सेवा करने वालों की पहचान धर्म या जाति से की जाती है.' सरकार के फैसले का विरोध करते हुए चौधरी ने कहा कि उप्र सरकार ने यह फैसला बहुत सोच समझकर नहीं लिया है.

पीड़िता से शादी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो मामला खारिज

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मैसूर के उस व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है, जिसने 18 वर्षीय लड़की का उस समय कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया जब वह नाबालिग थी. अदालत ने उनकी शादी और उनके विवाह प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के बाद 23 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया. न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने इस बात पर जोर दिया कि यदि आरोपी मामले के बंद होने के बाद लड़की और उसके बच्चे को छोड़ देता है तो यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) मामले के तहत फिर से कार्रवाई शुरू की जा सकती है.

केदारनाथ पैदल मार्ग पर भूस्खलन, तीन श्रद्धालुओं की मौत

- आठ अन्य घायल, तलाश एवं बचाव अभियान जारी

एजेंसी। रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ धाम के पैदल रास्ते पर रविवार सुबह पहाड़ी से हुए भूस्खलन की चपेट में आने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में महाराष्ट्र के दो श्रद्धालु शामिल हैं.

रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि हादसा सुबह करीब साढ़े सात बजे गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर गौरीकुंड से तीन किलोमीटर आगे चीड़वासा के पास हुआ, जहां पहाड़ी से अचानक आए मलबे और भारी पत्थरों की चपेट में वहां से गुजर रहे श्रद्धालु आ गए. रजवार के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) और आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंचीं तथा तलाश एवं बचाव अभियान शुरू किया. एसडीआरएफ के सूत्रों ने बताया कि मलबे से अब तक तीन श्रद्धालुओं के शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि आठ लोगों को घायल अवस्था में निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है. तलाश अभियान अभी जारी है. सूत्रों के मुताबिक, ये श्रद्धालु केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए जा रहे थे और सुबह गौरीकुंड से पैदल चले थे.

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान नागपुर (महाराष्ट्र) निवासी किशोर अरुण पराटे (31), जालना (महाराष्ट्र) निवासी सुनील महादेव काले (24) और तिलवाड़ा (रुद्रप्रयाग) के रहने वाले अनुराग बिष्ट के रूप में की गई है. उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटना पर दुख व्यक्त किया है. सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने घटना को दुखद बताते हुए ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं शोकसंतप्त परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की.

आम चुनाव मेरी हत्या की कोशिश के बाद चीन के राष्ट्रपति ने मुझे प्यारा सा पत्र लिखा था : ट्रंप

ट्रंप का पलटवार, कहा- मैंने लोकतंत्र के लिए गोली खाई

एजेंसी। वाशिंगटन

पेनसिल्वेनिया में एक कार्यक्रम में हुए जानलेवा हमले में बाल-बाल बचे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी पहली चुनाव प्रचार रैली में आलोचकों की इन चिंताओं को खारिज किया कि वह लोकतंत्र के लिए खतरा हैं और कहा कि उन्होंने 'लोकतंत्र के लिए गोली खाई.'

मिशिगन में शनिवार को हुई रैली में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप के साथ उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जे डी वेंस भी थे. ग्रैंड रैपिड्स के वैन एंडेल एरिना में ट्रंप और वेंस को देखने के लिए 12,000 से अधिक लोग इकट्ठे हुए. ट्रंप (78) ने डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं का जिक्र करते हुए कहा, 'वे कहते रहते हैं कि वह (ट्रंप) लोकतंत्र के लिए खतरा हैं. मैं कहता हूं, 'मैंने लोकतंत्र के खिलाफ क्या किया है?' मैंने पिछले सप्ताह लोकतंत्र के लिए गोली खाई.' उन्होंने अपने हजारों समर्थकों की तालियों की गड़गड़ाहट के बीच कहा, 'मैंने लोकतंत्र के खिलाफ क्या किया? यह पागलपन है.' पेनसिल्वेनिया में एक चुनावी रैली के दौरान पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर एक बंदूकधारी ने कई गोलियां चलाई थीं. इस हमले में एक गोली ट्रंप के दाहिने कान को छूकर निकल गई थी, जबकि रैली में शामिल एक व्यक्ति मारा गया था और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे. ट्रंप ने आरोप लगाया कि प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन को चुनावी दौड़ से बाहर करने के लिए अपने ही प्राइमरी नतीजों को पलटने की कोशिश कर रही है. वहीं ट्रंप ने कहा कि पेनसिल्वेनिया में एक रैली में उन पर किए गए जानलेवा हमले के बाद चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने उन्हें एक प्यारा सा पत्र लिखा था. ट्रंप ने कहा, 'मेरा राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ बहुत अच्छा रिश्ता रहा और वह एक बढ़िया इंसान हैं.'

ट्रंप पर हमला करने वाले बंदूकधारी ने रैली से पहले कार्यक्रम स्थल पर ड्रोन उड़ाया था : अधिकारी

डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश करने वाले बंदूकधारी ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति के निर्धारित कार्यक्रम से पहले पेनसिल्वेनिया रैली स्थल के आसपास ड्रोन उड़ाया था, ताकि कार्यक्रम से पहले जगह का जायजा लिया जा सके. संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने ड्रोन बरामद कर लिया है. एफबीआई पिछले शनिवार को रैली में 20 वर्षीय थॉमस मैथ्यू क्रुक्स द्वारा की गई गोलीबारी के मामले की जांच का नेतृत्व कर रही है. क्रुक्स ने उस 'बटलर फार्म शो' के मैदान के पास स्थित एक इमारत की छत से कई गोलियां चलाईं, जहां ट्रंप भाषण दे रहे थे.

'बाइडन के समर्थन में एकजुट हो'

एजेंसी। वाशिंगटन

बाइडन का शरीर दवाओं को अच्छी तरह झेल रहा है

वाशिंगटन। पिछले सप्ताह कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन का शरीर कोविड-19 रोधी दवा को 'अच्छे से झेल पा' रहा है और वह राष्ट्रपति के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं. राष्ट्रपति के चिकित्सक डॉ. केविन सी. ओ'कॉनर ने प्रेस सचिव कैरीन ज्यां-पियरे को शनिवार को दिए एक ज्ञापन में कहा कि जीनोम अनुक्रमण से यह पता चला है कि बाइडन कोरोना वायरस के केपी.2.3 स्वरूप से पीड़ित हैं. अमेरिका में सामने आए कोविड-19 के हालिया मामलों में से 33.3 प्रतिशत मामले केपी.2.3 स्वरूप से संक्रमण के हैं. डॉ. ओ'कॉनर ने कहा, 'राष्ट्रपति बाइडन ने आज सुबह पैक्सलोविड की छठी खुराक ली.' उन्होंने कहा कि बाइडन को खांसी अब भी हो रही है, लेकिन उनकी तबीयत में लगातार सुधार दर्ज किया जा रहा है.

शीर्ष स्तर पर कई डेमोक्रेट चाहते हैं कि बाइडन नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से हट जाएं ताकि नए उम्मीदवार के लिए मार्ग प्रशस्त हो सके. भूटोरिया ने शनिवार को कहा, 'हम सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ प्रचार नहीं कर रहे, बल्कि हम अपने देश के लिए लड़ रहे हैं. राष्ट्रपति बाइडन हमारे उम्मीदवार हैं क्योंकि वह उन मूल्यों और प्रगति के लिए खड़े हैं जो सभी अमेरिकियों को लाभान्वित करते हैं.'

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)